मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	38.5	27.5
जमशेदपुर	37.4	20.8
डालटनगंज	37.8	23.9

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

रांची, धनबाद एवं पटना से प्रकाशित

* * *

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

चुनावी समर 2024

रविवार 14 अप्रैल 2024 ● चैत्र शुक्ल 06 , संवत 2081 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~5~~ ● वर्ष : 2, अंक : 6

आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

राहुल बोले- आदिवासी राष्ट्रपति को रोका

कोरोना में लाशें बिछी थीं और पीएम मोदी थाली बजवा रहे थे

जगदलपुर। राहुल गांधी ने छत्तीसगढ़ में चुनावी रैली की. उन्होंने पीएम मोदी को जम कर घेरा. राहुल ने कहा, कोरोना काल में लोग मर रहे थे, लाशें बिछी थीं, तो

मोदी थाली बजवा रहे थे. गरीब लोग कोरोना काल दिल्ली, मुंबई और दक्षिण से लोग घरों को लौटे, लेकिन कोई इंतजाम नहीं किया गया. सारे फायदे मोदी जी ने अरबपतियों को दे दिए. आम लोगों को कोई फायदा नहीं दिया. राहुल ने कहा कि देश के गिने-चुने 20-22 लोगों के पास देश का पूरा पैसा जमा है. देश में बेरोजगारी और महंगाई पर मीडिया पर नहीं बोलता. मोदी जो दिखाते हैं, वहीं मीडिया दिखाता है. राहुल ने आरोप लगाया कि हिंदुस्तान की राष्ट्रपति आदिवासी हैं, उनको राम मंदिर में जाने नहीं दिया. मोदी जी ने ये मैसेज देश को दिया. भाजपा जल जंगल जमीन को बेचने पर तुली हैं. मोदी सरकार गरीबों के लिए नहीं अरबपतियों के लिए काम करती है. गरीबों और आदिवासियों का हक छीन रही है. राहुल ने कहा, हमारी सरकार बनते ही हम नौकरियां देने की शुरुआत करेंगे. हिंदुस्तान में जो भी शिक्षित युवा हैं, उनको नौकरी देना हमारा काम होगा.

राजनाथ बोले- विलुप्त होगी कांग्रेस

कांग्रेस अगर सत्ता में आई तो देश में फिर बढ़ेगा भ्रष्टाचार

दंतेवाड़ा। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि जब भी कांग्रेस सत्ता में आती है, तो भ्रष्टाचार बढ़ता है जबकि केंद्र की मोदी सरकार पर 10 वर्षों में

भ्रष्टाचार का एक भी आरोप नहीं लगा. छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा के गीदम में चुनावी रैली में रक्षा मंत्री ने कहा कि चुनाव के बाद कांग्रेस खत्म हो जाएगी और पार्टी अगले कुछ वर्षों में डायनोसोर की तरह विलुप्त हो जाएगी. आजादी के बाद से कांग्रेस को भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना करना पड़ा है. जबकि कोई भी मोदी सरकार पर उंगली नहीं उठा सकता. कांग्रेस जंग लगे लोहे के टुकड़े की तरह है और रियलिटी शो बिग बॉस के घर जैसी दिखने लगी है. उन्होंने राजद नेता मीसा भारती के उस बयान की भी आलोचना की कि यदि भाजपा हार गई और विपक्षी गुट इंडिया की सरकार बनी, तब मोदी को जेल जाना होगा. सिंह ने चारा घोटाले में भारती के पिता लालू यादव को हुई सजा को लेकर कहा, जो नेता जेल में हैं, वे वोट हासिल करने के लिए लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं.

ममता बोलीं-मोदी का लौटना असंभव

देख लेना, इस चुनाव में भाजपा 200 सीट भी नहीं जीत पाएगी

जलपाईगुड़ी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने शनिवार को दावा किया कि आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा 200

सीट पर भी जीत दर्ज नहीं कर सकेगी. उन्होंने इसी के साथ पीएम नरेंद्र मोदी की ओर से दी जा रही गारंटी को झूठा करार दिया. उत्तरी बंगाल के जलपाईगुड़ी में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए बनर्जी ने आरोप लगाया कि भाजपा भीमराव आंबेडकर द्वारा बनाया गये संविधान को नष्ट कर रही है. तृणमूल कांग्रेस की चुनावी रैली में उन्होंने कहा, भाजपा 200 सीट भी नहीं जीतेगी. उन्होंने उत्तर बंगाल के लिए क्या किया है? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गारंटी के झांसे में नहीं आएं. ये कुछ और नहीं बल्कि चुनावी जुमला है. भाजपा नीत एनडीए ने आगामी चुनाव में 400 से सीट पर जीत दर्ज करने का लक्ष्य तय किया है. ममता बनर्जी ने आरोप लगाया, भाजपा देश के संविधान को नष्ट कर दिया है, जिसे बाबासाहेब आंबेडकर ने तैयार किया था. ममता ने दावा किया केंद्र में मोदी की हैट्रिक असंभव है.

चंपाई सोरेन का दावा- जीतेगा इंडिया

चुनावी समर में सीएम भी कूदे, अपने कार्यकर्ताओं को दिया जीत का मंत्र

आदित्यपुर। झारखंड के सीएम चंपाई सोरेन चार दिन के दौरे पर सरायकेला पहुंचे. चंपाई सोरेन पहले गम्हरिया के पिंडराबेड़ा में ग्रामीणों से मिले. जिसके

बाद में एक होटल में झामुमो कार्यकर्ताओं के साथ बूथ कमेटी की बैठक में शामिल हुए. बैठक में सीएम ने अपने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया. तीन बैठकों में हिस्सा लेने के बाद सीएम रविवार को सरायकेला में बूथस्तरीय संवाद में हिस्सा लेंगे. जबकि 16 अप्रैल को जिले में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे और भ्रमण करेंगे. मुख्यमंत्री ने मीडिया को बताया कि राज्य के 14 सीटों पर महागठबंधन की जीत होगी. उन्होंने कहा कि आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर आयोजित बैठक में कार्यकर्ताओं को चुनावी टिप्स दिए गए हैं. उन्होंने कहा कि झारखंड के सभी 14 लोकसभा सीटों पर महागठबंधन की जीत तय है. उनके सभी प्रत्याशी चुनाव जीतने में सक्षम हैं. सीएम ने कहा कि जल्द ही महागठबंधन के नेताओं के साथ मिल कर सभी सीटों पर प्रचार अभियान तेज किया जाएगा.

सर्राफा

सोना (बिक्री)	68,600
चांदी (किलो)	88,000

ब्रीफ खबरें

भाजपा आज जारी करेगी घोषणापत्र

नयी दिल्ली। भाजपा रविवार को पीएम नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में लोकसभा चुनाव के लिए अपना घोषणापत्र जारी करेगी. पार्टी की ओर से शनिवार को यह जानकारी दी गई. भाजपा अपने घोषणापत्र को संकल्प पत्र का नाम देती रही है. इसका मसौदा तैयार करने के लिए पार्टी ने पिछले दिनों रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में एक समिति गठित की थी. निर्मला सीतारमण इस समिति की संयोजक हैं.

केजरीवाल की याचिका पर कल होगी सुनवाई

नयी दिल्ली। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को आबकारी नीति से जुड़े धनशोधन मामले में ईडी द्वारा गिरफ्तार किए जाने और उन्हें हिरासत में रखने के फैसले को दिल्ली हाईकोर्ट की ओर से नौ अप्रैल को वैध करार दिए जाने के खिलाफ दाखिल याचिका पर सोमवार को सुनवाई करेगा. शीर्ष अदालत की वेबसाइट पर सुनवाई के लिए जारी मुकदमों की सूची में केजरीवाल की याचिका भी शामिल है.

मोदी के बहकावे में नहीं आयें: प्रियंका

रामनगर। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने शनिवार को लोगों से कहा कि वे पीएम नरेंद्र मोदी के भाषणों में इस्तेमाल किए गए शब्दों के बहकावे में नहीं आएं और आगामी लोकसभा चुनाव में बदलाव के लिए वोट करें.

सेना ने सियाचिन में चार दशक पूरे किये

नयी दिल्ली। भारी सामानों को उठाने में सक्षम हेलीकॉप्टरों का उपयोग, अनुकूल वाहनों की तैनाती, मार्गों का विशाल नेटवर्क बिछाया जाना उन कई कदमों में शामिल हैं जिन्होंने दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन में भारत की सैन्य कौशल बढ़ाया है. भारतीय सेना ने सियाचिन ग्लेशियर में चार दशकों का सफर पूरा कर लिया है.

तीसरी बार मोदी सरकार

44%-हां 39%-ना

लगातार न्यूज नेटवर्क

पांच दिन बाद लोकसभा के पहले चरण का मतदान होंगे. सबके सामने सबसे बड़ा सवाल यही है कि मोदी तीसरी बार सरकार बना पाएंगे या नहीं. इस बीच लोकनीति-सीएसडीएस (सेंटर फॉर द स्टडी ऑफ डेवलपमेंट सोसाईटी) की रिपोर्ट ने नई बहस छेड़ दी है. यह अलग बात है कि इस सर्वे रिपोर्ट पर ज्यादातर हिंदी के अखबारों व टीवी चैनलों में रहस्यमय चुप्पी है. हम बात कर रहे हैं, तीसरी बार मोदी सरकार, हां या नहीं. तो चुनाव पूर्व 10000 लोगों पर हुए सर्वे में अनुमान सामने आया है. देश के 44 प्रतिशत लोग चाहते हैं कि नरेंद्र मोदी तीसरी बार भी प्रधानमंत्री बनें. जबकि 39 प्रतिशत लोग चाहते हैं कि तीसरी बार मौका नहीं मिलना चाहिए. यह भाजपा और एनडीए के लिए अच्छी खबर है. लेकिन हां और ना के बीच सिर्फ पांच प्रतिशत का फर्क थोड़ी चिंता की भी बात है.

राम मंदिर मुद्दा

राम मंदिर निर्माण का मुद्दा सबसे ज्वलंत मुद्दा है. भारत की राजनीति में पिछले तीस सालों से अधिक समय यह बड़ा मुद्दा रहा है. इस मुद्दे ने देश की राजनीति को नया आकार दिया है. देश का बहुत बड़ा तबका इस मुद्दे से खुद को जोड़ रखा है. रामरथ पर सवार होकर ही भाजपा इस मुकाम तक पहुंची है. आज भी भाजपा की सभाओं में राम मंदिर की चर्चा होते ही भीड़ में सबसे अधिक जोश देखने को मिलता है. हालांकि सर्वे के मुताबिक राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा के दो माह बाद भी लोग इससे बहुत खुश हैं. यह मुद्दा लोगों की भावना से जुड़ा हुआ है.

मोदी सरकार के काम

भाजपा के लिए खुश करने वाला एक और तथ्य यह है कि मोदी सरकार के 10 साल के कार्यकाल में हुए कामों को देखते हुए 44 प्रतिशत लोग चाहते हैं कि वह दुबारा सत्ता में आयें. हालांकि सर्वे में शामिल 10000 लोगों में एक बड़ा हिस्सा है, जो मोदी को तीसरा मौका देने को तैयार नहीं है. 23 प्रतिशत लोग यह मानते हैं कि राम मंदिर का निर्माण कर मोदी सरकार ने अच्छा काम किया है, लेकिन रोजगार के मुद्दे पर नौ प्रतिशत लोग मोदी सरकार को पसंद नहीं करते. गरीबी हटाने के मुद्दे पर सिर्फ आठ प्रतिशत लोग ही मोदी सरकार को पसंद कर रहे हैं.

मोदी को नापसंद करने की वजह

देश का एक बड़ा तबका नरेंद्र मोदी सरकार को पसंद नहीं करते. महंगाई व बेरोजगारी की वजह से वह खफा हैं. 24 प्रतिशत लोग मोदी सरकार को नापसंद करने की वजह बेरोजगारी का बढ़ना और रोजगार के अवसर का कम होना बताते हैं. करीब इतने ही लोग बढ़ती महंगाई की वजह से परेशान हैं और महंगाई पर काबू नहीं पाने की वजह से मोदी सरकार को नापसंद करते हैं. 10 प्रतिशत लोगों का मानना है कि गरीब को कम करने के लिए मोदी सरकार ने ना के बराबर काम किया है. मोदी सरकार को ना चुनने की वजहों में 32 प्रतिशत लोगों ने बढ़जी बेरोजगारी को वजह बताया है. वहीं 20 प्रतिशत लोग इसकी वजह बढ़ती महंगाई को बताते हैं. जबकि 11 प्रतिशत लोगों ने मोदी सरकार को नापसंद करने की वजह घटती कमाई को बताया है. बढ़ती महंगाई और घटती कमाई ने उनकी हालत पतली कर दी है.

भ्रष्टाचार: सर्वे में 55 प्रतिशत लोगों ने कहा है कि देश में भ्रष्टाचार बढ़ा है. इससे पहले वर्ष 2019 के लोकनीति-सीएसडीएस सर्वे में ऐसा मानने वाले लोगों की संख्या 40 प्रतिशत थी. सिर्फ 19 प्रतिशत लोग मानते हैं कि भ्रष्टाचार कम हुआ है. इससे पता चलता है कि पांच साल में भ्रष्टाचार के मुद्दे पर मोदी सरकार पर विश्वास कमजोर पड़ा है. भ्रष्टाचार के मुद्दे पर गांव व शहरों के लोगों की सोच लगभग एक जैसी है. भ्रष्टाचार बढ़ा है, ऐसा मानने वालों में 53 प्रतिशत ग्रामीण और 57 प्रतिशत शहरी शामिल हैं. इस मुद्दे पर गरीब-अमीर की सोच अलग-अलग है, यह भी एक जैसी ही हैं. 54 प्रतिशत निम्न मध्यम वर्ग, 53 प्रतिशत मध्यम वर्ग और 57 प्रतिशत अमीर मानते हैं कि भ्रष्टाचार बढ़ा है. गरीब तबके के 16 प्रतिशत, निम्न मध्यम वर्ग के 19 प्रतिशत, मध्यम वर्ग के 20 प्रतिशत और 23 प्रतिशत अमीर मानते हैं कि भ्रष्टाचार कम हुआ है.

आप उलझे रहें मटन-मछली में

इधर पेट भरना हो गया महंगा

सुरजीत सिंह। रांची

आम लोग भले ही बेरोजगारी व महंगाई से परेशान हैं. भले ही आम लोगों के लिए परिवार चलाना मुश्किल हो रहा है. लेकिन दो दिन से लोकसभा चुनाव का सबसे बड़ा मुद्दा मटन और मछली बना हुआ है. कम से कम सोशल मीडिया और टीवी चैनलों पर तो यही सबसे बड़ा मुद्दा है. इस बीच आपके लिए एक और परेशान करने वाली खबर आयी भी-चली भी गयी. ना किसी ने चर्चा की, ना ही यह मुद्दा बना और ना ही आपको पता ही चला. राजनेताओं ने भी इस पर जुबान बंद ही रखी. किसी ने बोला भी तो वह बात आप तक नहीं पहुंची. पिछले हफ्ते चार अप्रैल को क्रिसिल (क्रेडिट रेटिंग इंफॉर्मेशन सर्विसेज ऑफ इंडिया लिमिटेड) की रिपोर्ट आयी. क्रिसिल का मुख्यालय मुंबई में है और यह संस्था 1987 से काम कर रही है. क्रिसिल विश्व स्तर पर सभी तरह के मामलों का अध्ययन कर रिपोर्ट तैयार करती है.

क्रिसिल की ताजा रिपोर्ट बताती है कि तीन मार्च और तीन अप्रैल के बीच (एक महीने में) आपके भोजन तैयार करने की कीमत में बड़ी बढ़ोतरी हो गई है. खाने के तेल में प्रति किलो 7.40 रुपए तक की और दाल में 2.50 रुपए तक की वृद्धि दर्ज की . यहां तक कि गरीब और मिडिल क्लास जिस सब्जी आलू का इस्तेमाल सब्जी के रूप में सबसे अधिक करता है, उसकी कीमत भी 17 रुपए से बढ़ कर 25 रुपए हो गई है. यानी एक महीने के भीतर ही 7.10 रुपए की बढ़ोतरी. क्रिसिल की रिपोर्ट यह भी बताती है कि एक माह के भीतर शाकाहारी थाली तैयार करने की कीमत में 1.80 प्रति थाली की बढ़ोतरी हो गई है. हालांकि मुर्गे की कीमत में कमी आने की वजह से मांसाहारी थाली की कीमत में 4.30 रुपए की कमी आयी है. यानी शाकाहारी भोजन सात प्रतिशत महंगा हुआ है और मांसाहारी भोजन सात प्रतिशत सस्ता.

क्रिसिल की ताजा रिपोर्ट

शाकाहारी भोजन महंगा मांसाहारी हुआ सस्ता

पेट भरना हुआ कितना महंगा (प्रति किलो रुपये में)

खाद्य पदार्थ	3 मार्च को प्रति किलो	3 अप्रैल को प्रति किलो	कितने बढ़े
सोया तेल	122	131	7.40
सरसों तेल	133	139	4.50
मूंगफली तेल	133	139	4.50
मूंग दाल	122	125	2.50
मसूर दाल	85	87	2.40
अरहर दाल	157	157	00
चावल	40	40	00
आलू	17	25	7.1

नोटः खाद्य पदार्थों की यह कीमत क्रिसिल की चार अप्रैल की रिपोर्ट के अनुसार है.

क्या कहते हैं क्रिसिल के डायरेक्टर

क्रिसिल मार्केट इंटेलिजेंस एंड एनालिटिक्स के शोध निदेशक पूषन शर्मा ने कहा, पिछले पांच महीनों से शाकाहारी और मांसाहारी भोजन की थालियों की कीमतों में अंतर बना हुआ है. शर्मा के अनुसार, शाकाहारी थाली साल दर साल महंगी हो गई है, जबकि मांसाहारी थाली सस्ती है. यह अंतर इसलिए है क्योंकि अधिक आपूर्ति के कारण ब्रायलर चिकन की कीमतें गिर गई हैं. फरवरी की तुलना में मार्च में मांसाहारी थाली की कीमत दो प्रतिशत बढ़ी क्योंकि इससे कच्चे तेल की कीमतों में पांच प्रतिशत का उछाल आया है. रमजान में चिकन मीट की ज्यादा डिमांड थी और चारे की लागत बढ़ गई.

अच्छी खबर जांच के लिए स्वदेशी किट विकसित, ट्रायल शुरू, जल्द जांच की सुविधा उपलब्ध होगी

अब मूत्र जांच से हो सकेगी सर्वाइकल कैंसर की पहचान

एजेंसी। नयी दिल्ली

सर्वाइकल कैंसर की पहचान आने वाले दिनों में मूत्र जांच से भी हो सकेगी. इस जांच के लिए दिल्ली के एम्स में शोध चल रहा है. एम्स की डॉ. ज्योति इस दिशा में काम कर रही हैं. उम्मीद है कि इस तकनीक भी जल्द जांच की सुविधा उपलब्ध होगी. फिलहाल सर्वाइकल कैंसर के लिए स्वदेशी जांच किट तैयार है.आईसीएमआर, राष्ट्रीय प्रजनन एवं बाल स्वास्थ्य अनुसंधान संस्थान और राष्ट्रीय कैंसर रोकथाम एवं अनुसंधान संस्थान ने इसे विकसित किया है. शनिवार को एम्स के निदेशक डॉ. एम श्रीनिवास ने इस किट के परीक्षण की शुरुआत की. एम्स सहित देश के तीन केंद्रों पर इसकी जांच होगी. किट की सटीकता जांचने के लिए 1200 सैंपल मिले हैं. अगले तीन महीनों तक स्वदेशी किट पर इन सैंपलों की जांच ग्रुप बना कर की जाएगी. देखा जाएगा कि इसके परिणाम कितने बेहतर हैं. स्वदेशी किट से एकल सैंपल के आधार पर महज 90 मिनट में जांच हो जाएगी. मौजूदा समय में जांच के लिए पूरे दिन का समय लग जाता है. डॉक्टरों का कहना है कि एम्स में सर्वाइकल कैंसर की जांच के लिए 90 सैंपल का बैच बनाया जाता है. उसके बाद सभी सैंपलों की जांच एक साथ होती है.

अभी महंगी है जांच

एम्स की स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग की पूर्व प्रमुख डॉ. नीरजा भाटला ने बताया कि मौजूदा समय में उपलब्ध जांच से टेस्ट करने में पूरे दिन का समय लग जाता है. यह महंगा होने के साथ प्रमुख जगहों पर ही उपलब्ध है. ऐसे में इसकी मदद से सभी महिलाओं की जांच संभव नहीं है. इसी को देखते हुए स्वदेशी किट तैयार की गई है. यह सस्ती होने के साथ आसानी से सुलभ होगी.इस किट की सटीकता की जांच के लिए अलग तीन माह तक अध्ययन किया जाएगा. हम उम्मीद कर रहे हैं कि परिणाम बेहतर आएंगे. शोध पूरा होने के बाद इसे पूरे देश में उपलब्ध करवा दिया जाएगा.

टीके के लिए होगी फायदेमंद : स्वदेशी किट के परीक्षण के दौरान सैंपल की जांच करते हुए देखा जाएगा कि कौन सी जांच बेहतर है. महिलाओं में यह रोग क्यों हो रहा है. परिणाम मिलने के बाद आने वाले दिनों में तकनीक में और बदलाव होगा. कारकों की पहचान कर वैक्सीन बनाने की दिशा में सुधार किया जाएगा. मौजूदा समय में विदेशी कंपनी के साथ एक स्वदेशी कंपनी का टीका भी उपलब्ध है.

महिलाओं में सबसे ज्यादा समस्या

स्तन कैंसर के बाद महिलाओं में होने वाला दूसरा सबसे बड़ा कैंसर सर्वाइकल है. इसके कारण हर साल देश में 77 हजार से अधिक महिलाएं दम तोड़ देती हैं. विशेषज्ञों का कहना है कि 35 और 45 साल की उम्र की महिलाओं को दो बार जांच करवानी चाहिए, ताकि इस बीमारी को आसानी से पकड़ा जा सके. ऐसा होने पर कैंसर के ठीक होने की संभावना बढ़ जाती है. देश में हर साल करीब 1.2 लाख महिलाओं में इस कैंसर का पता चलता है.

एक करोड़ बेरोजगारों को नौकरी देंगे

लोकसभा चुनाव : राजद के परिवर्तन पत्र में जनता से 24 वादे किए गए

संवाददाता । पटना

पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने लोकसभा चुनाव के लिए शनिवार को पार्टी का घोषणापत्र जारी किया जिसमें देश भर में एक करोड़ बेरोजगार युवाओं को सरकारी नौकरी और रक्षाबंधन पर गरीब परिवारों की बहनों को प्रति वर्ष एक लाख रुपये देने का वादा किया गया है. राजद ने अपने घोषणा पत्र को परिवर्तन पत्र नाम दिया है. राजद के परिवर्तन पत्र में जनता से 24 वादे किए गए हैं. यादव ने यहां घोषणापत्र जारी करने के दौरान कहा हमने आज परिवर्तन पत्र जारी किया है, हम 2024 के चुनावों के लिए 24 वचन लेकर आए हैं. बिहार के विकास के लिए आज हम जो भी वादा करेंगे उसे पूरा करेंगे. उन्होंने कहा, हम लोग जो वादा करते हैं उसे पूरा करके दिखाते हैं. 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव के समय हम लोगों ने जितने भी वादे किए थे उसे अपने 17 महीने के कार्यकाल (बिहार की पिछली महागठबंधन सरकार) के दौरान पूरा करने की कोशिश की. उन्होंने कहा, हमने पांच लाख सरकारी नौकरी की व्यवस्था की. जाति आधारित गणना कराई और आरक्षण की सीमा को बढ़ाकर 75 प्रतिशत किया.

बहनों को सालाना एक लाख रुपये देंगे

यादव ने कहा कि केंद्र में इंडिया की सरकार बनने पर देश भर में एक करोड़ बेरोजगार युवाओं को एक करोड़ सरकारी नौकरी दी जाएगी. राजद नेता ने कहा, इस साल रक्षाबंधन के मौके पर हम गरीब परिवारों की अपनी बहनों को सालाना एक लाख रुपये देना शुरू करेंगे. घोषणापत्र में सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना लागू करने और एलपीजी सिलेंडर 500 रुपये में देने का भी वादा किया गया है. उन्होंने कहा कि पूरे देश में वर्तमान में 30 लाख से अधिक सरकारी पद रिक्त हैं जिनको भरने के साथ-साथ 70 लाख पद सृजित किए जाएंगे.

बिरहोर बच्ची की मौत का मामला: मानवाधिकार आयोग ने मामला दर्ज कर लिया संज्ञान

हजारीबाग उपायुक्त को आठ सप्ताह में कार्रवाई करने का दिया निर्देश

40 *हजार मुआवजा देकर शव दफनाने का दबाव दिए जाने की जानकारी दी थी*

प्रवीण कुमार।रांची

हजारीबाग के केरेडारी प्रखंड में पगार बिरहोर टोला की नाबालिग किरणी बिरहोर की मौत के मामले में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग ने मामला दर्ज कर संज्ञान लिया है. आयोग ने हजारीबाग डीसी से आठ सप्ताह में कार्रवाई करते हुए सूचित करने का निर्देश दिया है. एनटीपीसी की चट्टी बरियातू कोयला खनन परियोजना से महज कुछ दूरी पर बिरहोर समुदाय की एक बस्ती है. वहां एनटीपीसी के एमडीओ ऋत्विक-एएमआर द्वारा खनन कार्य किया जा रहा है. जिसके दुष्प्रभाव के कारण किरणी बिरहोर की मौत 28 फरवरी को हो गई थी. इस मामले को लेकर राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग से बिरहोर बस्ती को बिना बसाए खनन कार्य करने और किरणी बिरहोर की मौत के जिम्मेवार लोगों को चिन्हित कर कानूनी कार्रवाई करने की मांग की गई थी.

बिरहोर बस्ती और छोटकी नदी का अस्तित्व खतरे में

शिकायतकर्ता मंटू सोनी ने अपनी शिकायत में कहा है कि एनटीपीसी की चट्टी बरियातू कोल परियोजना के खनन स्थल से महज कुछ मीटर की दूरी बिरोहर बस्ती को बिना विस्थापित-पुर्नवास किए खनन कार्य चालू कर दिया गया है. खनन स्थल के समीप आदिम जनजाति बिरहोर (आबादी 250 और 40 बच्चे) रहते हैं. खनन से उड़ने वाली धूल के दुष्प्रभाव में आकर 28 फरवरी को दस वर्षीय नाबालिग आदिम जनजाति की बिरहोर बच्ची की मौत हो गई थी. कंपनी द्वारा महज 40 हजार मुआवजा देकर शव दफनाने का दबाव दिए जाने की जानकारी दी थी. इसके अलावे खनन के आसपास घनी मानव आबादी भी है जिसे विस्थापित-पुर्नवास किए बिना खनन कार्य जारी किया जा रहा है. परियोजना अंतर्गत छोटकी नदी के एक किलोमोटर एरिया को भी बंद कर उसमें ओबी डंप कर उसे भर दिया गया है. जिससे उस नदी का अस्तिव मिटने के कगार पर आ गया है. पूरे मामले पर जिला-प्रसाशन भी मौन है और आम जनता विवश है. एनटीपीसी और जिला प्रसाशन द्वारा समुचित प्रयास करने का आश्वासन देकर मामूली पानी छिड़काव के नाम पर मानव आबादी को खतरे में डाल खनन कार्य कर रही है. कोई अनहोनी होने पर स्थानीय प्रशासन/मीडिया को मैनेज कर दबाने का प्रयास किया जाता है.

बिरहोर बस्ती को बिना बसाए ही कोयला खनन किये जाने पर जिला प्रशासन ने चुप्पी साध रखी है

एनटीपीसी के एमडीओ ऋत्विक-एएमआर की मनमानी और जिला प्रशासन के मौन से हुई मौत और बिरहोर बस्ती तथा छोटकी नदी के अस्तित्व पर मंडरा रहे खतरे पर उठ रहे सवालों पर जिला प्रशासन का मौन और बिरहोर बस्ती को बसाए जाने का प्रयास करने की बात बोल मूल मुद्दों से ध्यान भटकाने का जो प्रयास किया जा रहा है, उससे जिला प्रशासन पर गंभीर सवाल खड़ा किए जा रहे हैं. क्योंकि जिला प्रशासन ने कैसे बिरहोर बस्ती को बिना बसाए खनन कार्य चालू करवाया ? उस बस्ती में मौत के जिम्मेवार लोगों को चिन्हित कर कानूनी कार्रवाई करने के बजाए एमडीओ द्वारा 40 हजार मुआवजा देकर मामले को रफा-दफा करने के प्रयास पर उसकी चुप्पी भी गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़ा कर रही है.

फिलहाल सभी छह विधानसभा सीटों पर है इंडिया गठबंधन का कब्जा

झारखंड की 'हॉट' सीट सिंहभूम, दो महिला दिग्गजों का होगा आमना-सामना

सुकेश कुमार।रांची

कोल्हान की दो लोकसभा सीटों में से एक सिंहभूम लोकसभा हॉट सीट इसलिए हो गयी है, क्योंकि यहां दो महिला दिग्गजों के बीच महामुकाबला है. सिंहभूम लोकसभा के लिए 13 मई को वोट डाले जाएंगे. चुनावी अखाड़े में दो महिला उम्मीदवार खड़ी हैं. भाजपा ने निर्वतमान सांसद गीता कोड़ा को चुनाव में उतारा है, वहीं इंडिया गठबंधन की ओर से झामुमो ने हेमंत सरकार में महिला एवं बाल विकास मंत्री रहीं जोबा मांझी पर दांव चला है. दो महिला उम्मीदवारों के बीच महामुकाबला की वजह से सिंहभूम सीट राज्य भर में चर्चा में बनी हुई है. दोनों महिला उम्मीदवार अपने पति की राजनीतिक विरासत बचाने में जुटी हैं. दोनों उम्मीदवार अपनी-अपनी विधानसभा सीटों पर भी मजबूत पकड़ रखती हैं. सियासी-सामाजिक पकड़ की बात करें, तो झामुमो की जमीनी पकड़ भाजपा से बेहतर नजर आती है. इसका कारण है चाईबासा कीके सभी छह विधानसभा सीटों पर झामुमो-कांग्रेस का एकतरफा कब्जा है. वहीं आज के दिन भाजपा किसी भी विधानसभा सीट पर कब्जा नहीं है. हालांकि विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव का वोटिंग पैटर्न अलग होता है. हालांकि अभी तक इस लोकसभा सीट के लिए चुनाव प्रचार परवान नहीं चढ़ा है. भाजपा के स्टार प्रचारक पीएम मोदी की रैली नहीं हुई है, देखना होगा कि उनकी इंट्री के बाद कोल्हान के इस सियासी जमीन में कितना बदलाव हो पाता है. वैसे 2019 के लोकसभा चुनाव में चाईबासा में पीएम मोदी की रैली तो हुई थी, लेकिन उसका न तो लोकसभा चुनाव में कोई असर पड़ा था और न विधानसभा चुनाव में ही. पीएम मोदी की रैली के बाद भी भाजपा पिछड़ गयी थी.

1991
में झामुमो के कृष्णा मार्डी पहुंचे थे लोकसभा

हो बहुल लोकसभा क्षेत्र में झामुमो ने खड़ा किया संथाल प्रत्याशी

सिंहभूम लोकसभा सीट पर 2019 की मोदी लहर में भी कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में गीता कोड़ा ने जीत का परचम लहराया था. पूर्व मुख्यमंत्री मधु कोड़ा की पत्नी गीता कोड़ा ने इस बार कांग्रेस छोड़ कमल का दामन थाम लिया है. भाजपा ने गीता कोड़ा को ही सिंहभूम से टिकट देकर चुनाव में उतार दिया है. गीता हो जनजाति से आती हैं. सिंहभूम लोकसभा सीट हो बहुल है. लोकसभा क्षेत्र में करीब 56% आबादी हो जानजातियों की है. इसके बाद पिछड़ा वर्ग में कुर्मी- महतो के बाद संथालों को आबादी है. स्थानीय जानकारों का दावा है कि जगन्नाथपुर विधानसभा में निश्चित रुप से मधु कोड़ा की पकड़ मजबूत है, लेकिन उनके सामने इस संभावित लीड को सरायकेला, चाईबासा, मझगांव, मनोहरपुर और चक्रधरपुर विधानसभा में बनाये रखने की चुनौती होगी. गीता कोड़ा को उम्मीदवारी के सहारे इस बार वहां कमल खिलाने का ख्बाव भाजपा का है. उस गीता कोड़ा की जीत में झामुमो की सियासी जमीन कितना बड़ा योगदान था, यह भी एक बड़ा सवाल है. इस हालत में देखना दिलचस्प होगा कि झामुमो की इस ताकत के बगैर गीता कोड़ा कितना दम-खम दिखला पाती हैं.

जोबा मांझी को है संगठन पर भरोसा

सिंहभूम लोकसभा सीट से 1991 में झामुमो के कृष्णा मार्डी ने संथाल होते हुए भी हो बहुल लोकसभा क्षेत्र से चुनाव जीता था. इसके बाद हुए चुनाव में झामुमो लोकसभा सीट नहीं जीत सकी. वहीं पिछले दो दशकों से चुनाव में गठबंधन की राजनीति में सिंहभूम सीट सहयोगी दलों के खाते में चले जाने की वजह से झामुमो लोकसभा सीट पर अपना उम्मीदवार खड़ा नहीं कर पाता था. 2019 के विधानसभा चुनाव में सिंहभूम लोकसभा की सभी 6 विधानसभा सीटें इंडिया गठबंधन ने जीत ली थी. झामुमो के कब्जे में पांच सीटें सरायकेला, चाईबासा, मझगांव, मनोहरपुर और चक्रधरपुर हैं, वही जगन्नाथपुर सीट कांग्रेस के कब्जे में है. भाजपा गठबंधन के पास विधानसभा की सीटें नहीं है. ऐसे में जोबा मांझी की सिंहभूम लोकसभा सीट पर संथाल होते हुए दावेदारी को कमजोर नहीं आंका जा सकता. संयुक्त बिहार और झारखंड सरकार में कई बार मंत्री रह चुकीं जोबा मांझी वर्ष 1995 से लेकर 2019 तक के विधानसभा चुनाव में सिर्फ एक बार 2009 में ही हारी हैं. 1995, 2000, 2005, 2014 और 2019 में वे मनोहरपुर विधानसभा से लगातार चुनाव जीतती रही हैं.

सिंहभूम लोस सीट से झामुमो प्रत्याशी बदलने की भी चर्चा

सिंभूम लोकसभा सीट से झामुमो के प्रत्याशी बदलने की भी चर्चा हो रही है. मामला मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन तक भी पहुंचा है. नाम न लिखने की शर्त पर कोल्हान के दो विधायकों ने कहा अभी चुनाव का मामला बिल्कुल ठंडा पडा हुआ है. सभी विधायक पार्टी उम्मीदवार के लिए काम करेंगे. लेकिन किसी भी हो समुदाय के प्रत्याशी को पार्टी चुनाव में उतारती, तो सीट आसानी से निकला जा सकता था. हालांकि 1991 में झारखंड मुक्ति मोर्चा से कृष्णा मार्डी चुनाव जीत चुके हैं. वह संथाल समुदाय से आते हैं. विधायकों की मानें, तो प्रत्याशी बदलने के मामले में अगले एक-दो दिनों में फैसला हो सकता है.

कल्पना से मिले पटेल, चुनाव पर चर्चा

रांची। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी जय प्रकाश भाई पटेल ने शनिवार को कल्पना सोरेन से मुलाकात की. इस दौरान जेपी पटेल ने कल्पना सोरेन से हजारीबाग के लिए रणनीति पर विचार विमर्श किया. साथ ही गठबंधन दल के पूर्ण सहयोग की अपील की. कल्पना सोरेन ने जेपी पटेल को आश्वासन दिया कि महागठबंधन के सभी दल सभी सीटों पर मजबूती से चुनाव लड़ेंगे और सभी दल गठबंधन दल के प्रत्याशी को अपना-अपना सहयोग देंगे. कल्पना ने कहा कि बहुत जल्द साझा चुनाव प्रचार का कार्यक्रम तय किया जाएगा.

जयराम की पार्टी ने रांची, दुमका और धनबाद से उम्मीदवारों की घोषणा की

संवाददाता।रांची

जयराम महतो की पार्टी जेएलकेएम ने शनिवार को तीन लोकसभा सीट रांची, दुमका और धनबाद से उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है. रांची से देवेंद्र नाथ महतो, धनबाद से इकलाख अंसारी और दुमका से बेबी लता टुडू को प्रत्याशी बनाया गया है. जेएलकेएम के अध्यक्ष जयराम महतो गिरिडीह लोकसभा से चुनाव लड़ने की घोषणा पहले ही कर चुके हैं, वहां एनडीए के घटक दल आजसू से चंद्रप्रकश चौधरी उम्मीदवार हैं. वहीं झामुमो ने गिरिडीह से मथुरा महतो को उम्मीदवार बनाया है.

रोड मैप तैयार कर चार दिन में सौंपने का निर्देश

21 की न्याय उलगुलान महारैली को लेकर कांग्रेस सक्रिय हुई

विशेष संवाददाता।रांची

"इंडिया" गठबंधन द्वारा 21 अप्रैल को प्रभात तारा मैदान, धुर्वा में आयोजित उलगुलान न्याय महारैली को सफल बनाने के लिए प्रदेश कांग्रेस सक्रिय हो गयी है. रैली में हिस्सा लेने के लिए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, सोनिया गांधी और राहुल गांधी को आमंत्रित किया गया है. इसे देखते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने जिलाध्यक्षों एवं वरीय नेताओं को आवश्यक दिशानिर्देश जारी किया है. प्रदेश प्रवक्ता सोनल शांति ने बताया कि इस न्याय उलगुलान महारैली में राष्ट्रीय व क्षेत्रीय दलों के बड़े नेता भी शामिल होंगे. महारैली को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने हेतु सभी लोकसभा प्रत्याशियों, विधायकों, जिला अध्यक्षों, लोकसभा को-ऑर्डिनेटर, जिला प्रभारी, अग्रणी मोर्चा संगठन के अध्यक्ष सहित विधानसभावार नियुक्त प्रभारियों को संगठन स्तर पर बैठक बुलाने और रैली को सफल बनाने के लिए उचित कार्ययोजना तैयार कर चार दिनों के अंदर प्रदेश कार्यालय को अवगत कराने का निर्देश प्रदेश अध्यक्ष ने दिया है.

गठबंधन में शामिल दलों के साथ समन्वय बना कर तैयारी करें : प्रवक्ता सोनल शांति ने बताया कि सभी जिला अध्यक्षों को जिला स्तर पर इंडिया गठबंधन में शामिल दलों के साथ समन्वय स्थापित कर बैठक आयोजित कर ज्यादा से ज्यादा लोगों की रैली में सहभागिता सुनिश्चित करने के कहा गया है. प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जिला स्तर पर बेहतर समन्वय के साथ काम करने की जरूरत है, ताकि न्याय उलगुलान रैली ऐतिहासिक हो और इसका पूरे देश भर में सकारात्मक संदेश जाए. उन्होंने बताया कि झारखंड की धरती से होने वाले इस न्याय उलगुलान से जनता, युवाओं और किसानों, महिलाओं और अन्य समाज के लोगों की उम्मीदों को बल मिलेगा कि वे अपना भविष्य मजबूत गठबंधन के हाथों में सुरक्षा के लिए सौंप रहे हैं.

खास बातें

- खड़गे, सोनिया और राहुल को आमंत्रित किया गया है
- जिला स्तर पर समन्वय बना बेहतर काम करने की जरूरत

सुबोधकांत सहाय ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ डकरा में की बैठक

रांची। कांग्रेस नेता सुबोधकांत सहाय ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ डकरा वीआईपी सभागार में बैठक की. इस दौरान उन्होंने खलारी प्रखंड के 14 पंचायतों में कोर कमिटी गठित कर प्रभारी नियुक्त किया गया. कमेटी के अध्यक्ष की कमान बिगन सिंह भोक्ता को सौंपी गयी. वहीं ललन प्रसाद सिंह चुरी पश्चिमी पंचायत,अब्दुल्ला अंसारी को चुरी मध्य और चुरी दक्षिणी पंचायत, इन्दिरा देवी लपरा, सूनील सिंह बामने,नीलू देवी चुरी उत्तरी,जमील सिंह विश्रामपुर, गोपाल सिंह तुमांग,मोनू रजक हुटाप,विक्की सिंह बुकबुका,अशोक महतो राय,तजमुल बाबू खान खलारी, साबीर अंसारी को मायापुर के प्रभारी नियुक्त किये गए. बैठक को संबोधित करते सुबोधकांत ने कहा कि किसी संगठन का कार्यकर्ता ही रीढ़ होती है. उन्होंने पार्टी को मजबूत करने के साथ साथ पार्टी के पदाधिकारियों को दिशा-निर्देश दिया. इस मौके पर प्रखंड अध्यक्ष साबीर अंसारी,गोपाल सिंह, सोनू पांडेय, सलामत अंसारी, रमेश चौहान, रोशन लाल, अले रसूल, रूपेश मिश्रा, प्रभाकर गंझू आदि मौजूद थे.

ऑल इंडिया पोस्टल-आरएमएस पेंशनर्स एसोसिएशन की बैठक

सीजीएचएस को आयुष्मान से लिंक करने का विरोध

संवाददाता।रांची

ऑल इंडिया पोस्टल -आरएमएस पेंशनर्स एसोसिएशन की झारखंड शाखा की बैठक रांची जीपीओ में शनिवार को केडी राय व्यथित की अध्यक्षता में संपन्न हुई. इसमें सीजीएचएस (केंद्र सरकार स्वास्थ्य योजना) को अनिवार्य रूप से आयुष्मान के साथ लिंक किये जाने के सरकारी निर्णय का विरोध किया गया. कहा गया कि ये सीजीएचएस के लाभार्थियों के साथ अन्याय है.आयुष्मान में इलाज की सीमा पांच लाख रुपये है और सीजीएचएस लाभार्थियों के इलाज के लिए ऐसी कोई सीमा निर्धारित नहीं है. सीजीएचएस के लाभार्थियों ने एकमुश्त राशि जमा कर खुद को इस व्यवस्था से जोड़ा और इसका लाभ ले रहे हैं. लेकिन अब स्वास्थ्य मंत्रालय इस व्यवस्था को ध्वस्त कर सीजीएचएस के लाभार्थियों को बीपीएल की श्रेणी में लाना चाहता है, ताकि आनेवाले दिनों में सीजीएचएस जैसी स्वास्थ्य व्यवस्था का निजीकरण किया जा सके और केंद्रीय कर्मचारियों व केंद्रीय पेंशनर्स को निजी अस्पतालों के रहमो करम पर छोड़ दिया जाए.

एसोसिएशन ने स्वास्थ्य मंत्रालय के निर्णय का विरोध करते हुए सरकार से मांग की कि स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा 28 मार्च 2024 को जारी आदेश को अविलंब वापस लिया जाए. बैठक में एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने पोस्टमैन और मेलगार्ड के जनवरी 1996 के बकाया भुगतान को लेकर चिंता जतायी और निर्णय लिया गया कि मई के अंत में मुख्य डाक महाध्यक्ष कार्यालय के सामने राज्यस्तरीय भूख हड़ताल की जाएगी. 12 मई को धनबाद में राज्य कार्यकारिणी की बैठक आहूत की गई है, जिसमें रांची, गुमला, सिमडेगा,हजारीबाग,गिरिडीह,पलामू ,दुमका,जमशेदपुर,बोकारो सहित धनबाद के प्रतिनिधि भाग लेंगे. शनिवार को हुई एसोसिएशन की बैठक में रंगनाथ पांडे,आरबी बैठा,अवधेश पाठक, इशहाक मिंज, मनरखन महतो, रामलखन सिंह, जेरोम कुजूर, संजय कुमार,जयराम प्रसाद, सहदेव प्रसाद साहू, लखना उरांव, साधन सिन्हा, एम जेड खान,गौतम विश्वास, बीके चौधरी, केडी रॉय व्यथित मौजूद थे.

खास बातें

- स्वास्थ्य मंत्रालय 28 मार्च को जारी आदेश वापस ले
- 12 मई को धनबाद में राज्य कार्यकारिणी की बैठक होगी

मैनेजमेंट चरमराया — ब्यूरोक्रेसी का कैडर मैनेजमेंट प्रभावित, सीएस रैंक के बचे सिर्फ दो अफसर, छह पद खाली

राज्य में टॉप लेवल के आइएएस अफसरों की भारी कमी

रवि भारती।रांची

झारखंड ब्यूरोक्रेसी का कैडर मैनेजमेंट चरमरा गया है. मुख्य सचिव रैंक में सिर्फ दो अफसर ही कार्यरत हैं. जिनमें मुख्य सचिव एल. खियांग्यते और अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार शामिल हैं. इस रैंक के छह पद रिक्त हो गए हैं. झारखंड में चीफ सेक्रेटरी रैंक के कुल आठ पद हैं. वहीं इस रैंक के आठ अफसर केंद्रीय प्रतिनियुक्ति में हैं. जिसमें राजीव गौबा, एनएन सिन्हा, अलका तिवारी, एमएस भाटिया, एसकेजी रहाटे, शैलेश कुमार सिंह और सुरेंद्र सिंह शामिल हैं. इसमें से सुरेंद्र सिंह को छोड़ सभी केंद्र में सचिव रैंक में पदस्थापित हैं. वहीं आइएएस संवर्ग में 44 पद रिक्त हो गए हैं. आइएएस के लिए झारखंड में 224 पद स्वीकृत हैं, जिसमें 180 अफसर ही कार्यरत हैं.

प्रधान सचिव के छह अफसर केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर

झारखंड कैडर के प्रधान सचिव रैंक के छह अफसर केंद्रीय प्रतिनियुक्ति में हैं. इनमें सतेंद्र सिंह, सुनील वर्णवाल, राहुल शर्मा, केके सोन, हिमानी पांडेय और आराधना पटनायक शामिल हैं. वहीं झारखंड में प्रधान सचिव रैंक के अजय कुमार सिंह, नितिन मदन कुलकर्णी, वंदना दादेल, मस्तराम मीणा, विनय चौबे, सुनील कुमार और राहुल पुरवार शामिल हैं.

दो अफसर निलंबित

झारखंड कैडर के दो अफसर निलंबित हैं. जिनमें पूजा सिंघल और छवि रंजन शामिल हैं. सचिव रैंक से लेकर विशेष सचिव रैंक के चार अफसर केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पर हैं. जिसमें हर्ष मंगला, ए मुत्थु कुमार, शांतनु अग्रहरि और मुवनेश प्रताप सिंह शामिल हैं.

अफसरों का बढ़ गया वर्क लोड

- **अविनाश कुमार :** अपर मुख्य सचिव ऊर्जा विभाग, अतिरिक्त प्रभार अपर मुख्य स्थानिक आयुक्त, अपर मुख्य सचिव सीएम, विकास आयुक्त, सीएमडी ऊर्जा विकास निगम, एमडी बिजली वितरण निगम.
- **वंदना दादेल :** प्रधान सचिव गृह, अतिरिक्त प्रभार वन विभाग और कैबिनेट.
- **मस्तराम मीणा :** प्रधान सचिव योजना विकास विभाग, अतिरिक्त प्रभार सदस्य राजस्व पर्षद.
- **अमिताभ कौशल :** सचिव खाद्य आपूर्ति, अतिरिक्त प्रभार आपदा प्रबंधन.
- **मनीष रंजन :** सचिव भू राजस्व, अतिरिक्त प्रभार भवन निर्माण, एमडी झारखंड राज्य भवन निर्माण कॉरपोरेशन.
- **प्रवीण टोप्पो :** सचिव कार्मिक, अतिरिक्त प्रभार उद्योग.
- **प्रशांत कुमार :** सचिव जलसंधान, अतिरिक्त प्रभार वित्त विभाग, अध्यक्ष झारखंड राज्य कर्मचारी चयन आयोग.
- **के श्रीनिवासन :** सचिव ग्रामीण विकास, अतिरिक्त प्रभार ग्रामीण कार्य, निदेशक स्कीपा.
- **कृपानंद झा :** सचिव परिवहन, अतिरिक्त प्रभार परिवहन आयुक्त, एसटी, एससी अल्पसंख्यक, पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग.
- **विप्रा भाल :** सचिव आइटी, अतिरिक्त प्रभार कॉमर्शियल टैक्स, सीइओ झारखंड कॉम्यूनिकेशन नेटवर्क.
- **चंद्रशेखर :** सचिव नगर विकास अतिरिक्त प्रभार एमडी जुडको , एमडी जीआरडीए.
- **अरवा राजकमल :** सचिव सीएम अतिरिक्त प्रभार स्थानिक आयुक्त, झारखंड भवन.
- **जीतेंद्र सिंह :** सचिव खान विभाग, अतिरिक्त प्रभार जेएसएमडीसी.

राष्ट्रीय जयहिंद पार्टी के अध्यक्ष बबन चौबे रांची से लड़ेंगे चुनाव

संवाददाता।रांची

कांके रोड में राष्ट्रीय जयहिंद कामगार यूनियन की बैठक संतोष श्रीवास्तव की अध्यक्षता में हुई.इसमें कहा गया कि राष्ट्रीय जयहिंद पार्टी के अध्यक्ष बबन चौबे रांची लोकसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे. उनके चुनाव लड़ने के निर्णय का स्वागत करते हुए पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने कहा कि इससे पार्टी में नयी उर्जा का संचार हुआ. संतोष श्रीवास्तव ने यूनियन के पदाधिकारियों-सदस्यों से बबन चौबे को लोकसभा में भेजने के लिए जी-जान से जुट जाने का को कहा. राष्ट्रीय महासचिव मनोज गुप्ता ने जीत सुनिश्चित करने के लिए कार्यकर्ताओं से तन-मन,धन से सक्रिय हो जाने को कहा. कहा कि बबन चौबे मजदूरों-कामगारों की आवाज बनेंगे. बैठक में अपने विचार व्यक्त करते हुए मो शमीम अंसारी, तौफीक अंसारी, मनीष गुप्ता, संतोष झा, अभिषेक, नंद कुमार पांडेय, अमित कुमार, रंजीत गुप्ता, शंभूनाथ झा, सुकेश वर्मा (मीडिया प्रभारी), पदाधिकारियों समेत कई कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रीय जयहिंद पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष बबन चौबे को रांची लोकसभा संसदीय क्षेत्र से विजयी बनाने का संकल्प लिया. इन नेताओं ने कहा कि बबन चौबे मजदूरों-कामगारों के हक की लड़ाई लड़ते रहे हैं. यदि वे चुनाव जीतते हैं, तो संसद में यहां के कामगारों-मजदूरों की ओवाज बनेंगे. उनकी समस्याओं को जोरदार ढंग से उठाएंगे.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in | रविवार 14 अप्रैल 2024 | चैत्र शुक्ल 06 , संवत 2081 | पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 | वर्ष : 2, अंक : 6 | आमंत्रण मूल्य : ₹ 3 मात्र

नेम-निष्ठा से चैत्र छठ व्रतियों ने किया खरना

संवाददाता। रांची

चैती छठ व्रत अनुष्ठान के दूसरे दिन शनिवार को व्रतियों ने दिन भर निर्जला रह कर छठी मइया की उपासना की. फिर सूर्यास्त के बाद शुद्धता से मिट्टी और ईंट से बने चूल्हे पर खीर बनाकर पूजा-अर्चना की. पंचोपचार या दशोपचार द्वारा पूजन कर भगवान भास्कर और छठी मइया को भोग लगाया. बाद में उसे प्रसाद रूप में स्वयं ग्रहण कर अपना उपवास तोड़ा. फिर परिवार सहित इष्ट-मित्रों के बीच खरना का प्रसाद बांटा गया. लोगों का मानना है कि खरना का प्रसाद अति लाभकारी है. इसके ग्रहण करने मात्र से रोग-शोक नहीं सताता. जीवन में सुख और समृद्धि बनी रहती है. इसी भाव को आत्मसात कर श्रद्धालुओं का तांता सांझ ढलते व्रतियों के घर पर लगा रहा. खरना का प्रसाद ग्रहण करने के साथ ही व्रतियों का निर्जला उपवास प्रारंभ हो गया. अब 36 घंटे बाद उगते सूर्य देव को अर्घ्य अर्पण और दर्शन-पूजन के बाद ही छठ व्रतधारी प्रसाद ग्रहण कर व्रत का पारण करेंगे.

छठव्रत अनुष्ठान के तीसरे दिन रविवार को व्रती निर्जला व्रत रखकर संध्या काल में अस्ताचलगामी भूवन भास्कर को अर्घ्य अर्पित करेंगे. चौथे दिन सोमवार को उगते सूर्य को ब्रह्म मुहूर्त में अर्घ्य अर्पित किया जाएगा. इसी के साथ सूर्योपासना का पावन व्रत संपन्न हो जाएगा.

अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य अर्पण आज

सेवा-सत्कार को तैयार है समिति

शहर के प्रमुख छठ घाटों पर सेवा और सत्कार के लिए विभिन्न छठ पूजा समितियां तैयार है. पहले अर्घ्य के मौके पर सेवा शिविर लगा कर व्रतियों के बीच जगह-जगह फल-फूल, दूध आदि का वितरण किया जायेगा. समिति के सदस्य और पदाधिकारी सहयोग को मौके पर मुस्तैद रहेंगे. हटनिया ताला, बड़ा तालाब, कांके डैम, बटम तालाब आदि में दोनो अर्घ्य के मौके पर श्रद्धालुओं का शैलाब उमड़ेगा.

पूजन सामग्री की हुई जोरदार बिक्री

राजधानी के प्रमुख चौक-चौराहों पर फल-फूल और पूजन सामग्री आदि खरीदने की होड़ सी लगी रही. पिस्का मोड़, शास्त्री चौक, लाहकोठी, लालपुर चौक, हरमू चौक, डोरंडा बाजार, बरियातु, बूटी मोड़ आदि में खरीदारी के लिए सुबह से ही लोगों का तांता लगा रहा. पिस्का मोड़ में पूजा दुकानदार राजू चौरसिया ने बताया कि हाल के वर्षों में चैती छठ भी ज्यातर लोग करने लगे हैं. इस मौके पर भी अच्छी बिक्री हो जाती है. महंगाई का असर नहीं है, लोग जरूरत के अनुसार आवश्यक समान खरीदते ही हैं.

सूर्यास्त आज
शाम 06:22 बजे

सूर्योदय कल
सुबह 05:47 बजे

तापमान
35.4° अधिकतम | 20° न्यूनतम

वासंतिक नवरात्र

षष्ठं कात्यायनी

वासंतिक नवरात्र षष्ठं कात्यायनी
चन्द्रहासोज्ज्वलकरा शार्दूलवरवाहना।
कात्यायनी शुभं दद्याद्देवी दानव-घातिनी॥

वासंतिक नवरात्र के छठे दिन भगवती दुर्गा के छठे विग्रह के रूप में कात्यायनी देवी के दर्शन पूजन का विधान किया गया है. इनका स्वरूप अत्यन्त भव्य और दिव्य है. मां कात्यायनी स्वर्ण के समान भास्वर हैं। इनकी चार भुजाएं हैं. दायीं तरफ का ऊपर वाला हाथ अभयमुद्रा में है तथा नीचे वाला हाथ वर मुद्रा में. मां के बायीं तरफ के ऊपर वाले हाथ में तलवार है और नीचे वाले हाथ में कमल का फूल सुशोभित है. इनका वाहन सिंह है. इनकी उपासना और आराधना से भक्तों को बड़ी आसानी से अर्थ, धर्म, काम और मोक्ष चारों फलों की प्राप्ति होती है. उसके रोग, शोक, पाप, संताप और भय नष्ट हो जाते हैं. इनकी उपासना से परम पद की प्राप्ति होती है. पुत्री के रूप में भगवती परांबा को प्राप्त करने के लिए महर्षि कात्यायन ने कठिन तपस्या की थी. मां भगवती ने उनके घर पुत्री के रूप में जन्म लिया. इसलिए उन्हें कात्यायनी की संज्ञा प्राप्त हुई. ब्रज की गोपियों ने भगवान कृष्ण को पति के रूप में पाने की कामना से इनकी आराधना की थी.

-डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

रातू में दोस्तों के साथ पार्टी मनाने गई युवती से सामूहिक दुष्कर्म, चार गिरफ्तार

दोस्ती में दगा : गैंगरेप

हैवानियत

- वजह- लड़कों के साथ लड़कियां भी बेखौफ करती हैं नशे का सेवन
- राजधानी में हाल के दिनों में बढ़ता जा रहा लड़कियों से अपराध

सौरभ सिंह। रांची

राजधानी रांची में पिछले कुछ वर्षों में युवाओं में दोस्तों (गर्लफ्रेंड-ब्वॉयफ्रेंड) के साथ पार्टी मनाने का नया ट्रेंड चल पड़ा है. लेकिन दोस्ती में दगा हो रहा है. बात पार्टी मनाने तो ठीक है, लेकिन पार्टी में युवक के साथ युवतियां भी जम कर नशापान कर रहे हैं. फिर नशे की हालत में युवती के साथ सामूहिक दुष्कर्म जैसा घृणित कृत्य कर दोस्ती को भी कलंकित की जा रही है. बीते सात-आठ महीने के दौरान दोस्ती में दगा, फिर दुष्कर्म की बड़ी वारदातों ने समाज को झंकझोर कर रख दिया है. हालांकि कुछ मामलों में कार्रवाई भी हुई, दोषी पकड़े भी गये. लेकिन दोस्ती, पार्टी, नशापान, दगाबाजी, सामूहिक दुष्कर्म जैसी शर्मनाक वारदातें थमने का नाम नहीं ले रहीं. पिछले साल जुलाई में सदर थाना क्षेत्र के कोकर में दोस्त के बर्थ डे पार्टी में गई नाबालिग से तार दोस्तों ने दुष्कर्म किया. फिर दो महीने बाद अक्टूबर में धुर्वा में नाबालिग को फुसला कर दोस्त ने अपने अन्य साथियों के साथ दुष्कर्म किया. वहीं तीसरी वारदात दो महीने बाद अक्टूबर में तुपुदाना क्षेत्र में हुई, जहां दोस्त से मिलने खूंटी आई नाबालिग का अगवा कर आठ लड़को ने दुष्कर्म किया था. नया मामला रातू थाना क्षेत्र में दोस्तों के साथ पार्टी मनाने गई युवती के साथ चार युवकों ने ज्यादती की.

किशोरगंज से युवती को रातू ले गया, दोस्तों संग शराब पी, फिर दुष्कर्म

शहर के सुखदेनगर थाना क्षेत्र के किशोरगंज चौक के पास से शुक्रवार की रात 10.30 बजे एक युवती को उसका दोस्त बाइक से मेला घुमाने रातू ले गया. रातू थाना क्षेत्र के महादेवटंगरी में वह युवती के साथ पहुंचा. फिर अपने तीन अन्य दोस्तों को फोन कर बुलाया. फिर सबने मिलकर शराब पी. शराब पीने के दौरान ही युवती से छेड़छाड़ करने लगे. युवती के विरोध करने पर युवक जोर-जबरदस्ती पर उतर आये और बारी-बारी से उसके साथ ज्यादती की. युवती चीखती रही, लेकिन युवक ज्यादती करते रहे. युवती की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और नशे में धुत आरोपियों को पकड़ कर रातू थाना पुलिस के हवाले कर दिया.

रातू में शराब पीने के बाद चार दोस्तों ने युवती से की ज्यादती : पीड़िता ने शनिवार की सुबह पुलिस को घटना की जानकरी दी. युवती ने पुलिस को बताया कि उसके ब्वॉयफ्रेंड ने उसे शुक्रवार की रात को मेला घुमाने और पार्बुट देने के बहाने बुलाया और अपने साथ रातू ले गया. रातू पहुंच कर उसने अपने और भी कई दोस्तों को बुला लिया. इसके बाद सभी ने शराब पी और उसके साथ गैंगरेप किया. पीड़िता ने बताया कि वह अपने ब्वॉयफ्रेंड व उसके दोस्तों से उसे छोड़ने की गुहार लगाती रही, लेकिन किसी का दिल नहीं पसीजा. सभी ने उसके साथ बारी-बारी से दुष्कर्म किया. युवती के बयान पर रातू थाना में गैंगरेप का मामला दर्ज कर युवती की मेडिकल जांच करायी और आरोपियों से पूछताछ के बाद जेल भेज दिया.

शहर में पहले भी हो चुकी हैं कई वारदातें

तुपुदाना में 11 दिसंबर को नाबालिग के साथ सामूहिक दुष्कर्म

शहर के तुपुदाना ओपी क्षेत्र में नाबालिग का अगवा कर जंगल में ले जाकर आठ युवकों नें दुष्कर्म किया था. नाबालिग खूंटी की रहनेवाली थी औरअपने एक दोस्त से मिलने तुपुदाना पहुंची थी. वह दोस्त के घर गई, लेकिन किसी बात को लेकर उसका दोस्त से विवाद हो गया था. गुस्से में वह दोस्त के घर से निकल गयी. तुपुदाना मेन रोड पर उसे अकेला देख बाइक सवार युवक उसे जबरन पास के जंगल में ले गये. वहां युवकों ने अपने छह अन्य दोस्तों को बुला लिया. फिर सबने मिलकर शराब पी और नाबालिग के साथ रात भर ज्यादती की. वह किसी तरह अहले सुबह 10 माइल चौक पहुंची, जहां पुलिस की पेट्रोलिंग गाड़ी मिली. पुलिस को आपबीती बतायी. मेडिकल चेकअप के बाद पुलिस ने उसे घर भेज दिया. बाद में आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया.

छह अक्टूबर 2023 को नगड़ी की नाबालिग के साथ खूंटी में गैंगरेप

धुर्वा डैम के पास नगड़ी की एक नाबालिग घूमने गई थी. इसी बीच उसका दोस्त दीपक पहुंचा और उसे फुसला कर खूंटी हिरण पार्क ले गया. पार्क में दीपक ने नाबालिग के साथ रेप किया. फिर तीन दोस्तों को बुला लिया.दीपक ने नाबालिग से कहा कि उसके दोस्त उसे घर छोड़ देंगे. नाबालिग डर से उन तीनों के साथ चली गयी. तीनों उसे लेकर दशम फाल पहुंचे. नाबालिग को फुसला तीनों नगड़ी पहुंचे और एक घर में बारी-बारी से ज्यादती की. इस मामले में पुलिस ने एक नाबालिग, दीपक कुमार, बंटी तिर्की और नितेश कुमार को गिरफ्तार कर लिया था.

16 जुलाई 2023 को कोकर इलाके में नाबालिग से चार दोस्तों ने की ज्यादती

कोकर इलाके में दोस्त के जन्मदिन पार्टी में गई नाबालिग के साथ उसके ही दोस्तों ने गैंगरेप किया था. नाबालिग का आरोप था कि उसके पड़ोस के ही चार लड़कों ने ज्यादती की. इसमें वह दोस्त भा शामिल था, जिसकी बर्थडे पार्टी में वह गई थी. घटना के बाद लड़के फरार हो गये. नाबालिग किसी तरह घर पहुंची और आपबीती परिजनों को बतायी. इसके बाद घर वालों ने सदर थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज करायी. नाबालिग ने पुलिस को बताया कि वह अपने पड़ोसी चार दोस्तों के साथ एक होटल में पार्टी में गई थी. पार्टी के बाद दोस्त उसे साथ ले गये और ज्यादती की थी.

निगम की टीम ने पुलिस लाइन क्वार्टर में जमे पानी का लिया जायजा

जल्द समस्या होगी दूर, मिला आश्वासन

राजेश सिंह। रांची

शुभम संदेश की खबर का एक बार फिर बड़ा असर हुआ है. शुभम संदेश ने अपने शनिवार के अंक में 'पुलिस लाइन क्वार्टर के बेसमेंट में जमा है नाली का गंदा बदबूदार पानी' शीर्षक से खबर प्रकाशित की थी. खबर प्रकाशित होने के बाद नगर निगम की टीम सीएम आवास के सामने स्थित पुलिस लाइन पहुंची. पुलिस लाइन के क्वार्टर के नीचे जमा नाली के गंदे पानी को देखा और वर्तमान स्थिति का जायजा लिया. अपर नगर प्रशासक रवींद्र कुमार ने कहा कि टीम ने पुलिस लाइन का निरीक्षण किया है. स्थिति नारकीय है, जिसने भी पानी के रास्ते को रोका है, उसे निगम नोटिस भेजेगा और पानी रोकने का कारण पूछेगा. साथ ही जमीन मालिकों जमीन से संबंधित पेपर की भी मांग की जाएगी. जल्द ही समस्या का समाधान कर दिया जाएगा.

बता दें कि कांके रोड में सीएम आवास के ठीक सामने न्यू पुलिस लाइन है. यहां बने सरकारी क्वार्टरों में पुलिसकर्मी व उनके परिवार के लोग रहते हैं. तीन तल्ला भवन के ग्राउंड फ्लोर और अगल-बगल के क्षेत्रों में नाली का गंदा बदबूदार पानी भरा है. गंदे-काले बदबूदार पानी से क्वार्टर में रहनेवाले पुलिसकर्मी व उनके परिजन परेशान हैं. एक तो नाली का गंदा पानी, ऊपर से मच्छरों का प्रकोप. ग्राउंड फ्लोर पर रहने वाले किसी तरह ऊपर एडजस्ट करके रह रहे हैं. वहीं अपना सामान सीढ़ियों पर रखने को मजबूर है. पिछले एक सप्ताह से न्यू पुलिस लाइन क्वार्टर की स्थिति ऐसी है. लोग नाली के गंदे -बदबूदार पानी के बीच रहने को विवश हैं. ऐसी स्थिति वहां पहले भी बन चुकी है. नगर निगम को भी इसकी जानकारी दी गयी थी, लेकिन निगम ने पानी निकासी की कोई मुकम्मल व्यवस्था नहीं की. जिस कारण एक बार फिर वहां नारकीय स्थिति बन गई. पुलिसकर्मियों और उनके परिजनों को मजबूरन नाली के बदबूदार गंदे-काले पानी में घुसकर आना-जाना पड़ रहा है.

शुभम संदेश इंपैक्ट

शुभम संदेश में प्रकाशित खबर.

कैसे बनी यह स्थिति

आसपास के लोग बताते हैं कि पहले पूरे पुलिस लाइन क्वार्टर का पानी उत्पाद भवन जहां बनी है, उसी जमीन में बहती थी. उत्पात भवन बनने के बाद पानी का रास्ता बंद हो गया. पास में ही कई लोगों की निजी जमीन और घर है. जिसमें पूरे पुलिस लाइन क्वार्टर का पानी बहने लगा. धीरे-धीरे पानी बढ़ता गया और आसपास रहनेवाले लोगों के घरों में जाने लगा. इससे परेशान होकर आसपास के लोगों ने पुलिस लाइन क्वार्टर से बहने वाले पानी का रास्ता बंद कर दिया, जिस वहज से पुलिस लाइन के क्वार्टरों में नारकीय स्थिति बन गई. निगम की टीम ने शनिवार को स्थल का निरीक्षण किया और पानी निकासी की तत्काल व्यवस्था करने की बात कही है. साथ ही आचार संहिता खत्म होने के बाद स्थायी नाली का निर्माण कराया जाएगा.

गोशाला कार्यकारिणी समिति का चुनाव आज

- दिन के 11 से शाम 4 बजे तक होगा मतदान
- देर शाम मतगणना के बाद आएगा परिणाम

संवाददाता। रांची

गोशाला न्यास कार्यकारिणी समिति का चुनाव आखिरकार रविवार को कराया जाएगा. गोशाला में सारी तैयारी हो गयी है. चुनाव पदाधिकारी वेद प्रकाश बागला की देख-रेख में दिन के 11 से शाम 4 बजे तक वोट डाले जाएंगे. पुराने 185 और नए बने 50 आजीवन सदस्य वोट करेंगे. देर शाम नतीजे आ जाएंगे. चुनाव मैदान में 19 उम्मीदवार हैं. गोशाला प्रबंधन ने प्रशासन से इस चुनाव की अनुमति ले ली है, लेकिन मान्यता नहीं पाये 110 सदस्य विरोध कर रहे हैं. आहत बेनी प्रसाद अग्रवाल ने डीसी-एसडीओ को पत्र लिख चुनाव रोकने की गुहार लगाई, लेकिन अफसरों की ओर से किसी तरह का सार्थक कदम नहीं उठाया गया है. बेनी का कहना है कि सदस्यता का मामला कोर्ट में लंबित है, ऐसे में सदस्यों को मान्यता दिए बिना चुनाव कराना न्यायसंगत नहीं है. अधिकारी हस्तक्षेप करें या न करें, लेकिन हम न्याय पाने के लिए कानूनी और शांतिपूर्ण ढंग से विरोध करते रहेंगे.

चुनाव मैदान में डटे हैं 19 प्रत्याशी, 15 को चुनना है

अरुण बुधिया, वासुदेव भाला, भगवती प्रसाद सराफ, भानू प्रकाश जालान, भरत कुमार बगडिया, दीपक कुमार पोद्दार, हेमेंद्र सिंह, ज्योति बजाज, कमल खेतावत, कमल कुमार सिंघानिया, काशी प्रसाद कनोई, ललित कुमार पोद्दार, प्रदीप राजगड़िया, प्रेम मित्तल, राजेंद्र बंसल, राजेंद्र कुमार चौधरी, राजेश कुमार चौधरी, सुरेश कुमार जैन और विश्वनाथ जाजोदिया. कुल 19 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं. न्यास समिति के चुनाव में वोटर 15 कार्यकारिणी सदस्यों का चुनाव करेंगे. न्यास के ट्रस्टियों की संख्या वर्तमान में 11 है. ऐसे में ट्रस्टी पांच सदस्यों को नॉमिनेट कर अपनी 16 की संख्या पूरी करेंगे. 15 आजीवन सदस्य चुनाव जीत कर कार्यकारिणी में आएंगे. बाद में दोनों ओर से मिलाकर 31 सदस्यों की कार्यकारिणी ही आपस में पदाधिकारियों का चयन करेगी.

दो-दो कर डाल सकेंगे वोट

गोशाला कार्यालय में सदस्यों की संख्या के मद्देनजर मतदान के लिए दो बॉक्स रखे गये हैं, ताकि एक बार में दो लोग वोट डाल सकें. चुनाव पदाधिकारी सहित पांच लोगो की देख-रेख में चुनाव संपन्न होगा. सदस्यों के लिए चाय-नाश्ते की व्यवस्था रहेगी.

दबंगई कांके में खौफ का दूसरा नाम भू-माफिया विक्की जायसवाल

दिनदहाड़े तोड़ देता है किसी की भी बाउंड्री, जैन जी से करोड़ों का लेनदेन

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

रांची में रिंग रोड बनने के बाद जमीन खरीद-बिक्री के लिए कांके सबसे हॉट लोकेशन बना हुआ है. लोग कांके में जमीन का टुकड़ा अपने नाम कराने की चाहत रखते हैं, क्योंकि लोकेशन बढ़िया है और शहर से पास है. लेकिन लोगों की मेहनत की गाढ़ी कमाई पर माफिया, रंगबाज व धोखेबाजों की गिद्ध नजर लगी रहती है. जैसे ही कोई जमीन खरीदने का इच्छुक उनके चंगुल में फंसता है, तो फंसता ही चला जाता है. मोटी रकम देने के बाद भी जमीन का टुकड़ा उसके नाम पर हो पायेगा या नहीं, इसमें संदेह ही है. प्रशासन की नजरों में कांके इलाके में फर्जीवाड़ा, दादागीरी-दबंगई कर जमीन का धंधा करनेवालों में सबसे एक्टिव भू-माफिया विक्की जायसवाल है. पुलिस-प्रशासन उसकी गतिविधियों पर लगातार नजर रखा रहा है. वैसे तो उसके खिलाफ धोखाधड़ी, रंगदारी सहित जबरन जमीन कब्जाने व बेचने के आधा दर्जन मामले दर्ज हैं, लेकिन कई भुक्तभोगी ऐसे भी हैं, जो उसके डर से थाना तक नहीं पहुंच पाये हैं. पहुंचे भी हैं, तो पुलिस ने उनके केस को हल्के में लिया है. जानकारी के मुताबिक, विक्की अपने बड़े क्लाइंट्स से सारी डीलिंग कांके रोड स्थित एक दुकान से करता है और एक व्यवसायी जैन जी के साथ भी उसका करोड़ों का लेनदेन है.

विक्की के एक से बढ़ कर एक कारनामे आ रहे सामने

विक्की जायसवाल ने कानून की धज्जियां उड़ाते हुए पहले से बाउंड्री हुए प्लॉट पर जेसीबी चलवा दी. पुलिस-प्रशासन से उसे डर नहीं है. बेखौफ विक्की के एक-एक कारनामे अब सामने आने लगे हैं. उसकी ज्यादतियों से पीड़ित लोगों की सूची लंबी है. उसने हुसीर मौजा में बाउंड्री पर दिनदहाड़े जेसीबी चलवा दी. इसके लिए उसने अपनी महिला बाउंसर का सहारा लिया. बाउंड्री तोड़ने के बाद विक्की जमीन पर कब्जा जमाकर बैठ गया. इतना ही नहीं एग्रीमेंट दिखाकर जमीन मालिकों पर जमीन औने-पौने दाम में बेचने का दबाव भी डाला. जब जमीन के मालिक ने उसकी बातें मानने से इनकार कर दिया, तो विक्की दादागीरी पर उतर आया. जमीन मालिकों को हड़काया- मैं हूं डॉन, ज्यादा बकर-बकर करोगे, तो उसी जमीन में जिंदा गाड़ दूंगा. चल फुट जा बेटा नहीं तो अभिए...

दिनदहाड़े जमीन की बाउंड्री तोड़ डाली, तो जमीन मालिकों ने थाने में केस दर्ज कराया

विक्की जायसवाल ने जब बाउंड्री तोड़ी और धमकाया, तो पीड़ितों ने कांके थाने में शिकायत दर्ज करायी. उसकी दादागीरी का ब्यौरा पुलिस को दी. मामला थाने पहुंचा तो विक्की के इशारे पर बाउंड्री तोड़ने वाली उसकी महिला बाउंसरों ने थाने में लिखकर दिया- हां हमने बाउंड्री तोड़ी है, जो नुकसान हुआ, उसकी भरपाई वे कर देंगे और जमीन की फिर से बाउंड्री कराकर गेट की चाबी थाना में सौंप देंगे. इस मामले में पीड़िता एक महिला हैं. एक तरफ भू-माफियाओं के खिलाफ हाईकोर्ट सख्त दिख रहा है. वहीं दूसरी तरफ पुलिस-प्रशासन से बेखौफ भू-माफिया दूसरों की जमीन पर दिनदहाड़े कब्जा कर ले रहे हैं. पीड़ितों का आरोप है कि भू-माफियाओं और दादागीरी करनेवालों को स्थानीय पुलिस का संरक्षण मिला हुआ है, क्यों जमीन के गोरखधंधे से हुई कमाई का कुछ हिस्सा पुलिस को पहुंचाकर माफिया तत्व उनका मुंह बंद करा देते हैं.

जिला प्रशासन का अल्टीमेटम

24 घंटे में जमा करें हथियार नहीं तो लाइसेंस होगा कैंसिल

प्रमुख संवाददाता। रांची

जिला प्रशासन ने स्वतंत्र एवं भयमुक्त चुनाव संपन्न कराने के लिए लाइसेंसी हथियार धारकों को 24 घंटे का समय दिया है. कहा है कि अगर तय समय सीमा में हथियार जमा नहीं कराये, तो लाइसेंस कैंसिल या निलंबित कर दिया जाएगा. निर्वाचन पदाधिकारी राहुल सिन्हा ने तय समय में हथियार जमा नहीं करने वालों को चिह्नित करते हुए कार्रवाई करने को कहा है. बताते चलें कि पिछले माह 30 मार्च तक हथियारों का सत्यापन होना था, लेकिन 3417 लाइसेंसधारियों में मात्र 50% ने ही सत्यापन कराया था. ऐसे लोगों को छह अप्रैल तक का समय दिया गया. इसके बावजूद कुछ लोगों ने अपने हथियार का सत्यापन नहीं कराया.

20 मार्च को ही जारी किया गया था आदेश : 20 मार्च को ही आदेश कर कहा गया था कि सभी शस्त्र लोग 13 तक अपने हथियार संबंधित थाना, ओपी अथवा शस्त्र एवं कारतूस विक्रेता दुकान में जमा कर देंगे. पर अबतक कई लाइसेंस धारकों ने ऐसा नहीं किया है. उन्हें अब 24 घंटे का समय दिया जाता है. कुछ ऐसे भी लोग हैं, जिन्होंने छूट के लिए आवेदन किया था, पर इस पर विमुक्ति के संबंध में प्रशासन के स्तर से कोई आदेश जारी नहीं हुआ है.

तैयार होगा भवन पट्टा, बेदखली बिल का प्रारूप

रवि भारती। रांची

झारखंड में मकान मालिक और किरायेदार के बीच विवादों का निपटारा अब न्यायाधिकरण करेगा. इसके लिए भाड़ा नियंत्रण अधिकरण का गठन होगा. हाई कोर्ट की सलाह पर जिला जल इसके अध्यक्ष होंगे . इसके लिए सरकार झारखंड भवन पट्टा, किराया और बेदखली बिल का जल्द ड्राफ्ट तैयार करेगी. हालांकि इस पर दो साल से विचार हो रहा, जिसे अंतिम रूप दिया जाना है.

डीसी से अधिकार लिया जाएगा वापस : किराये से संबंधित विवादों, शिकायतों के निपटारे और न्याय निर्णय की शक्ति उपायुक्तों से वापस लेने का प्रस्ताव भी है. पंजाब, हरियाणा और छत्तीसगढ़ के प्रावधानों की तरह अपीलीय प्राधिकार के रूप में झारखंड भवन पट्टा, किराया एवं निष्कासन, नियंत्रण एक्ट 2011 या संशोधित को लागू किया जाएगा. महाधिवक्ता ने भी इस पर सलाह दी है. आचार संहिता हटने के बाद बिल के प्रारूप को अंतिम रूप दिया जाएगा.

विधेयक का ड्राफ्ट तैयार करने के लिए कमेटी गठित : झारखंड भवन पट्टा, किराया और बेदखली विधेयक का ड्राफ्ट तैयार करने के लिए उच्चस्तरीय कमेटी का गठन किया गया है. समिति में सदस्य सचिव के पद पर अतुल कुमार को शामिल किया गया है. इस संबंध में नगर विकास विभाग ने आदेश जारी कर दिया है. राज्य सरकार किराया संबंधित विवादों के त्वरित निपटारे के लिए दूसरे राज्यों के प्रावधानों का भी अध्ययन कर रही है.

गुरुनानक स्कूल परिसर में अमृतसर से आये साबका हजूरी रागी जत्था ने जगायी भक्ति की अलख

बैसाखी पर्व पर सजा विशेष दीवान, शबद कीर्तन गायन से संगत निहाल

संवाददाता। रांची

गुरुनानक स्कूल, पीपी कंपाउंड में शनिवार को बैसाखी पर्व पर गुरुद्वारा श्रीगुरुसिंह सभा की ओर से विशेष दीवान सजाया गया. इसमें श्रीदरबार साहिब अमृतसर से आये साबका हजूरी रागी जत्था भाई दलबीर सिंह ने सुमधुर शबद गायन कर संगत को निहाल कर दिया. स्थानीय रागी जत्था ने भी शबद गायन कर भक्ति की अलख जगायी.

दिन के 10 बजे गुरु ग्रंथ साहिब जी के सहज पाठ की समाप्ति के साथ दीवान की शुरुआत हुई. पहले बीबी हरप्रीत कौर और बच्ची हरमन कौर ने शबद गायन किया. इनके बाद गुरुद्वारा साहिब कड़रु के हजूरी रागी जत्था भाई गुरविंदर सिंह ने शबद गायन कर संगत को गुरबाणी से जोड़ा. फिर गुरुद्वारा साहिब मेन रोड के हेड ग्रंथी भाई विक्रम सिंह ने 1699 ईस्वी में हुए खालसा पंथ की स्थापना के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला. इनके बाद हजूरी रागी जत्था भाई भरपूर सिंह ने शबद गायन कर सब को मंत्रमुग्ध कर दिया. अंत में श्रीदरबार साहिब अमृतसर से आये साबका हजूरी रागी जत्था भाई दलबीर सिंह ने अमृतसर सतगुर सतवादी जित नाते कौआ हंस होवे ... ओर नासरो मंसूर गुरु गोबिंद सिंह ... जैसे शब्द गायन कर साध संगत को निहाल कर दिया. दिन के ढाई बजे अरदास के साथ दीवान की समाप्ति हुई. मुख्य ग्रंथी भाई विक्रम सिंह सब के भले के लिए अरदास की. महासचिव गगनदीप सिंह सेठी ने सभी को बैसाखी की शुभकामनाएं दी. वहीं, बड़ी संख्या में लोगों ने गुरु का लंगर भी छका.

सम्मानित किये गये बच्चे : इस अवसर पर गुरुनानक स्कूल और गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल के बच्चों को परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया. सभी के बीच पुरस्कार बांटे गये. मौके पर ब्लड डोनेशन कैंप लगाया गया. विधायक सीपी सिंह, भाजपा नेत्री आशा लकड़ा, सांसद संजय सेठ, अजय मौर्य सहित बड़ी संख्या में धर्मावलंबी और श्रद्धालु मत्था टेकने पहुंचे. सभी गणमान्यों को दोशाला देकर सम्मानित किया गया. मौके पर गुरमीत सिंह, गगनदीप सिंह, सुरजीत सिंह, रंप्रीत सिंह, गुरदीप सिंह, हरप्रीत सिंह, कृपाल सिंह, परमजीत सिंह टिंकू,नवजोत सिंह रूबल, तविन्दर सिंह, गुरदयाल सिंह, कुलतार सिंह, कर्नल विजय सिंह, रणबीर सिंह, सुरजीत सिंह, मोहन सिंह, गुरिंदर सिंह, राजिंदर सिंह, हरजीत सिंह, मालकियत सिंह आदि ने खास तौर पर हिस्सा लिया.

कृष्णानगर में हर्षोल्लास से मना बैसाखी पर्व

रांची। गुरुद्वारा श्रीगुरु नानक सत्संग सभा, कृष्णा नगर कॉलोनी में बैसाखी पर्व और खालसा दिवस हर्षोल्लास से मनाया गया. इस मौके पर गुरुद्वारा साहिब में सुबह आठ बजे से विशेष दीवान सजाया गया. हजूरी रागी जत्था भाई महिपाल सिंह जी ने खालसा अकाल पुरख की फौज परगटयो खालसा परमात्म की मौज... और वाहो वाहो गोबिंद सिंह आपे गुर चेला... जैसे शबद गायन कर संगत को निहाल किया.

इनके बाद हेड ग्रंथी ज्ञानी जीवेंदर सिंह जी ने खालसा साजना दिवस पर विस्तार से प्रकाश डाला. साध संगत को बताया कि बैसाखी के मौके पर सन 1699 में गुरु गोविंद सिंह जी ने मानवता और धर्म की रक्षा के लिए अलग-अलग जति के पांच प्यारों भाई दया सिंह,भाई धर्म सिंह,भाई हिम्मत सिंह,भाई मोहकम सिंह और भाई साहब सिंह को अमृतपान कराकर खालसा बनाया था. स्वयं भी उनके हाथों अमृतपान किया और खालसा पंथ की स्थापना की थी. दिन के सवा नौ बजे श्रीआनंद साहिब जी के पाठ, अरदास, हुकुम वानामा और कढ़ाह प्रसाद वितरण के साथ दीवान की सभा के सचिव अर्जुन देव मिड्ढा ने समूह साध संगत को बैसाखी और खालसा साजना दिवस की बधाई दी. मिष्ठान प्रसाद का लंगर भी चलाया गया. कार्यक्रम में सुंदर दास मिड्ढा, हरगोविंद सिंह, अशोक गेरा, वेद प्रकाश मिड्ढा, अमरजीत गिरधर, मनीष मिड्ढा, चरणजीत मुंजाल, जीवन मिड्ढा, मोहन काठपाल, मनोहर लाल मिड्ढा, सुरेश मिड्ढा, लक्ष्मण सरदाना, हरीश मिड्ढा, नानक चंद अरोड़ा, राजकुमार सुखीजा, इंदर मिड्ढा,रमेश पपनेजा, कवलजीत मिड्ढा, महेश सुखीजा, बसंत काठपाल, जीतू काठपाल आदि ने मुख्य रूप भागीदारी निभायी.

रिम्स ओपीडी

विभाग	डॉक्टर का नाम
मेडिसिन :	डॉ. मनोज कुमार प्रसाद
सर्जरी :	डॉ. पंकज बोदरा
ऑर्थोपेडिक :	डॉ. जीके गुप्ता
न्यूरोसर्जरी :	डॉ. आनंद प्रकाश
गायनी :	डॉ. नीलम नलिनी
टीबी एवं चेस्ट :	डॉ. ब्रजेश मिश्रा
रेडिएशन आंकोलॉजी :	डॉ. रश्मि सिंह
सर्जिकल आंकोलॉजी :	डॉ. रोहित कुमार झा
नेत्र :	डॉ. सुनील कुमार
स्किन :	डॉ. प्रभात कुमार
ईएनटी :	डॉ. बिनोद कुमार सिन्हा
न्यूरोलॉजी :	डॉ. रूपेश प्रसाद

सदर अस्पताल

- मेडिसिन : डॉ. अरुणोदय, डॉ. बीएन पोद्दार और डॉ. सत्येंद्र
- सर्जरी : डॉ. अजीत कुमार
- ऑब्स एंड गायनी : डॉ. मुस्सरत यामिनी और डॉ. श्रुति प्रभा
- पीडियाट्रिक (शिशु रोग) : डॉ. सूर्या
- हेमाटोलॉजी : डॉ. अभिषेक रंजन
- सर्जीकल आंकोलॉजी : डॉ. प्रकाश भगत
- नेफ्रोलॉजी: डॉ. नवीन कुमार

ब्रीफ खबरें

रिकॉर्ड रूम में चोरी के बाद कई लोगों से पूछताछ

रांची। रांची के रिकॉर्ड रूम में हुई चोरी की घटना की जांच जारी है. पुलिस इस घटना के बाद अब तक रिकॉर्ड रूम में अलग-अलग पदों पर कार्यरत कुमुद रंजन, ध्रुव भगत, राजेश कुमार, शशांक, इन्दर, भोला और पाडी बाबू समेत आधा दर्जन से ज्यादा लोगों से पूछताछ कर चुकी है. इस पूरे मामले की मॉनिटरिंग सिटी एसपी और डीएसपी खुद कर रहे हैं.

लेवी मामले में संलिप्तता से टीपीसी का इनकार

रांची। रातू रोड फ्लाइओवर बना रही कंपनी केसीसी बिल्डकॉन के प्रोजेक्ट मैनेजर मो साबिर से फोन पर टीपीसी के राहुल गंझू के नाम से लेवी मांगी गई थी. इस मामले में अपनी संलिप्तता से टीपीसी उग्रवादी संगठन ने इनकार किया है. प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा गया है कि चतरा के पिपरवार थाना क्षेत्र से मसीह तिग्गा समेत अन्य कुछ लोगों को हिरासत में लेकर उन्हें कई दिनों से प्रताड़ित किया जा रहा है. टीपीसी ने चेतावनी दी कि 24 घंटे के भीतर यदि हिरासत में लिए गए युवकों को छोड़ा या जेल नहीं भेजा जाता है, तो टीपीसी झारखंड बंद का आह्वान करेगी.

कुरमी की एसटी की मांग पर भड़के आदिवासी बुद्धिजीवी, कहा-

आरक्षण,नौकरी व आरक्षित सीटों पर है कुरमी की नजर

विशेष संवाददाता। रांची

लोकसभा चुनाव के बीच कुरमी जाति को एसटी सूची में शामिल करने की मांग फिर से गर्म हो गयी है. अचानक पीएम नरेंद्र मोदी ने कुरमी बहुल राज्य से इसको लेकर रिपोर्ट तलब कर दी है. इसके बाद आदिवासी संगठन और बुद्धिजीवी भड़क गए हैं. रविवार को समस्त आदिवासी बुद्धिजीवी समाज ने इसके खिलाफ मोर्चा खोल दिया. कहा कि ये लोग आदिवासी केवल और केवल इसलिए बनना चाहते हैं कि आदिवासियों को मिले रहे संवैधानिक अधिकार पर कब्जा जमा सकें. चाहे वह आरक्षण हो या फिर लोकसभा एवं विधानसभा की आरक्षित सीटें. ये बातें शशि पन्ना, प्रेमचंद मुर्मू, कुंदरेसी मुंडा, अनिल पन्ना, अमरनाथ लकड़ा आदि ने शनिवार को प्रेस क्लब में आयोजित एक प्रेस वार्ता के दौरान कहीं.

इनकी भाषा बांग्ला और मगही का अपभ्रंश, पात्रता नहीं रखते : शशि पन्ना ने कहा कि कुरमी/कुड़मी को आदिवासी सूची में शामिल करने की मांग को लेकर आदिवासी समाज आक्रोशित है. इनकी भाषा, संस्कृति, परंपरा, रीति रिवाज कुछ भी आदिवासी से मेल नहीं खाती है. लोकुर कमेटी द्वारा जो पांच मापदंड तय किये गये हैं, उसमें कुरमी/कुड़मी किसी भी अहर्ता को पूरा नहीं करता है. इनकी भाषा कुरमाली, बांग्ला और मगही का अपभ्रंश है तथा ये इंडो आर्यन लैंग्वेज फैमिली से हैं. वहीं आदिवासी की भाषा ड्राविडियन और ऑस्ट्रो एशियाटिक लैंग्वेज फैमिली से है. ये लोग बिहार में मगही, झारखंड मेंखोरठा व कुरमाली, बंगाल में बांग्ला, ओडिशा में उड़िया भाषा बोलते है. खुद को आदिवासी से अलग रखते हैं, फिर भी आदिवासी की सूची में शामिल करने की मांग कर रहे हैं.

कुरमी/कुड़मी समाज खुद को आदिवासियों से दूर रखता है: प्रेमचंद मुर्मू

प्रेमचंद मुर्मू ने कहा कि कुरमी/कुड़मी समाज खुद को आदिवासी से दूर रखते हैं. आदिवासी की पारंपरिक त्योहार, रीति रिवाज से दूर रहते हैं. इनके द्वारा हाल में सरहुल पर्व की शोभायात्रा में किसी भी तरह का कोई योगदान नहीं रहा तथा इनके द्वारा किसी भी तरह की कोई झांकी भी नहीं निकाली गयी थी. इसके साथ ही सीएनटी एक्ट 1908 में कुरमी/कुड़मी के लिए विशेष प्रावधान नहीं है. बल्कि उरांव, मुंडा वो अन्य के लिए विशेष प्रावधान है, जैसे मुंडारी खूंटकट्टी भूमि, डालिकटारी, बकस्त भूइंहारी पहनाई, बकास्त भूइंहरी महतोई व अन्य.

इस केस में इंटरवेन करेगा आदिवासी समाज: शशि पन्ना

शशि पन्ना ने कहा कि आदिवासी समाज द्वारा इस केस में इंटरवेन किया जाएगा. उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस के एक बयान तथा सुप्रीम कोर्ट के कांस्टीट्यूशनल बेंच के जजमेंट का हवाल देते हुए कहा कि हाईकोर्ट किसी भी आदिवासी समुदाय को अनुसूचित जनजाति की सूची में शामिल करने का निर्देश नहीं दे सकता है. कुरमी/कुड़मी को आदिवासी में शामिल करने से आदिवासी की जनसंख्या 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ जाएगी, इसके बाद यह छठी अनुसूची में लागू हो जाएगी.

राजनीतिक फायदे के लिए आदिवासी बनना चाहते हैं: अनिल पन्ना

युवा सामाजिक कार्यकर्ता अनिल पन्ना ने कहा कि कुरमी/कुड़मी के कुछ नेता अपने राजनीतिक फायदे के लिए आदिवासी बनना चाहते हैं. उनकी नजर संविधान प्रदत्त आदिवासियों के आरक्षण पर है, उनकी नौकरियों पर है. पन्ना ने कहा कि वे बहुत सबल हैं, बुद्धिमान हैं. उनका समाज जागरूक है. ऐसे में वे आदिवासी बन जाते हैं, तो भविष्य में विधानसभा और लोकसभा की आरक्षित सीटों पर कब्जा जमा सकते हैं. आदिवासियों की जमीन की खरीद-बिक्री कर सकते हैं. कुरमी कुड़मी समाज अपने को शिवाजी का वंशज मानते हैं. वे अपना तार राजा भोज से भी जोड़ते हैं. इसके अलावे अपने को पटेल समाज का भी कहते हैं. साथ ही वे अपने को क्षत्रिय भी मानते हैं.

मध्य भारत से माइग्रेट करके छोटानागपुर आए कुरमी

सामाजिक कार्यकर्ता कुंदरसी मुंडा ने कहा कि कुरमी/कुड़मी मध्य भारत से माइग्रेट करके छोटानागपुर में आए हैं. उन्हें अनुसूचित जनजाति की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता है. जैसे हमारे आदिवासी भाई असम में 200 साल पहले जाकर के बसे हैं, फिर भी उन्हें वहां पर अनुसूचित जनजाति की सूची में नहीं रख रखा गया है. क्योंकि वह वहां के मूल निवासी नहीं हैं, बल्कि झारखंड से विस्थापित होकर कर वहां पर बसे हैं. इसलिए हम कुरमी/कुड़मी को आदिवासी सूची में शामिल करने का विरोध करते हैं.

आजसू पार्टी का हजारीबाग लोकसभा स्तरीय ग्राम प्रभारी सम्मेलन

'इंडिया' के पास न कोई राष्ट्रीय चेहरा और न ही संकल्प: सुदेश

संवाददाता। रांची/ हजारीबाग

कांग्रेस-झामुमो गठबंधन का कोई आधार नहीं है. जातीय ध्रुवीकरण इनकी प्राथमिकता है. इस गठबंधन ने समाज को ठगने का काम किया है, जबकि एनडीए राज्य और राष्ट्र हित में काम करने के लिए प्रतिबद्ध रहा है. उक्त बातें आजसू पार्टी सुप्रीमो सुदेश कुमार महतो ने शनिवार को कही. वह जिले के हरनगंज स्थित एक बैंक्वेट हॉल में आजसू पार्टी के हजारीबाग लोकसभा स्तरीय ग्राम प्रभारी सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे.

सुदेश महतो ने कहा कि एनडीए के पास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जैसा मजबूत और भरोसेमंद चेहरा है. वहीं 'इंडिया' गठबंधन के पास न ही कोई चेहरा है न देश के लिए कोई संकल्प. देश और देश के विकास के लिए इनके पास कोई सोच, कोई रोडमैप नहीं है.

उन्होंने अपील की कि हजारीबाग में भाजपा उम्मीदवार मनीष जायसवाल की जीत सुनिश्चित करने के लिए सभी मिल कर काम करें. सम्मेलन के बाद सिंदूर स्थित महेंद्र कॉलोनी में सदर प्रधान कार्यालय का उद्घाटन किया गया. इस मौके पर हजारीबाग निवासी युवा उद्यमी अनुराग मिश्रा समेत कई जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों ने पार्टी की सदस्यता ली.

इन्होंने थामा आजसू पार्टी का दामन : कुजू पूर्वी पंचायत समिति रेखा देवी, उपमुखिया नीलू देवी,पूनम सिंह, अनिता पाठक, बनासो पंचायत से करण यादव, मुकुल साव, राजकुमार यादव, गोपाल साव और केंद्रीय सचिव नमन ठाकुर के नेतृत्व में दीपक कुमार, निखिल कुमार, हरिनंदन कुमार, सूरज कुमार, अर्जुन कुमार, अमरदीप, साजिद अंसारी, मिनहाज अंसारी, वसीम अंसारी, सलमान अंसारी, राहुल कुमार, सूरज कुमार, साजिद अंसारी, मिनहाज अंसारी, वसीम अंसारी, सलमान अंसारी, शाहिद अंसारी, वसीम अंसारी, अजधानी अंसारी, सोनू अंसारी, राहुल अंसारी, समीर अंसारी, नियम अंसारी, मसूद अंसारी, अमरदीप कुमार, सूरज कुमार, पंकज कुमार, अर्जुन कुमार समेत कई जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों ने आजसू पार्टी का दामन थामा.

पीएम मोदी के 10 वर्षों में हुए रिकॉर्ड काम: चंद्र प्रकाश चौधरी

गिरिडीह लोकसभा प्रत्याशी सह पार्टी के वरीय उपाध्यक्ष चंद्र प्रकाश चौधरी ने कहा कि 400 पार का नारा सिर्फ एनडीए का संकल्प नहीं, अपितु जन-जन का नारा बन चुका है. प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 सालों में देश के विकास के लिए रिकॉर्ड काम किये गये हैं. सम्मेलन में भाजपा प्रत्याशी मनीष जायसवाल भी शामिल हुए. उन्होंने कहा कि मैंने नेता नहीं, बल्कि सेवक बनकर कार्य किया है और आगे भी पूरे लोकसभा क्षेत्र की जनता का सेवक बनकर कार्य करुंगा.

आजसू के सम्मेलन में ये लोग रहे मौजूद

आजसू पार्टी के सम्मेलन में मुख्य प्रवक्ता डॉ. देवशरण भगत, गोड्डा लोकसभा प्रभारी खालिद खलील, केंद्रीय सचिव अशोक नाग, केंद्रीय महासचिव सह बड़कागांव विस प्रभारी रोशनलाल चौधरी, मांडू विस प्रभारी तिवारी महतो, केंद्रीय प्रवक्ता सह हजारीबाग लोकसभा प्रभारी विकास राणा, हजारीबाग लोकसभा प्रभारी विजय साहू, हजारीबाग लोकसभा प्रभारी परमेश्वर महतो, रामगढ़ जिला अध्यक्ष दिलीप दांगी, सतीश सिन्हा, बरही विस प्रभारी राजसिंह चौहान, बरकट्ठा विस प्रभारी प्रदीप कुमार मेहता आदि मौजूद रहे.

मतदाता जागरूकता वाहन रवाना

संवाददाता। रांची

लोकसभा चुनाव में मतदान प्रतिशत बढ़ाने एवं ज्यादा से ज्यादा मतदाताओं को जागरूक करने के लिए स्वीप टीम की ओर से जिले में विभिन्न तरह के कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं. इसी कड़ी में शनिवार को समाहरणालय परिसर से मतदाता जागरूकता वाहन को रवाना किया गया. जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा, स्वीप कोषांग के नोडल पदाधिकारी सह डीडीसी दिनेश कुमार यादव एवं उप निर्वाचन पदाधिकारी विवेक कुमार सुमन ने प्रचार वाहन को हरी झंडी दिखाई. प्रचार वाहन के माध्यम से रांची लोकसभा क्षेत्र के मतदाताओं को विभिन्न गीतों के माध्यम से जागरूक किया जाएगा.

25 मई को जरूर करें मतदान : डीसी राहुल कुमार सिन्हा ने बताया कि स्वीप के अंतर्गत जिले में कई कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं. वोटर अवेयरनेस फोरम, इलेक्टोरल लिटरेसी क्लब, रेजिडेंट्स वेलफेयर एसोसिएशन आदि के साथ लगातार बैठकें की जा रही हैं. उन्होंने रांची लोकसभा क्षेत्र में 25 मई को होनेवाले मतदान को लेकर मतदाताओं से अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने की अपील की. उन्होंने बताया कि पूरी मशीनरी स्वच्छ एवं निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराने में जुटी है.

रामनवमी को लेकर हाई लेवल मीटिंग, गृह सचिव, डीजीपी समेत कई बड़े अफसर रहे शामिल

संवेदनशील जिलों में विशेष एहतियात बरतें: डीजीपी

संवाददाता। रांची

रामनवमी के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर शनिवार को हाई लेवल मीटिंग हुई. गृह सचिव वंदना दादेल की अध्यक्षता में हुई बैठक में झारखंड के डीजीपी अजय कुमार सिंह के साथ-साथ मुख्यालय के वरीय पुलिस के अधिकारी और जिले डीसी व एसपी मौजूद रहे. इस दौरान 15 महत्वपूर्ण बिंदुओं पर समीक्षा की गई. इनमें पिछले तीन सालों में रामनवमी के दौरान दर्ज कांड और उनके विरुद्ध की गई कार्रवाई पर चर्चा हुई. रामनवमी पर्व को लेकर हुई निरोधात्मक कार्रवाई, रामनवमी जुलूस अखाड़ों की संख्या, जुलूस की तिथि और जुलूस प्रारंभ से समाप्ति तक की अवधि, जुलूस मार्गों का भौतिक सत्यापन, जुलूस मार्गों में पड़ने वाले संवेदनशील स्थानों पर की गई सुरक्षात्मक कार्रवाई, संयुक्त नियंत्रण कक्ष, आपातकालीन योजना, पुलिस बलों, दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति, उत्तेजक गानों के प्रयोग पर नियंत्रण, जुलूस की वीडियोग्राफी, ड्रोन से एरियल सर्विलांस की व्यवस्था, धार्मिक स्थानों की मॉनिटरिंग पर भी विस्तृत समीक्षा की गई.

सभी जिलों में विशेष रूप से अलर्ट रहने के निर्देश : समीक्षा के दौरान डीजीपी अजय कुमार सिंह ने बताया कि झारखंड में रामनवमी की सुरक्षा को लेकर पुलिस मुख्यालय के द्वारा सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए जा रहे हैं. खासकर सभी संवेदनशील जिलों में विशेष रूप से एहतियात बरतने के निर्देश दिये गए. उन्होंने कहा कि वैसे संवेदनशील जिले जहां पूर्व में सांप्रदायिक तनाव के मामले सामने आए हैं, वहां जिला पुलिस के अलावा स्पेशल फोर्स की तैनाती भी की जाएगी.

चुनाव की घोषणा हुए एक माह बीते, पर कांग्रेस प्रमुख चार सीटों के प्रत्याशी तय नहीं कर पायी

टिकट देने में ही प्रत्याशी को हंफा दे रही, आगे क्या होगा...

कौशल आनंद। रांची

लोकसभा चुनाव को कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन खुद ही मोदी के खिलाफ निर्णायक लड़ाई करार दे रहा है. लेकिन झारखंड में कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन चुनाव को लेकर कितना गंभीर है, इसका अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि वह अब तक झारखंड की पांच सीटों से प्रत्याशी की घोषणा तक नहीं कर पायी है.

दूसरी ओर एनडीए गठबंधन के सारे प्रत्याशी मैदान में आ चुके हैं. तेजी से माहौल अपने पक्ष में करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व अबतक सोया हुआ है.

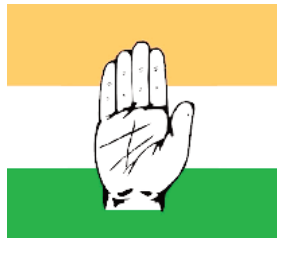

लोकसभा चुनाव की घोषणा हुए एक माह पूरे होने को हैं. 16 मार्च को चुनाव तिथि की घोषणा हो चुकी है. लेकिन 'इंडिया' गठबंधन में पहले सीट शेयरिंग का मामला देर से सलटा, फिर प्रत्याशियों की घोषणा में विलंब. कांग्रेस अपने कोटे की चार प्रमुख सीटों से प्रत्याशी की घोषणा नहीं कर सकी है, जबकि झामुमो ने अपने कोटे के जमशेदपुर सीट से प्रत्याशी की घोषणा नहीं की है. हालांकि झामुमो ने रामनवमी के बाद घोषणा करने की बात कही है. लेकिन कांग्रेस ने तो गजब कर दिया है. वह अपने कोटे की चार प्रमुख सीटों रांची, धनबाद, चतरा और गोड्डा से टिकट की दौड़ में शामिल नेताओं को हंफा रही है. किसे प्रत्याशी बनाना है, किसे नहीं, यह तय ही नहीं कर पा रही है. टिकट की दौड़ में शामिल नेता अभी ही इतना हांफने लगे हैं कि यदि उन्हें प्रत्याशी बना भी दिया गया, तो कम समय में कितना प्रचार कर पाएंगे, बताया नहीं जा सकता. यानी आगे क्या होगा, जाने रामा रे.

लॉबिंग और दिल्ली दौड़ लगा घर बैठ गए नेता

कांग्रेस के नेता टिकट की आस में गेटिंग-सेटिंग और दिल्ली दरबार की दौड़ लगा कर थक चुके हैं. इंतजार, इंतजार और इंतजार करते-करते उकता गये हैं. नेतृत्व ने इतना हंफा दिया है कि नेता घर आकर बैठ गये हैं. वैसे भी कांग्रेस चतरा सीट को लेकर ऊहापोह में है. टिकट की दौड़ में शामिल नेता इसलिए प्रचार में नहीं उतर रहे कि पता नहीं उन्हें टिकट मिलेगा भी या नहीं. हालांकि रांची में सुबोधकांत सहाय सामाजिक, धार्मिक कार्यक्रमों में हिस्सा लेते नजर आ रहे हैं.

अब भाजपा के निशाने पर 'इंडिया' गठबंधन

प्रत्याशियों की घोषणा में हो रही देरी के कारण अब 'इंडिया' गठबंधन, खासकर कांग्रेस पार्टी भाजपा के निशाने पर आ गयी है. भाजपा अब सीधे तौर पर कांग्रेस और गठबंधन पर हमले कर रही है. भाजपा यह आरोप लगा रही है कि मोदी को हटाने का सपना देख रही कांग्रेस और 'इंडिया' गठबंधन को चुनाव लड़ाने के लिए प्रत्याशी नहीं मिल रहे हैं. कांग्रेस टूट-फूट के इंतजार में बैठी है. भाजपा नेता कांग्रेस पर लगातार तंज भी कस रहे हैं.

पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड से सीटीओ/ सीटीई मिलने में परेशानी दूर हो: चैंबर

रांची। पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड से कंसेंट टू ऑपरेट (सीटीओ)/ कंसेंट टू इस्टैबलिसमेंट (सीटीई) मिलने में होनेवाली परेशानी पर झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स ने बोर्ड के सदस्यों के सचिव को पत्राचार कर संज्ञान लेने का आग्रह किया. कहा गया कि बोर्ड का सिंगल विंडो सिस्टम इतना सरल किया जाना चाहिए, जिससे कोई भी इच्छुक उद्यमी अपनी सुविधानुसार सीटीओ/सीटीई प्राप्त कर सके. चैंबर के सह सचिव अमित शर्मा और शैलेश अग्रवाल ने संयुक्त रूप से कहा कि उद्यमियों की सुविधा को देखते हुए ही बोर्ड द्वारा सिस्टम को ऑनलाइन किया गया था, किंतु अभी भी बिना मानवीय हस्तक्षेप के यह काम नहीं हो रहा है, जिसकी समीक्षा जरूरी है. यह प्रक्रिया पूरी पारदर्शी होनी चाहिए.

सप्लाई मजदूरों को प्लांट में जाने दिया जाए :भवन सिंह

संवाददाता। रांची

शनिवार को एचईसी बचाओ मजदूर जन संघर्ष समिति की बैठक एफएफपी बिल्डिंग के शेड में भवन सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई, जिसमें तय हुआ कि तीनों प्लांट एचएमबीपी, एफएफपी तथा एचएमटीपी के महाप्रबंधक से कहा जाए कि जबतक टेंडर निकालने में देर हो रही है, तब तक उत्पादन बढ़ाने के लिए सभी सप्लाई मजदूरों को काम करने के लिए कारखाना के अंदर जाने दिया जाए और काम लिया जाए. इससे उत्पादन में गति आएगी.

वहीं, जब टेंडर प्रक्रिया पूरी हो जाए, तो उसमें समायोजित कर लिया जाए. बैठक में कहा गया कि पांच मार्च को स्थायी मजदूर और अफसरों ने मिल कर काम पर जाने का फैसला लिया था. इसमें कुछ सप्लाई मजदूर भी साथ गए, लेकिन दूसरे ही दिन सप्लाई मजदूरों को प्रबंधन की ओर से कहा गया कि आप लोग काम पर नही आएं, टेंडर नहीं है. इसी पर सवाल उठाते हुए एचईसी बचाओ मजदूर जन संघर्ष समिति ने निर्णय लिया है कि तीनों जीएम से पूछा जाएगा कि सभी जगह खासकर मुख्यालय, वेलनेस सेंटर में और अन्य जगहों पर सप्लाई मजदूरों से काम लें रहे हैं, तो प्लांट में जाकर काम करने की इजाजत प्लांट प्रमुख क्यों नहीं दे रहें हैं. क्या सप्लाई मजदूर प्लांट में जाएंगे, तो स्थायीकरण के हकदार हो जाएंगे? मजदूर नेता भवन सिंह ने कहा कि सोमवार से दोबारा मजदूर कैंटिन खोल दी जाएगी.

चुटिया मंडा पूजा : निकली शोभायात्रा हुआ झूलन

गीत-संगीत से गुलजार रही रात

भोक्ताओं ने बिखेरे आस्था के फूल

संवाददाता। रांची

चुटिया में शनिवार को मंडा पूजा के झूलन को लेकर आस्था, भक्ति और उल्लास का महौल चहुंओर छाया रहा. सजे-संवरे 60 भोक्ता और सोक्ताइन संग ढोल-बाजे के साथ भव्य शोभायात्रा निकाली गयी. मंडा स्थल पर भोक्ताओं ने पूजा-अर्चना कर बांस के झूले से बंध आस्था के फूल बिखेरे. गीत-संगीत के रंगारंग कार्यक्रम से रात गुलजार रही. स्थानीय और बाहर से आये कलाकारो ने हिंदी और नागपुरी गीत पेश कर सब को झुमाया. बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के साथ विधायक सीपी सिंह ने भी इसमें बढ़-चढ़ कर भागीदारी निभायी.

60 भोक्ता और सोक्ताइन नाचते-झूमते पहुंचे मंडा पूजा स्थल

सुबह स्नान-ध्यान कर भोक्ताओं ने साज-शृंगार किया. शाम चार बजे स्थानीय प्राचीन राम मंदिर में नेम-निष्ठा से पूजा-अर्चना की गयी. फिर देर शाम पट भक्ता संग शोभायात्रा के रूप में 60 भोक्ता और सोक्ताइन नाचते-झूमते अपर चुटिया स्थित मंडा स्थल पहुंचे. यात्रा के दौरान बैल गाड़ी में कीलों के पट लेटे पट भोक्ताओं का अलग आकर्षण तो रहा ही, अनोखे अंदाज में नृत्य करते सजे-धजे भोक्ताओं ने भी सबका मन मोहा. मंडा स्थल पर पूजा-अर्चना के बाद पहले पट भोक्ता ने खूंटे के झूले से बंध कर आस्था के फूल बिखेरे. इनके बाद बारी-बारी से अन्य भोक्ताओं ने भी यह क्रम दुहराया. सोक्ताइनों ने भोक्ता का लोटा-पानी कर अभिनंदन किया. माना जाता है कि भोक्ताओं द्वारा बिखेरे गये फूल पाने वालों की सभी मनोकामनाएं पूरी होती है. इसी भाव से बड़ी संख्या में श्रद्धालु फूल पाने की चाह में खिंचे चले आए. जैसे ही भोक्ता फूलों की वर्षा करते, महिलाएं आंचल फैला कर पुष्प पाने को दौड़ती. यह नजारा देर शाम तक आम रहा. मुख्य संरक्षक विजय साहू, विजय तिर्की और अध्यक्ष राजकुमार महतो ने मंडा पूजा के सफल आयोजन को लेकर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वालों का आभार जताया है.

चुटिया में देर शाम तक लगा भक्ति का मेला, उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

मंडा पूजा को लेकर चुटिया में देर शाम तक भक्ति का मेला लगा रहा. खेल-खिलौनों और खाने-पीने के ठेले-खोमचे से कोना-कोना पटा था. श्रीराम मंदिर से अपर चुटिया तक देर शाम तक लोगों की लंबी कतार लगी रही. मंडा स्थल तो भक्तों और श्रद्धालुओं से खचाखच भरा रहा. चारों ओर से भक्त आते, पुष्प बिखेरते भोक्ता से आस्था के पुष्प प्राप्त कर भक्ति के मेले में खो से जाते.

जब अंगारे भी बन जाते हैं फूल

मंडा पूजा में भाग लेने वाले भोक्ताओं की भक्ति और तपस्या से अंगारे भी फूल बन जाते हैं. भोक्ता 14 दिनों तक सिर्फ गुड़ का शरबत और चना खा कर दिनभर गांव की शुद्धि करते हैं. रात्रि 12 बजे के बाद गुड़ से बनी खीर आदि खा कर जमीन पर ही सोते हैं. भोजन ग्रहण करने के दौरान यदि बाहरी आवाज सुन ली तो वहीं भोजन छोड़ देते हैं. एक वस्त्र धोती ओर गंजी पहन कर ही सारे अनुष्ठान करते हैं. दूसरा वस्त्र नहीं धारण करते. लोटन, धुवासी फूलखुंदी और झुलन के माध्यम से अपनी तप और तपस्या की परीक्षा से गुजरते हैं.

निभायी भागीदारी

शिव मंडा पूजा आयोजन समिति के अध्यक्ष राधेश्याम केसरी, महामंत्री राजकुमार महतो, कोषाध्यक्ष लालो महतो, संरक्षक छत्रधारी महतो, सतो मुंडा, सुरेश साहू, प्रमोद गोप, रवि गोप, भोला केसरी, मिथलेश गोप, मनोज गोप, राजेंद्र, नवीन केरकेट्टा, बद्री विशाल, चुन्नु गोप, रवि सिंह, मनपुरन नायक, आयुष कुमार, सुमित महतो, कौशल चौधरी, नीलकंठ नायक, दिवेश महतो आदि इसमें खास तौर से भागीदारी निभायी.

छठी के साथ समापन आज

चुटिया का मंडा पूजा रविवार को छठी के साथ संपन्न हो जायेगा. भोक्ता रविवार को एक-दूसरे को तेल-हल्दी लगा कर नदी में स्नान करेंगे. बाद में सामूहिक भोज होगा. व्रत-अनुष्ठान के दौरान तेल-हल्दी आदि से बने व्यंजन ग्रहण कर व्रत का पारण करेंगे.

न्यूज अपडेट

भीमराव अंबेडकर की मनाई गई 134 वीं जयंती

रांची। डीएवी पब्लिक स्कूल, बरियातू में डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 134 वीं जयंती पर उन्हें श्रद्धा सुमन अर्पित किया गया. इस दौरान उनके जीवन चरित पर आधारित निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ. प्राचार्य डॉ. तापस घोष ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि डॉ. अम्बेडकर विज्ञानवाद, मानवतावाद के प्रतीक थे. उनका जीवन लोगों को समानता का अधिकार दिलाने के प्रति समर्पित था.

बाबासाहब के गुणों को जीवन में उतारें : परमजीत

रांची। सरला बिरला पब्लिक स्कूल में डॉ. भीम राव अंबेडकर की 134वीं जयन्ती मनाई गई. इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विशेष सभा का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने प्रेरक गीत प्रस्तुत किए. इस मौके पर प्राचार्या परमजीत कौर ने कहा कि हमारा देश एक सच्चा प्रजातांत्रिक देश बन सके, इसके लिए हम सभी को भीम राव अम्बेडकर जैसे महान व्यक्तियों का अनुसरण करना चाहिए एवं उनके गुणों को अपने जीवन में उतारना चाहिए.

जी एंड एच हाई स्कूल में याद किये गये बाबा साहब

रांची। जी एण्ड एच हाई स्कूल में शनिवार को भारतीय संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई. कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य दिलीप कुमार झा तथा एकेडमिक एडवाइजर बीके सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया. इस अवसर पर इंटर हाउस क्वीज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया, जिसमें प्रथम स्थान पर बोस हाउस , द्वितीय तिलक हाउस एवं तृतीय स्थान पर टैगोर हाउस रहा .

बच्चों ने किया संविधान प्रस्तावना का वाचन

रांची। डीएवी आनंद स्वामी पब्लिक स्कूल में भारतीय संविधान के जनक डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती मनाई गई. प्रार्थना सभा में मुख्य अध्यापिका रोशी वाधवानी ने विद्यार्थियों के बीच उनके विचारों को साझा किया. विद्यालय की कक्षा छठी और सातवीं के विद्यार्थियों के बीच संविधान की प्रस्तावना वाचन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ. दोनों कक्षाओं के विजयी प्रतिभागियों को प्रशस्ति पत्र दे कर सम्मानित किया गया. मौके पर षमा ठाकुर, सुष्मिता मुखर्जी, कविता जायसवाल, रीता कुमारी, उपस्थित थे.

थड़पखना में ईद मिलन समारोह का आयोजन

रांची। थड़पखना में शुक्रवार देर शाम उमेजा फातिमा फाउंडेशन और आर्किड अस्पताल के संयुक्त तत्वावधान में ईद मिलन समारोह का आयोजन किया गया. समारोह में राज्यसभा सांसद महुआ माजी ने महिलाओं को साड़ी और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने युवाओं को शॉल देकर सम्मानित किया. मौके पर सुबोधकांत सहाय ने कहा कि युवा वर्ग समाज की रीढ़ होते हैं. उनमें समाज में परिवर्तन लाने की क्षमता होती है. युवाओं को एकजुट होकर समाज को राह दिखाने की जरूरत है.

दो दिवसीय पोइला वैशाख मेले का शुभारंभ

संवाददाता। रांची

बांग्ला नववर्ष पर यूनियन क्लब एंड लाइब्रेरी के तत्वावधान में थड़पखना स्थित यूनियन क्लब परिसर में दो दिवसीय पोइला वैशाख मेले का आयोजन किया गया. मेले का उद्घाटन शनिवार को डॉ. शिप्रा भट्टाचार्य, डॉ. पम्पा सेन विश्वास, रूमा चटर्जी, भास्वती मिश्रा ने किया. उद्घाटन समारोह में 100 से भी अधिक कलाकारों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया. पोइला वैशाख के मौके पर समूह गान के कार्यक्रम में रवीद्र संगीत, बाउल संगीत और प्रादेशिक संगीत से पूरा परिसर संगीतमय हो गया. गीत के बोल थे " आकाश भरा सूरजो तारा, चेचे देखी सारा दिन, एइ तो भालो लेगे छिलो, संगीत केबो." कार्यक्रम का

संचालन गीता डे और रिंकू बनर्जी ने किया. बता दें कि इस मेले में कुल 27 स्टॉल लगे हैं, जिनमें खाने-पीने के आठ स्टॉल हैं. उनमें हैंडमेड ज्वेलरी, जामदारी की साड़ियां, लाह की चूड़ियां और लाह से बनी वॉल हैंगिंग तथा अन्य कई चीजें. रूपुशु बुटीक कलेक्शन की सिबानी कुंदूर हाथों से ज्वेलरी बनाती हैं, जिसमें फैब्रिक का इस्तेमाल किया जाता है. साथ ही क्ले से पेंट कर भी ज्वलेरी बनाती हैं, जिनकी कीमत 30 से 200 रुपए तक है. चुरचू नारी ऊर्जा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड के अंतर्गत आदिवासी ग्रामीण महिलाओं द्वारा लाख चूड़ी बनायी गई हैं. हजारीबाग चरही की संगीता देवी ने बताया कि लाख की चूड़ियों की कीमत 60 रुपये से 600 रुपये तक के हैं. साथ ही लाख की चूड़ियां ही नहीं, बल्कि वॉल हैंगिंग भी लाह से बनाती है, जिनमें रविंद्र नाथ टैगोर, गणेश भगवान , लाफिंग बुद्धा मूर्तियां एवं अन्य हैं जिनकी कीमत हजार रुपए से शुरू होती है.

इन्होंने पेश किया संगीत : बंगशक्ति कोकर, संगीतायन रांची , बैतालिक रांची, जवाहरलाल नेहरू कला केंद्र , अपरूपा चाक ग्रुप, अपराजिता भट्टाचार्य ग्रुप, आदित्या रांची, देशप्रिय क्लब रांची .

इनर ह्वील क्लब ने की गोशाला में गायों की सेवा

रांची। इनर ह्वील क्लब की ओर से शनिवार को रांची गोशाला में गायों की सेवा की गयी. क्लब की कामिनी भारती ने बताया कि कार्यक्रम का नेतृत्व अध्यक्ष माला श्रीवास्तव कर रही थीं. उन्होंने बताया कि क्लब गरीब असहायों को आर्थिक सहायता से लेकर बच्चों की पढ़ाई के लिए सामग्री भी उपलब्ध करा रहा है. जगन्नाथपुर मंदिर में क्लब की ओर से तुलसी वन की स्थापना की गई है. जहां दो टॉयलेट के साथ प्याऊ भी लगाया गया है. रांची रेलवे स्टेशन में दिव्यांगों के लिए व्हील चेयर भी वितरित किए गए हैं. शनिवार को हुए कार्यक्रम में माला श्रीवास्तव, दीपा चौहान, नीता शेखर, अंबुजा शरण, रीता, मिनी श्रीवास्तव, डॉ. कामिनी प्रसाद और कामिनी भारती मौजूद रहीं.

जलियांवालाबाग के शहीदों को दी गई श्रद्धांजलि

संवाददाता। रांची

डीएवी पब्लिक स्कूल, हेहल में भारत के महान नेता, समाज सुधारक एवं भारतीय संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई गई. इस अवसर पर विद्यालय की यज्ञशाला में विशेष हवन-यज्ञ का आयोजन हुआ, जहां देश की स्वतंत्रता के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले जलियांवाला बाग के अमर बलिदानियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई. इस मौके पर आयोजित क्विज व भाषण प्रतियोगिता में बच्चों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया.

विद्यालय के प्राचार्य एसके मिश्रा ने कहा कि बाबासाहेब की जयंती का यह दिन हमें असाधारण योगदान की

याद दिलाता है. साथ ही साथ समानता और सामाजिक न्याय के लिए हमारी निरंतर यात्रा पर विचार करने का अवसर प्रदान करता है. उन्होंने जलियांवाला बाग हत्याकांड के अमर शहीदों को भी याद कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की. मौके पर विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थीं.

पांच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा समारोह 18 से

रांची। रातू रोड चौक स्थित श्री श्री 108 राम जानकी पंच देवता मंदिर में 18 से 22 अप्रैल तक श्री राम दरबार सह शिवपरिवार का पंच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा

समारोह का आयोजन किया जाएगा. उक्त जानकारी मंदिर के अध्यक्ष प्रेम लाल गुप्ता ने दी. उन्होंने बताया कि 18 अप्रैल को जल यात्रा, पंचांग पूजन, मंडप प्रवेश, आरती, पुष्पांजलि, जलाधिवास, 19 अप्रैल को अग्निमंथन द्वारा अग्नि स्थापना, यज्ञाहुति, अन्नाधिवास, पुष्पाधिवास, धूताधिवास, 20 अप्रैल को मंडपस्थ देवों की पूजा, सुगंधाधिवास, फलाधिवास, नगर भ्रमण होगा.

भारतीय टीम में चयनित फुटबॉलर सम्मानित

रांची। शनिवार को लिटिल विंग्स स्कूल के तत्वावधान में रांची प्रेस क्लब के सभागार में भारतीय अंतर 16 में चयनित फुटबॉल खिलाड़ी दिव्यानी लिंडा और उसके माता व प्रशिक्षक अनवारुल हक का सम्मान और आर्थिक सहायता के लिए कार्यक्रम आयोजित किया गया. इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाज सेवी रंजन कुमार तथा लिटिल विंग्स स्कूल के निदेशक रमेन्द्र कुमार ने दिव्यानी लिंडा को पुष्प गुच्छ और शॉल देकर सम्मानित किया और तीन सालों तक आर्थिक सहायता करने की घोषणा की. जगदीश सिंह जग्गू ने इसके लिए स्कूल को धन्यवाद दिया.

शिक्षा क्षेत्रे सरला बिरला विश्वविद्यालय में लिटरेरी मीट 'इंस्पायर्ड' का आयोजन

गीता और मानस का करें अध्ययन : कुलपति

संवाददाता। रांची

खास बातें

- अनेक प्रतियोगिताएं आयोजित विद्यार्थियों ने दिखाया दम
- लिटरेरी क्लब की पत्रिका का लोकार्पण, पुरस्कार वितरण

सरला बिरला विश्वविद्यालय में फैकल्टी ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड लिंग्विस्टिक्स द्वारा एक दिवसीय लिटरेरी मीट 'इंसपायर्ड' का आयोजन किया गया. इस दौरान यूथ पार्लियामेंट, शार्क टैंक, वाद-विवाद और चित्रकला प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया. 'अर्थव्यवस्था के चित्रण, व्यवसाय एवं स्टार्टअप्स, पर्यावरण, आहार और विभिन्न क्षेत्रों में सोशल मीडिया का रुझान' कार्यक्रम की थीम रखी गयी थी.

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. गोपाल पाठक ने आयोजन की सराहना की तथा विद्यार्थियों के बहुमुखी विकास के लिए उसे आवश्यक बताया. उन्होंने विद्यार्थियों को भगवतगीता और रामचरितमानस जैसे महान धर्मग्रंथों का अध्ययन करने की सलाह दी. डीन डॉ. नीलिमा पाठक ने बताया कि ऐसे आयोजन से कला को प्रोत्साहन मिलता है. उन्होंने विद्यार्थियों को लिटरेरी क्लब में सक्रिय होने और बड़ी संख्या में भागीदारी निभाने की सलाह दी. कार्यक्रम के अंत में क्लब पत्रिका का लोकार्पण और विजेताओं के बीच पुरस्कार वितरण किया गया.

मौके पर विवि के कुलसचिव डॉ. विजय कुमार सिंह, नर्सिंग कॉलेज की प्राचार्या डॉ. सुभानी बाड़ा, डॉ. राधा माधव झा, डॉ. रिया मुखर्जी, कार्यक्रम संयोजक सम्राट बनर्जी, सह संयोजक इशिका सिंह, विभिन्न संकायाध्यक्ष समेत विवि के शिक्षक और छात्र उपस्थित थे. इस आयोजन के लिए विश्वविद्यालय के कुलाधिपति विजय कुमार दलान और डॉ. प्रदीप वर्मा ने शुभकामनाएं दीं.

ब्रीफ खबरें

बुढ़मू के बंसरी गांव में दो घरों से चोरी

बुढ़मू। ठाकुरगांव थाना क्षेत्र में इनदिनों दिनदहाड़े घरों का ताला तोड़कर चोरी की घटनाओं में काफी बढ़ोतरी हुई है. इसी कड़ी में शनिवार को क्षेत्र के बंसरी गांव में दो घरों में अज्ञात चोरों ने चोरी कर लिया. जानकारी के अनुसार गांव के जिबलाल महतो अपनी पत्नी के साथ खेत में काम कर रहा था, इसी बीच चोरों ने घर में रखे 80 हजार नगद,जेवरात चोरी कर लिया. साथ ही चरटू महली के घर का भी ताला तोड़कर नगद पांच हजार समेत अन्य सामानों की चोरी हुई. घटना की सूचना मिलने के बाद थाना प्रभारी विनीत कुमार ने पीड़ित परिवारों से मिलकर घटना के हर पहलुओं की जांच किया. साथ ही उन्होंने कहा कि जल्द ही अपराधी पुलिस की गिरफ्त में होंगे.

सड़क किनारे से पुलिस ने शव बरामद किया

मांडर। ब्राम्बे–ठाकुरगांव मुख्य पथ पर ढौंठा टोली के निकट सड़क किनारे एक शव बरामद किया गया. शव की पहचान ठाकुरगांव थाना क्षेत्र के साठ वर्षीय रामवृक्ष सिंह के रूप में की गई. बताया जाता है कि शनिवार की देर शाम सड़क किनारे किसी ने एक शव पड़ा हुआ देखा. जिसके बाद इसकी जानकारी पुलिस को दी गई. सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में ले लिया. पुलिस घटना की जांच कर रही है.

राज्यस्तरीय अस्त्र-शस्त्र चालन प्रतियोगिता 15 को

कांके। श्री महावीर मंडल कांके लक्ष्मण चौक द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय अस्त्र शस्त्र चालन प्रतियोगिता 15 अप्रैल होगी. न्यू मार्केट कांके में शाम छह बजे से आयोजित प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि राज्य सभा सांसद आदित्य प्रसाद साहू होंगे.दीपक बंका कोषाध्यक्ष भाजपा, स्वामी देवेंद्र प्रकाश और समाजसेवी भैरव सिंह विशिष्ट अतिथि तथा वीके सिंह, बिपिन मिश्रा और कृष्णा यादव अतिथि होंगे. प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार वितरण विधायक समरी लाल करेंगे.

19 अप्रैल से फास्ट फूड स्टाल प्रशिक्षण की होगी शुरुआत

सिल्ली/मुरी। श्री धर्मस्थला मंजूनाथेश्वर शिक्षण ट्रस्ट एवं केनरा बैंक द्वारा संचालित रूडसेट संस्थान सिल्ली में 19 अप्रैल से फास्ट फूड स्टॉल उद्यमी का प्रशिक्षण शुरू होने जा रहा है I ग्रामीण क्षेत्र के इच्छुक बेरोजगार युवक एवम महिलाएं जिनका उम्र 18 से 45 वर्ष के बीच है तथा प्रशिक्षण लेकर वह स्वयं का रोजगार करना चाहते हैं . रुडसेट संस्थान के कार्यालय में आकर कर अपना नामांकन करा सकते हैं. प्रशिक्षण के लिए आधार कार्ड, राशन कार्ड, बीपीएल कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, बैंक पासबुक,महिला समूह कोड सभी का फोटो कॉपी आदि दस्तावेज लगेगा .

जय श्री राम कमेटी 15 को निकालेगी झांकी

सिल्ली/मुरी। जय श्री राम कमेटी मुरी सिल्ली के द्वारा 15 अप्रैल सोमवार को झांकी निकालेगी. यह झांकी सिल्ली ग्राम विकास स्कूल से 3:30 बजे शाम में पैदल जय श्री राम का नारा लगाते हुए झारखंड मोड, बड़ा मुरी, छोटा मुरी होते हुए ए टाइप बजरंगबली मंदिर आकर संपन्न होगा. कमेटी के सदस्यों से अनुरोध किया गया है कि अधिक से अधिक राम भक्त झांकी में शामिल होकर सफल बनाएं. इसकी सूचना कमेटी के पदाधिकारी चंद्र मोहन महतो ने दिया.

पिपरवार में भाजपा के चुनाव प्रभारी ने की बैठक

पिपरवार। भाजपा पिपरवार मंडल की बैठक कल्याणपुर में लोकसभा मंडल प्रभारी विजय चौबे की अध्यक्षता में शनिवार को हुई. बैठक में मंडल अध्यक्ष संजीव कुमार मिश्रा के साथ शक्ति केंद्र के प्रमुख कार्यकर्ताओं से चुनाव को लेकर चुनावी रणनीति पर विचार विमर्श किया गया . इस मौके पर मंडल अध्यक्ष संजीव मिश्रा, रविंद्र यादव, कोषाध्यक्ष रामप्रसाद महतो महेश ,अरूण उरांव,महामंत्री महेश विश्कर्मा, शक्ति केंद्र प्रमुख धनराज भोक्ता, सह संयोजक संजय भोक्ता,महिला मोर्चा अध्यक्ष माधुरी देवी, महेंद्र गंझु, इंद्रजीत चौधरी,राज भोक्ता, सोतन गंझु, सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे.

बेड़ो में प्रखंड स्तरीय सरहुल शोभा यात्रा में डीजे साउंड सिस्टम से गीतों से गुंजायमान रहा बेड़ो के गांव

सरहुल शोभायात्रा में उमड़ा जनसैलाब, दिखी आदिवासी संस्कृति की झलक

सुनील कुमार गुप्ता

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड के सरहुल पूजा आयोजन महासमिति के तत्वावधान में शनिवार को देर शाम प्रखंड स्तरीय सरहुल जुलूस शोभा यात्रा का भव्य आयोजन किया गया. इस मौके पर मुख्य सड़कों से लेकर बेड़ो बाजार टांड़ एवं बेड़ो बस्ती सहित छोटा सरना एवं बड़ा सरना में जनसैलाब उमड़ पड़ी. सरना स्थल पर पारंपरिक रूप से पूजा अर्चना कर सामूहिक प्रार्थना का आयोजन किया गया. हजारों लोगों ने सरना स्थल पर पूजा अर्चना की. सरहुल पूजा आयोजन महासमिति के अध्यक्ष सुका उरांव, संरक्षक राकेश भगत संरक्षक जुगेश उरांव, संरक्षक अनिल टोप्पो प्रो करमा उरांव, महतो भगत, अनिल उरांव, महिला नेत्री सह पंचायत समिति सदस्य राखी भगत, मुखिया सुशांति भगत, मंगा पाहन, कार्यकारी अध्यक्ष बुधराम बाड़ा, उपाध्यक्ष विक्रांत उरांव, राजेश भगत, निर्मल तिर्की, रजत भगत, अशोक उरांव, बिरजू उरांव, जतरू उरांव, महादेव उरांव, सुकेंद्र उरांव, सुरेश उरांव, रविंद्र भगत, दिलीप उरांव, रमेश उरांव, रवि मिंज, सुशील कच्छप, जयमंगल भगत, बुधुवा कच्छप, सुकुल पाहन, बुधुवा पाहन, पंचम तिर्की, प्रदीप भगत, अजय मिंज सचिव रंजीत टोप्पो, सह सचिव प्रभात लकड़ा कोषाध्यक्ष सुजीत कुमार मिंज, सह कोषाध्यक्ष शंभु कच्छप, के संयुक्त नेतृत्व व अगुवाई में भव्य शोभायात्रा निकाली गई. इस मौके पर देवगांव लापुंग के फगुआ भगत की टीम ने अपने नृत्य कला कौशल से लोगों को बांधे रखा.

खास बातें

- परंपरा व आधुनिकीकरण के समन्वय की झलक दिखाई दी
- आदिवासी लोहरा समाज ने जुलूस में अद्भुत समां बांधा

सरहुल पर्व आदिवासियों के प्रकृति प्रेम का प्रतीक : राजेश कच्छप

एहसान राजा

ओरमांझी। प्राकृतिक पर्व सरहुल ओरमांझी में धूमधाम से मनाया गया . झारखंड प्रदेश आदिवासी सरना पड़ाहा समाज सरहुल महोत्सव मुना पतरा चकला ओरमांझी सरहुल पूजा परंपरागत रीति रिवाज के साथ पूरी हुई . मुख्य संरक्षक रमेश उरांव ने मंच का सफल संचालन विधि विधान के साथ किए और सरहुल महोत्सव एवं पूजा में बढ़-चढ़कर अपनी हिस्सेदारी और जवाबदेही को समझे सरहुल पूजा की . मुख्य और श्री उरांव ने कहे की इस ऐतिहासिक अस्थल पर लाखों की संख्या में आदिवासी महिलाएं पुरुष अपने पारंपरिक वेशभूषा ढोल नगाड़े लाल पाल साड़ी धोती गंजी के साथ भिन्न भिन्न गांव से नाचते गाते लाखों की संख्या में शामिल हुए इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अतिथि खिजरी विधायक

राजेश कच्छप मौके पर उपस्थित थे . उन्होंने यहां पूजा अर्चना कर झारखंड वासियों के जीवन में सुख शांति समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की इस मौके पर उन्होंने कहा कि सरहुल पर्व प्राकृतिक और पेड़ों की पूजा जाती है तथा यह पर्व हमें प्रकृति के प्रति प्रेम और श्रद्धा रखने का संदेश देता आपसी भाईचारा एकता का भी संदेश देता है यह पर्व हमें समाज में एकजुटता के साथ रहना सिखाता है .

सोशल मीडिया में उपलब्धियां गिनाने पर गोशाला के सदस्यों ने कसा तंज

माल महाराज का मिर्जा खेले होली

राजन बॉबी। रांची

गोशाला न्यास समिति के चुनाव में खड़े पदाधिकारी अपने तीन साल की उपलब्धियां गिना रहे हैं. सोशल मीडिया में गोशाला के विकास को लेकर तरह-तरह की बातें भी की जा रही हैं. उनकी बातों से ऐसा लगता है, जैसे कि यह सारा श्रेय उन्हीं का है. लेकिन, अंदर की बात कुछ और ही है. सदस्य सोशल मीडिया में लिखित बातों को शेयर करते हुए कहते हैं कि इन्होंने तो सारी हदे पार कर दीं. अब कितना गिरेंगे.

'माल महाराज का, मिर्जा खेले होली वाली' वाली कहावत चरितार्थ हो रही है. गोशाला की तीनों इकाई में जो भी कार्य किया गया है, उसका सारा श्रेय दान दाता को जाता है. सदस्यों का कहना है कि इन्होंने तो मिल-जुल कर गोशाला की 15.95 एकड़ जमीन मात्र सात हजार रुपये प्रति डिसमिल की दर से बेच दिया. रही-सही गोशाला का बंटाधार कर दिया है. इस बात की सफाई भी खुले मंच पर आकर दी जाती, तो माननीयों की बात कुछ हद तक समझ में आती, लेकिन इस पर कोई कुछ नहीं बोल रहा है. सभी मौन साधे बैठे हैं. सिर्फ ट्रस्टी चेयरमैन अकले इसे जायज ठहरा रहे हैं.

सदस्यों का कहना है कि किशन गोपालका के पाटर्नर राजकुमार केडिया को कौड़ी के भाव जमीन बेच कर उन्हें ट्रस्टी भी बना लिया. गोशाला के बायलॉज का तनिक भी ध्यान नहीं रखा.सदस्य इसे सारासर आराजकता बता रहे हैं. सभी का कहना है कि ट्रस्टी चेयरमैन वर्चस्व के कारण ही ऐसा कर रहे हैं.

गोशाला न्यास समिति के अजब-गजब कारनामे

ट्रस्टी नहीं लड़ते चुनाव लेकिन पद पर बने रहते हैं

ट्रस्टियों को चुनाव लड़ने की जरुरत नहीं होती . माननीय तो बैगर चुनाव लड़े ही प्रमुख पदों पर बने रहते हैं . उनका कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता, क्योंकि बहुमत ट्रस्टियों के ही पाले में रहता है . यही कारण है कि ट्रस्टी, गोशाला को अपनी जागीर समझते हैं . सदस्यों का कहना है कि यह प्रजातांत्रिक व्यवस्था का खुल्ला उल्लंघन है . ऐसा किसी भी धार्मिक और सामाजिक संस्था के बायलॉज में नहीं देखने को मिलता है .

ज्यादातर ने कहा- सभी को सदस्यता मिलनी चाहिए

गोशाला से जुड़े ज्यादातर लोग सभी सदस्यों को मान्यता देने के पक्ष में हैं . लोगों का कहना है कि गोशाला के जितने ज्यादा सदस्य होंगे, उतने ही बेहतर ढंग से गो सेवा हो सकेगी . फंड की कमी नहीं होगी . गोशाला अपने पैरों पर खड़ा हो सकेगा . ट्रस्टियों को कुछ इस तरह भी सोचना चाहिए . सच्चाई तो ये है कि सदस्य बनने के लिए किसी ने गोशाला का चक्कर नहीं लगाया है . सभी को बुला-बुला कर सदस्यता दी गयी है . ऐसे में उन्हें बाहर का रास्ता दिखाना कहां से उचित है . सभी समाज के लोग ही हैं . इस पर गंभीरतापूर्वक विचार किया जाना चाहिए,

चुनाव महज दिखावा है, ट्रस्टी हीं सर्वेसर्वा

सदस्यों का कहना है कि गोशाला न्यास समिति का चुनाव महज दिखावा भर है . ट्रस्टी ही गोशाला के सर्वेसर्वा होते हैं . ऐसे में चुनाव का औचित्य ही नहीं है . माननीयों को बस फरमान जारी कर 15 सदस्यों का चयन कर लेना चाहिए . 16 तो वे हैं ही, 31 कार्यकारिणी की संख्या पूरी हो जाएगी . इसके लिए तामझाम करने में जो भी राशि खर्च की जा रही है, उसे गो सेवा में ही लगा देना चाहिए .

हम होते तो अपमान का जवाब वोट से देते: बेनी

बेनी प्रसाद अग्रवाल ने कहा कि हम सब सदस्यों को मान्यता नहीं देकर माननीयों ने ठीक नहीं किया है . हम सब भी इसी समाज के लोग हैं . कोरोना काल में गोशाला आर्थिक संकट से जूझ रहा था, तब हमें बुला कर सदस्य बनने का ऑफर दिया गया . हम सब ने गो सेवा की भावना से 25-30 लाख रुपये जमा करवा कर सदस्यता पायी . इसके बावजूद हमें बाहर का रास्ता दिखाया जा रहा है . यदि हम ऐसा होता देखते, तो अपने भाई-बंधु के अपमान का जवाब वोट से देते .

रतन जालान को डर... कहीं बादशाहत खत्म न हो जाए

सदस्यता को मान्यता नहीं मिलने से आहत सदस्यों का कहना है कि रतन जालान को हमेशा यह डर सताता रहता है कि कहीं गोशाला से उनकी बादशाहत खत्म न हो जाए . इसी डर से सदस्य बनने के बाद भी 110 सदस्यों को मान्यता नहीं दे रहे हैं . सदस्यता मामले को लेकर सालों से सभी को लटकाये हुए हैं . उन्हें इस बात का डर सताता है कि कहीं 110 सदस्यों की सदस्यता को मान्यता दे दी, तो वे उनके खिलाफ न चले जाएं . इसलिए तो, पुरजोर विरोध के बाद भी वे नहीं मान रहे हैं .

न्यूज अपडेट

पिपरवार थाना में हुई शांति समिति की बैठक

पिपरवार। रामनवमी पूजा को लेकर पिपरवार थाना परिसर में शनिवार शांति समिति की बैठक हुई. बैठक की अध्यक्षता टंडवा एसडीपीओ प्रभात रंजन बरवार और संचालन थाना प्रभारी प्रशांत कुमार मिश्रा ने किया. बैठक में रामनवमी का त्योहार शांति सौहार्दपूर्ण एवं आपसी भाईचारगी के साथ मनाने का निर्णय लिया गया. . बैठक में अवर निरीक्षक अभिमन्यु कुमार, अंजनी कुमार, राजेंद्र पांडेय, शैलेश राय, संजय कुमार, मुखिया गुंजन सिंह, रीना देवी, सरिता देवी, रेखा कुमारी, किरण कुमारी आदि शामिल थे.

इटकी में महायज्ञ के लिए भूमि पूजन किया गया

इटकी/। रुद्र महाकाल मंदिर परिसर में सात से 13 मई तक आयोजित होने वाले श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ सह भगवद् कथा के लिये शनिवार को विधिवत ढंग से भूमि पूजन किया गया. कार्यक्रम की शुरुवात वैदिक मंत्रोचारण से पंडित अखिल पांडेय द्वारा गणेश पूजा के साथ किया गया. भूमि पूजन पर जजमान आलोक केशरी थे. भूमि पूजन के उपरांत प्रसाद और भंडारे का वितरण किया गया. मौक़े पर मुख्य रूप से अशोक गोप, देवेंद्र महतो, बिनोद सिन्हा, लघ्नु केशरी, लक्ष्मी, सहित अन्य शामिल थे.

बचरा गुरुद्वारा में मनाया गया खालसा साजना दिवस

पिपरवार। पिपरवार क्षेत्र और आस पास के ग्रामीण इलाकों में शनिवार को सिख समुदाय के द्वारा खालसा साजना दिवस सह बैसाखी पर्व धूमधाम के साथ मनाया गया.इस मौके पर बचरा गुरुद्वारा परिसर में कई प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन किया गया,साथ ही बचरा गुरुद्वारा में चल रहे सहज पाठ की समाप्ति की गई.जानकारी के अनुसार बैशाखी पर्व एंव खालसा साजना दिवस के मौके पर शनिवार की सुबह बचरा गुरुद्वारा में निशान साहब का चोला बदला गया.जिसके बाद तीन चरणों में चल रहे सहज पाठ की समाप्ति की गई.अंत में गुरु का लंगर का आयोजन किया गया.

मतदाता जागरूकता अभियान का शुभारंभ

ओरमांझी। आर.टी.सी.कॉलेज ओरमांझी के विवेकानंद सभागार में लोकसभा चुनाव-2024 के लिए मतदाता जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया गया. इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि ओरमांझी अंचलाधिकारी नितिन शिवम गुप्ता ने कॉलेज में अध्यनरत नये वोटरों समूहों को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी लोकतान्त्रिक राष्ट्र के लिए मताधिकार एक राष्ट्रीय दायित्व है जिसका निर्वहन बहुत जरूरी है. हरेक वोट कीमती है जो लोकतंत्र को मजबूत बनाता है.

विश्व कल्याण की कामना के साथ गायत्री यज्ञ संपन्न

डकरा। विश्व कल्याण के लिए डकरा गायत्री शक्तिपीठ में चार दिवसीय गायत्री महायज्ञ मंत्रोच्चारण पूर्णाहुति हवन के साथ समापन हुआ. यज्ञ अनुष्ठान में शामिल श्रद्धालुओं ने आरती व शांति पाठ के बाद सबके लिए स्वास्थ्य व उन्नतिशील नव भारत के लिए मंगलमय जीवन की कामना किया गया. इस मौके पर भंडारे का आयोजन किया गया . जहां हजारों की संख्या में लोगो ने खीर पुड़ी महाप्रसाद ग्रहण किया.

डीएवी स्कूल में मनाई गई बाबा साहब की जयंती

ओरमांझी। डीएवी स्कूल मुन्ना पतरा ओरमांझी में संविधान निर्माता बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर की जयंती शनिवार को हर्षोल्लास के साथ मनाई गई. कार्यक्रम में स्कूल के प्राचार्या पूनम दूबे ने संविधान शिल्पी बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया. कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को भारतीय प्रस्तावना की शपथ दिलाई गई. वहीं कार्यक्रम को सफल बनाने में शिक्षकों व छात्रों का सराहनीय योगदान रहा. मौके पर मुख्य रूप से इंदू कुमारी, रिंकी सिंह, ज्योति कुमारी, संगीता कुमारी, रिया कुमारी, रेखा कुमारी, कुलदीप कुमार, बबलू कुमार, नूतन कुमारी, जया कुमारी, चंदा कुमारी आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे.

शिव भक्तों ने अंगारों पर चल कर दिया भक्ति का परिचय

संवाददाता। सिल्ली/मुरी

सिल्ली के सिल्लीडीह गांव में शनिवार को हर्षोल्लास के साथ चैत्र पर्व व शिव पूजा संपन्न हो गया. इसको लेकर गांव के शिव मंदिर परिसर में शुक्रवार को मेले का आयोजन किया गया. जहां लोग रात भर छौऊ नृत्य तथा मेले का आनंद लिया. वहीं शनिवार सुबह फूलखुंदी दहकते अंगारों में चलना) का आयोजन किया गया. जिसमें 345 व्रती भोक्ताओं ने सुबह मंदिर के निकट तालाब में स्नान कर कतारबद्ध होकर दहकते अंगारों पर चलकर एवं शिव जी का पूजा उपरांत प्रसाद ग्रहण कर व्रत तोड़ा. उपवास की हुई महिलाएं भी इस आग पर चली. आस्था का अद्भुत प्रतीक है फूलखुंदी :- फूलखुंदी में भोक्ता नंगे पांव आग पर चलते हैं. सभी भोक्ता पाटभोक्ता के नेतृत्व में मंदिर के निकट तालाब से स्नान कर इस आग की पूजा अर्चना कर अंगारे में गुजरकर व्रत पूर्ण करते हैं. भोगता कठोर नियम एवं अनुशासन से रखते हैं व्रत :- इस पूजा में 5 दिनों तक भोक्ताओं को कड़े अनुशासन में रहना पड़ता है. 5 दिन पहले ही पारंपरिक पाटभोक्ता यानी मुख्य भोक्ता सभी भोक्ताओं का नेतृत्व करता है. पाटभोक्ता दिन भर फलाहार में रहकर रात्रि में हबिस (खीर) ग्रहण करता है. भोक्ताओं के परिजन भी घर में शाकाहारी भोजन ग्रहण करते हैं. अन्य भोक्ता फुलखुंदी के 3 दिन पूर्व से पाटभोगता की तरह नियम का अनुपालन करते हैं. सुबह- शाम स्नान, ध्यान, पूजा अर्चना करते हैं. वहीं सभी व्रती फुलखुंदी के 24 घंटे पूर्व से निर्जला उपवास रहते हैं. आग पर चलने और यहां की परंपरा के विषय में मंदिर समिति के संरक्षक सह सिल्ली राजा पुष्पेंद्र नाथ सिंह देव ने बताया कि यह परंपरा देश आजाद होने के पहले से चली आ रही है.

बिना अनुमति पतराकुल्ही में ढुल्लू ने की जनसभा, प्रशासन हुआ सख्त

एसडीओ ने आयोग को जांच के लिए लिखा

शुभम संदेश एक्सक्लूसिव

अमित सिन्हा। धनबाद

जिला प्रशासन से अनुमति लिए बिना चुनावी जनसभा करने के मामले में एसडीओ ने निर्वाचन पदाधिकारी को पत्र लिखा है. यह जानकारी अनुमंडल पदाधिकारी उदय रजक ने दी है. भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो की जनसभा का आयोजन बुधवार को रात्रि 9 बजे पतराकुल्ही स्थित नगर निगम के पार्क में हुई थी. जिसमे स्टेज के साथ माइक का भी इस्तेमाल हुआ थी. जिसकी अनुमति न ही नगर निगम द्वारा ली गई न ही जिला प्रशासन से ली गई हैं. पतराकुल्हि के नए बने पार्क में सैकड़ों की संख्या में भीड़ जुटा कर जनसभा का आयोजन बाघमारा विधायक सह धनबाद लोकसभा भाजपा प्रत्याशी ढुल्लू महतो के द्वारा किया गया था. चुनाव आयोग के नियम के अनुसार आदर्श आचार संहिता में किसी भी प्रकार के राजनीतिक कार्यक्रम की अनुमति जिला प्रशासन से लेना अनिवार्य है. ऐसा नहीं करने पर जिला प्रशासन द्वारा उक्त प्रत्याशी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने का नियम है.

आदर्श आचार संहिता के नियमों की विस्तृत जानकारी दे चुकी हैं डीसी

16 मार्च को आचार संहिता लागू होने के बाद जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त माधवी मिश्रा ने सभी राजनीतिक दलों के साथ बैठक कर एवं समाचार पत्रों के माध्यम से आचार संहिता में लागू होने वाले नियमों की जानकारी दी थी. जिसमे डीसी ने स्पष्ट निर्देश दिया था कि किसी भी राजनीतिक दल या दल के प्रत्याशी द्वारा कोई भी राजनीतिक कार्यक्रम बिना जिला प्रशासन की अनुमति के नहीं कि जाएगी.

राजनीति भाजपा बताये कि पंडित दीनदयाल के विचारों पर चल रही या लक्ष्मीकांत वाजपेयी के विचार पर

1800 रुपये प्रति टन रंगदारी वसूल रहे ढुल्लू महतो: सरयू राय

संवाददाता। धनबाद

सरयू राय ने धनबाद के कुख्यात गैंगेस्टर को दुबई से पकड़ कर धनबाद लाने और कार्रवाई करने की मांग की . कहा कि अपराधी के खिलाफ इस प्रकार से कार्रवाई होनी चाहिए जिस तरह से यूपी में योगी जी अपराधियों के खिलाफ करते हैं .

धनबाद लोकसभा के बोकारो में जमशेदपुर पूर्वी के विधायक सरयू राय ने एक बार फिर बाघमारा विधायक सह भाजपा के धनबाद लोकसभा प्रत्याशी ढुल्लू महतो पर निशाना साधते हुए कहा है कि बाघमारा में कोयला उठाव के लिए बीसीसीएल एरिया एक से पांच में प्रति टन 18 सौ रुपए की रंगदारी वसूली जा रही है. इस क्षेत्र में काला धन का खूब सृजन किया गया है और यह सब बीसीसीएल के अधिकारियों की जानकारी में हो रहा है. ईडी मनी लांड्रिंग के इस मामले की जांच करे. सरयू राय ने आरोप लगाया कि पहले रंगदारी प्रति टन दर 400 थी, जो 2018 में बढ़ कर 800 प्रति टन हुई और अब 1800 रुपए प्रति टन पहुंच गयी है. उन्होंने बताया कि इस मामले को लेकर हार्ड कोक व्यवसायियों द्वारा सवाल उठाने पर पूर्व की रघुवर सरकार में मजदूरों के खाते में डीबीटी के जरिए भुगतान को लेकर पूर्व डीसी ए दोड्डे ने एक जांच कमेटी भी बनाई थी. हालांकि उस कमेटी की रिपोर्ट आज तक लागू नहीं हुई है. अभी भी बाघमारा क्षेत्र में मनी लॉन्ड्रिंग हो रही है.

ईडी ने इसीआईआर दर्ज किया था

सरयू राय ने कहा कि हाईकोर्ट के आदेश पर ईडी ने इसीआईआर दर्ज किया था . इस मामले की अभी भी जांच करने की जरूरत है . बोकारो के एक होटल में शनिवार को पत्रकारों से बातचीत करते हुए सरयू राय ने कहा कि कि बाघमारा विधायक ढुल्लू महतो पर अब तक 50 केस में आरोप लगे हैं . जिसमें से चार मामले में सजा भी सुनाई गई है . इन सभी अलग-अलग सजा को जोड़ देने पर करीब 4 साल से ज्यादा हो जाती हैं . जो इनकी सदस्यता पर सवाल उठाती है . राय ने भाजपा को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि भाजपा स्पष्ट करे कि पार्टी पंडित दीनदयाल उपाध्याय के विचारों पर चल रही है या लक्ष्मीकांत वाजपेयी के विचारों पर . बीजेपी पार्टी के संस्थापक पंडित दीनदयाल दयाल उपाध्याय के सिद्धांत की चर्चा करते हुए कहा कि आज पार्टी नेतृत्व ने अपने सिद्धांतों को दरकिनार कर ढुल्लू महतो को प्रत्याशी बनाया है . पार्टी के कार्यकर्ताओ को भी विचार करना चाहिए कि पार्टी की गलतियों को कैसे सुधारें . उन्होंने पंडित दीनदयाल का जिक्र करते हुए कहा कि पंडित जी ने अपने चुनाव के समय खुद को ब्राह्मण होने का जिक्र नहीं किया था और पंडित जी ने कहा था कि अपनी जाति का जिक्र कर चुनाव तो जीत जाऊंगा पर पार्टी की विचार हार जाएगी .

चैती छठ पर्व व रामनवमी को लेकर नगर प्रशासक ने किया क्षेत्र भ्रमण

संवाददाता। रांची

चैती छठ पर्व के मद्देनजर रांची नगर निगम द्वारा विशेष सफ़ाई अभियान विभिन्न छठ घाटों पर चलाया जा रहा है. शनिवार को प्रशासक अमीत कुमार ने रांची नगर निगम क्षेत्रांतर्गत विभिन्न जलाशयों के तट पर अवस्थित छठ घाटों पर निगम द्वारा की जा रही विभिन्न व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया. उनके द्वारा मुख्य रूप से कांके डैम, तेतर टोली तालाब, रिम्स तालाब, बनस तालाब इत्यादि का निरीक्षण किया गया.

मौके पर प्रशासक ने कहा कि चैती छठ पर्व के दौरान एक साफ और स्वच्छ वातावरण में श्रद्धालु पूजा करें तथा सम्पूर्ण निगम क्षेत्र कूड़ा मुक्त रहे. यह रांची नगर निगम की प्राथमिकता है. साफ़-सफ़ाई के दृष्टिकोण से उन्होंने सभी चिह्नित छठ घाटों तथा उसके सभी संपर्क पथों पर विशेष सफ़ाई अभियान चलाने का निर्देश दिया.

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष समय उत्तम है. जीवन सुखमय व्यतीत होगा. प्रसन्नता तथा उत्साह से ओत-प्रोत रहेंगे. पारिवारिक सहयोग प्राप्त होगा. चोट-रोग व चोरी-विवाद से बचें. यात्रा लंबी तथा मनोरंजक रह सकती है. अप्रत्याशित लाभ के योग हैं.

वृषभ लेन-देन में जल्दबाजी व लापरवाही न करें. भावनाओं को वश में रखें. मन की बात किसी को न बतलाएं. प्रतिष्ठा में कमी हो सकती है. जल्दबाजी से चोट लग सकती है. कुसंगति से बचें. कोई अप्रत्याशित खर्च सामने आएगा.

मिथुन समय बहुत ही उत्तम है. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. प्रमाद न करें. बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे. यात्रा मनोरंजक रहेगी. अच्छे दिन को इंजॉय करें.

कर्क घर में अतिथियों का आगमन होगा. व्यय बढ़ेगा. आत्मविश्वास में वृद्धि होगी. कोई बड़ा काम करने तथा यात्रा पर जाने का मन बनेगा. आय बनी रहेगी. प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी. भेंट व उपहार देना पड़ सकता है.

सिंह आय के लिए आप प्रयासरत हैं. इसका लाभ मिलेगा. पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. धन प्राप्ति सुगम होगी. कारोबारी कामकाज चलते रहेंगे. घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी. सुख के साधन जुटेंगे. यात्रा मनोरंजक रहेगी. मित्रों का साथ मिलेगा.

कन्या पुराने रोग को नजरअंदाज न करें. व्यय होगा. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. व्यापार-व्यवसाय की गति धीमी रहेगी. शत्रु पीठ पीछे षड्यंत्र रच सकते हैं. प्रियजनों के साथ रिश्तों में खटास आ सकती है. अन्न दान करें.

तुला सृजनशीलता का विकास होगा. धन प्राप्ति सुगम होगी. व्यापार-व्यवसाय सुखद रहेगा. जल्दबाजी न करें. शारीरिक कष्ट संभव है. चिंता तथा तनाव रहेंगे. संतान संबंधी बुरी सूचना प्राप्त हो सकती है. लाल फूल माता दुर्गा को अर्पण करें.

वृश्चिक पार्टनर तथा मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा. रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे. आपके कार्य और प्रभाव से नौकरी में अधिकार बढ़ सकते हैं. किसी भी व्यक्ति के उकसाने में न आएं. बातचीत में संयम रखें.

धनु जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. शत्रुभय रहेगा. नौकरी में मातहतों का सहयोग मिलेगा. परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य संबंधी चिंता रहेगी. मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा.

मकर लाभ के अवसर हाथ आएंगे. जीवनसाथी की चिंता रहेगी. घर में सुख-शांति बनी रहेगी. घर-बाहर पूछ-परख रहेगी. विवेक से कार्य करें, लाभ होगा. किसी धार्मिक स्थल के दर्शन का कार्यक्रम बन सकता है. मित्रों से भेंट होगी.

कुंभ नौकरी में जवाबदारी बढ़ सकती है. थकान व कमजोरी रह सकती है. विरोधी सक्रिय रहेंगे. ऐश्वर्यादि पर खर्च होगा. यश बढ़ेगा. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. नए काम मिल सकते हैं. आर्थिक वृद्धि के लिए योजना बनेगी.

मीन दूसरों के मामलों में हाथ न डालें. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. किसी व्यक्ति के व्यवहार से क्लेश होगा. आय होगी. जोखिम न उठाएं. वाहन व मशीनरी के प्रयोग में लापरवाही न करें. अनहोनी की आशंका निर्मूल नहीं हो सकती है.

ओडिशा से 6.50 किलो गांजा लेकर जाने वाले थे बिहार, पुलिस ने दबोचा

जमशेदपुर। भुइंयाडीह स्थित बस अड्डे से पुलिस ने गांजा के साथ तीन लोगों को गिरफ्तार किया. गिरफ्तार आरोपियों में पीयूष सिंह, प्रवीण और भरत सिंह शामिल हैं. तीनों बिहार के भभुआ जिले के मोहनिया के हैं. पुलिस ने आरोपियों के पास से 6.50 किलो गांजा बरामद किया है. पुलिस ने तीनों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया. जानकारी देते हुए डीएसपी मुख्यालय 1 भोला यादव ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि ओडिशा से कुछ युवक गांजा लेकर जमशेदपुर आए हैं और यहां से बिहार की ओर जाने वाले हैं. इसके बाद पुलिस ने बस स्टैंड पर सर्च अभियान चलाया. वहां पुलिस ने तीन संदिग्धों को पकड़ा. तलाशी में तीनों के बैग से गांजा बरामद हुआ. युवकों ने पुलिस को बताया वे लोग ओडिशा से गांजा लेकर बिहार जा रहे थे. पहले भी गांजा की तस्करी कर चुके है.

साइबर अपराधी ने अजीत दास के खाते से उड़ाये 31 हजार रुपये

नोवामुंडी। गुवा बाजार स्थित अजीत दास के खाते से 10 अप्रैल की रात 9:45 से लेकर 1:30 बजे तक तकरीबन 31 हजार रुपये की निकासी कर ली गई है. 11 अप्रैल की सुबह खाताधारक गुवा बाजार स्थित बैंक ऑफ इंडिया शाखा जाकर इसकी लिखित शाखा प्रबंधक को दी. उसके बाद साइबर शिकार खाता धारक अजीत दास ने अपने खाते से गायब हुई. इसकी लिखित शिकायत गुवा थाना में की है. इस संबंध में अजीत दास ने बताया कि वह बैंक से ऑनलाइन ट्रांजक्शन नहीं करता है. उसके बावजूद अचानक उसके खाते से 31 हजार रुपए कैसे कट गए हैं. ज्ञात हो कि इससे पूर्व गुवा बैंक ऑफ इंडिया के खाताधारक संदीप कुमार प्रसाद के खाते से 70 हजार रुपए की निकासी कर ली गई थी. खाताधारक अजीत दास ने कहा कि बैंक ऑफ इंडिया एक बहुत ही बड़ी कंपनी है. आए दिन खाता धारकों के साथ ऐसी घटनाएं घटती रहती हैं. बैंक के कर्मचारी यह हवाला देकर अपना पिंड छुड़ा लेते हैं कि आपके खाते में आधार से पैसा निकाला गया है. किसी खाता धारक को कहा जाता आपने गलती से कहीं पेटीएम कर दिया है, जबकि खाताधारक कोई ऑनलाइन ट्रांजक्शन कभी करता ही नहीं है.

कोडरमा में जिनसे चुनाव हारे थे, अब उनके लिए ही वोट मांग रहे हैं बाबूलाल मरांडी

भाजपा में रिकॉर्ड मतों से जीतनेवालों का पत्ता कटा, सबसे कम अंतर से जीतने वाले को टिकट

रवि भारती। रांची

झारखंड की राजनीति कब किस करवट लेगी, इसका अंदाजा लगाना काफी मुश्किल है. राजनीति में कोई सगा नहीं होता. हर कोई मौके पर चौका मारने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ता. झारखंड भाजपा का हाल भी कुछ ऐसा ही है. वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में रिकॉर्ड चार लाख 86 हजार 194 मत से जीतने वाले पशुपतिनाथ सिंह को इस लोकसभा चुनाव में पार्टी ने टिकट ही नहीं दिया. उनकी जगह बाघमारा से भाजपा विधायक ढुल्लू महतो को टिकट दिया गया है. ढुल्लू पर 50 आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिसे लेकर भाजपा के अंदरखाने में भी सबकुछ ठीक-ठाक नहीं चल रहा है. ऊपर से निर्दलीय विधायक सरयू राय ने भी उनकी उम्मीदवारी पर कई सवाल भी खड़े कर दिए हैं. दूसरी ओर भाजपा ने सबसे कम वोट से जीतने वाले को टिकट दिया है. पिछले लोकसभा चुनाव में खूंटी सीट से अर्जुन मुंडा ने सिर्फ 1445 वोट से ही जीत हासिल की थी. भाजपा ने उन्हें केंद्र में मंत्री भी बनाया. पार्टी ने इस बार फिर से अर्जुन मुंडा को खूंटी से प्रत्याशी बनाया है. अर्जुन मुंडा ने कांग्रेस के कालीचरण मुंडा को शिकस्त दी थी.

दुमका से गुरुजी को हरानेवाले को पहले टिकट थमाया, फिर छीन लिया

2019 में सबसे बड़ी जीत
पशुपतिनाथ सिंह ने धनबाद से 4,86,194 वोट से दर्ज की थी जीत

सबसे कम अंतर से जीत
अर्जुन मुंडा ने पिछले चुनाव में खूंटी से 1445 वोट से दर्ज की थी जीत

कभी आमने-सामने थे, आज साथ-साथ

पिछले लोकसभा चुनाव में कोडरमा लोकसभा सीट से अन्नपूर्णा देवी और बाबूलाल मरांडी कभी आमने-सामने थे. अन्नपूर्णा देवी राजद छोड़ कर भाजपा में शामिल हुईं थीं और पार्टी के टिकट पर चुनाव मैदान में उतरी थीं. उनका मुकाबला झारखंड विकास मोर्चा के बाबूलाल मरांडी से था. अन्नपूर्णा देवी ने बाबूलाल मरांडी को चार लाख 55 हजार 600 मतों से हराया था. आज बाबूलाल भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हैं और अन्नपूर्णा देवी कोडरमा सीट से भाजपा की प्रत्याशी हैं. उन्हें विजयी बनाने के लिए बाबूलाल मरांडी चुनाव मैदान में पसीना बहा रहे हैं.

चतरा से सुनील सिंह की दाल भी नहीं गली

पिछले लोकसभा चुनाव में चतरा से तीन लाख 77 हजार 871 मतों से जीत हासिल करने वाले भाजपा प्रत्याशी सुनील सिंह का भी इस लोकसभा चुनाव में टिकट कट गया है. उनकी जगह भाजपा ने कालीचरण सिंह को उम्मीदवार बनाया है. वर्ष 2019 के चुनाव में सुनील सिंह को 5 लाख 28 हजार 77 मत मिले थे, जबकि कांग्रेस के मनोज कुमार यादव को एक लाख 50 हजार 206 मत मिले थे.

दुमका से सुनील सोरेन का भी पत्ता साफ

पिछले लोकसभा चुनाव में दुमका से झामुमो सुप्रीमो शिबू सोरेन को 47 हजार 590 मतों से हराने वाले सुनील सोरेन का भी भाजपा ने पत्ता साफ कर दिया है. हालांकि, उन्हें दुमका से टिकट मिल गया था, लेकिन सीता सोरेन के झामुमो छोड़ कर भाजपा में शामिल होने के बाद पार्टी ने सीता सोरेन को प्रत्याशी बना दिया. पिछले चुनाव में सुनील सोरेन को चार लाख 84 हजार 923 मत मिले थे, जबकि शिबू सोरेन को चार लाख 37 हजार 333 मत मिले थे.

3.71 लाख वोट लानेवाले को भी तवज्जो नहीं

लोहरदगा सीट से तीन लाख 71 हजार 595 मत लाने वाले भाजपा सांसद सुदर्शन भगत का भी टिकट कट गया. सुदर्शन भगत ने कांग्रेस के सुखदेव भगत को 10 हजार 363 मतों से हराया था. वहीं हजारीबाग सीट से सांसद जयंत सिन्हा ने खुद को चुनाव से अलग कर लिया. इस बार उनकी जगह भाजपा विधायक मनीष जायसवाल पर पार्टी ने दांव लगाया है. पिछले चुनाव में जयंत सिन्हा ने कांग्रेस के गोपाल साहू को चार लाख 79 हजार 548 मतों से हराया था.

मुद्दे से भटकाने के लिए ईडी व जांच एजेंसियों का इस्तेमाल कर दबाया जा रहा है आवाज

सीएसडीएस की सर्वे रिपोर्ट ने मोदी सरकार की पोल खोल दी : कांग्रेस

विशेष संवाददाता। रांची

झारखंड प्रदेश कांग्रेस के संगठन महासचिव अमूल्य नीरज खलखो ने कांग्रेस भवन में कहा कि सीएसडीएस की ताजा सर्वे ने मोदी सरकार की पोल खोलकर रख दी है. लगातार कांग्रेस इन्हीं मुद्दों के बीच आवाज उठा रही है और यही कारण है कि इन आवाजों को दबाने के लिए कांग्रेस और इंडिया गठबंधन के नेताओं पर ईडी की शिकंजा कसवाया जा रहा है, ताकि महंगाई, बेरोजगारी जैसे मुद्दे दबे रहे.

अब पूरी तरह लदने वाले हैं मोदी सरकार के दिन : नीरज खलखो ने कहा कि मोदी सरकार के दिन अब पूरी तरह लद चुकी हैं. 2019 के चुनाव में ही देश की जनता इनके जुमलेबाजी व वादाखिलाफी का जवाब देने का मन बना चुकी थी. पर पुलवामा में देश के वीर शहीदों की शहादत का राजनीतिक इस्तेमाल कर ये जनता को अपने पक्ष में करने में सफल रहे. कुछ समय पहले तक मोदी की गारंटी पर जोर देते हुए भाजपा ने पुनः देश की जनता को गुमराह करने का

प्रयास शुरू किया है. परंतु बेरोजगारी, महंगाई व इलेक्टोरल बांड से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले पर जनता के आक्रोश को भांपकर भाजपा ने फिर से धार्मिक ध्रुवीकरण का प्रयास चालू कर दिया गया है. चुनाव से पहले जब सीएसडीएस के सर्वे ने जनता के मूड का खुलासा कर दिया है, तो प्रधानमंत्री मोदी फिर जनता का ध्यान मूल मुद्दों भटकाने के लिये सनातनी राग अलाप रहे हैं.

दस साल की उपलब्धियां गिनाने में छूट रहे हैं भाजपा को पसीने : खलखो ने कहा कि भाजपा को अपने 10 साल की उपलब्धियों को समझाने में पसीने छूट रहे हैं. मोदी सरकार के 10 साल अन्यायकाल के खिलाफ राहुल गांधी की कन्याकुमारी से लेकर कश्मीर व मणिपुर से लेकर मुंबई तक भारत जोड़ो यात्रा व भारत जोड़ा न्याय यात्रा के दौरान बेरोजगार नौजवान, मजदूर, किसान, महिला व आम जनता से हुई संवाद के आधार पर जब कांग्रेस पार्टी पांच न्याय पच्चीस गारंटी को लेकर चुनाव के मैदान में पूरी शिद्दत के साथ उतर चुकी है, तो भाजपा पूरी तरह से बौखला गई है.

पांच न्याय-पच्चीस गारंटी लेकर घर-घर पहुंचेगी कांग्रेस : नीरज खलखो ने बताया कि झारखंड प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर के निर्देशानुसार झारखंड के सभी 14 लोकसभा क्षेत्रों में घर घर गारंटी अभियान की शुरुआत हो चुकी है. सभी लोकसभा कॉर्डिनेटरों, घोषित पार्टी प्रत्याशियों एवं जिलाध्यक्षों को स्पष्ट दिशा निर्देश दिए गए हैं, जिसके तहत कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता गारंटी कार्ड को लेकर मतदाताओं के घरों तक पहुचेंगे और भाजपा सरकार के 10 साल के अन्याय काल का पर्दाफाश करते हुए कांग्रेस पार्टी के 'पांच न्याय-पच्चीस गारंटी को लेकर आम जनता से इंडिया गठबंधन के पक्ष में वोट के अपील करेंगे.

कोर्ट वीकली राउंडअप

झारखंड हाईकोर्ट और सिविल कोर्ट में किस-किस महत्वपूर्ण केस में सुनवाई हुई

विनीत आभा उपाध्याय। रांची

झारखंड हाईकोर्ट और रांची सिविल कोर्ट में इस सप्ताह (8 से 13 अप्रैल तक) कई महत्वपूर्ण मामलों की सुनवाई हुई. इस सप्ताह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से जुड़े लैंड स्कैम केस के दूसरे आरोपी मोहम्मद सद्दाम की गिरफ्तारी के बाद कोर्ट में पेश किया गया. वहीं मनी लॉन्ड्रिंग के अलग-अलग मामलों के करीब आधा दर्जन आरोपियों को बेल देने से हाईकोर्ट ने इनकार कर दिया. इसके साथ ही चाईबासा कोर्ट ने दुष्कर्म के तीन दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई. जानिए इस सप्ताह किन-किन मामलों में क्या-क्या हुआ.

1. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से जुड़े लैंड स्कैम केस में फर्जी डीड बनाने के आरोपी मोहम्मद सद्दाम को गिरफ्तार करने के बाद ईडी ने कोर्ट में प्रस्तुत किया. इसके बाद कोर्ट ने उससे पूछताछ के लिए ईडी को अनुमति दी. पूछताछ में कई अहम खुलासे हुए हैं.

2. टेंडर घोटाला से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस के आरोपियों वीरेंद्र राम,उनके पिता गेंदा राम और पत्नी राजकुमारी देवी को झारखंड हाईकोर्ट से राहत नहीं मिली. हाईकोर्ट ने सभी आरोपियों की ओर से दाखिल जमानत याचिका और अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी.

3. अवैध खनन से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस के दो आरोपियों भगवान भगत और सुनील यादव ने हाईकोर्ट से बेल मांगी थी, लेकिन कोर्ट ने दोनों को बेल देने से इनकार कर दिया.

4. लोकपाल द्वारा जेएमएम की संपत्ति की सीबीआई से जांच के आदेश को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी गई है.

5. पूर्व विधायक पौलुस सुरीन व उसके एक साथ को ठेकेदार भूषण सिंह हत्याकांड में कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई गयी.

6. चाईबासा सिविल कोर्ट ने बच्ची से दुष्कर्म करने के तीन दोषियों को अंतिम सांस तक जेल में रखने की सजा सुनायी. चाईबासा के अपर सत्र न्यायाधीश ने रामचंद्र तियू, अनूप प्रताप तियू और सुखलाल होनहागा को सजा के साथ 15 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया.

7. जेल में बंद ग्रामीण विकास विभाग के पूर्व चीफ इंजीनियर वीरेंद्र राम के खिलाफ दाखिल प्रॉसिक्यूशन कंप्लेन (पीसी) पर ईडी कोर्ट ने संज्ञान लिया है. इसके साथ ही कोर्ट ने वीरेंद्र राम के पिता गेंदा राम और पत्नी राजकुमारी देवी को समन जारी किया.

सीएम चंपाई सोरेन ने कहा-नहीं बदली जाएंगी सिंहभूम प्रत्याशी जोबा मांझी

भाषा। आदित्यपुर

मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन ने आदित्यपुर में पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा कि अब किसी भी हाल में नहीं बदली जाएंगी सिंहभूम प्रत्याशी जोबा मांझी. जमशेदपुर से जेएमएम का प्रत्याशी का एलान रामनवमी के बाद करेंगे. उन्होंने कहा कि जमशेदपुर से पार्टी का प्रत्याशी कोई जेएमएम परिवार से ही होगा. बता दें कि मुख्यमंत्री चंपाई सोरेन शनिवार को गम्हरिया आदित्यपुर का तूफानी दौरा करते हुए पहले गम्हरिया जिसके बाद आदित्यपुर में नगर कमेटी के साथ होटल नोवांता में मंत्रणा की है. कार्यकर्ताओं ने सबसे पहले मुख्यमंत्री का फूल माला और गुलदस्ता देकर स्वागत किया ततपश्चात मुख्यमंत्री ने पदाधिकारियों से बूथ को स्थिति का जायजा लिया. उन्होंने मौके पर ही नगर के पदाधिकारियों को जिम्मेदारी भी सौंपी है. कार्यकर्ता सम्मेलन में नगर निगम के वार्ड 11 से 35 तक के बूथों के बूथ प्रभारी और अध्यक्ष शामिल हुए. उन्होंने कहा कि झारखंड में हवा महागठबंधन की ओर है और हमलोग 14 सीट इस बार जीतेंगे.

बोले सीएम

- जमशेदपुर से प्रत्याशी की घोषणा रामनवमी के बाद की जाएगी
- सीएम ने कहा, जेएमएम परिवार से ही होगा जमशेदपुर से पार्टी का प्रत्याशी

केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने पालकोट के गांवों में कार्यकर्ताओं से की मुलाकात

विपक्ष के पास कोई विजन नहीं है, केवल भ्रम फैला रहा है: मुंडा

संवाददाता। गुमला

केंद्रीय जनजातीय आदिवासी कल्याण मंत्री सह खूंटी लोक सभा क्षेत्र के प्रत्याशी अर्जुन मुंडा ने शनिवार को पालकोट प्रखंड क्षेत्र के जुराटोली, टेंगरिया, तिर्रा, टुकूटोली, बघिमा और पालकोट का भ्रमण किया. पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात की और उनका हाल चाल जाना. उन्होंने कहा,देश और राज्य का विकास केवल भाजपा ही कर सकती है. विपक्ष के पास विजन नहीं है. कोई मुद्दा नहीं है. केवल भाजपा और प्रधानमंत्री पर झूठा आरोप लगाकर लोगों में भ्रम फैला रही है. इनके नेता लगातार झूठ बोल कर लोगों को बरगला रहे है.जनता इनके बातों को अब सुनती भी नहीं है.

टेंगरिया के ग्रामीणों ने पारंपरिक गीत संगीत और नृत्य से केन्द्रीय मंत्री का

स्वागत किया. केंद्रीय मंत्री के साथ जिला अध्यक्ष शिवप्रसाद साहू, राम अवध साहू, सूरज देव सिंह, शैलेंद्र सिंह, किसान मोर्चा के प्रमंडलीय सह प्रभारी मंगल सिंह भोगता, मंडल अध्यक्ष गोपाल प्रसाद केशरी, युवा मोर्चा अध्यक्ष अमर कुमार सोनी, अशोक कुमार साहू लाल गोविंद नाथ शाहदेव, जिप सदस्य शांति देवी, प्रतिमा देवी, राहुल बड़ाईक, अरविंद सिंह, मनोज साव केशरी,धर्मराज साहू, कमल साहू, अमरनाथ बामलिया, मुकेश श्रीवास्तव, महेश सिंह, भूवन सिंह, गुड्डू सिंह, खिरोधर साहू, रुपनारायण साहू, संतु महराज, अशोक कुमार साहू, आशीष कुमार प्रसाद, चतुर साहू, आनंद सिंह, निलमणी सिंह आदि शामिल थे.

पुलिया के ध्वस्त होने से घटिया निर्माण की खुली पोल

भवनाथपुर। टाउनशिप से करमाही के बीच पिलुवाही महुआ के समीप बनी पुलिया के ध्वस्त होने से घटिया निर्माण की पोल खुल गई. टाउनशिप से करमाही तक करीब 3.25 किलोमीटर सड़क का निर्माण वर्ष 2016-17 में ग्रामीण विकास विभाग से 1.96 करोड़ की लागत से कराया गया था. सड़क का शिलान्यास विधायक भानु प्रताप शाही ने कराया था. तब संवेदक को चेताया था कि सड़क का निर्माण गुणवत्ता पूर्ण होना चाहिए. लेकिन विभाग और संवेदक की मिली भगत से आठ वर्ष के भीतर ही पुलिया ध्वस्त हो गया जिससे घटिया निर्माण कार्य से इंकार नहीं किया जा सकता है. पुलिया के ध्वस्त होने से करमाही, फुलवार सहित दो गांवों के करीब एक हजार आबादी को आवागमन में भारी समस्याओं का सामना करना पड़ेगा. गर्मी के मौसम में आवागमन में असुविधा तो नहीं होगी किन्तु जैसे ही बरसात का मौसम आएगा चार पहिया वाहन को जाने में परेशानी होगी. इस संबंध में कनीय अभियंता संजीव कुमार ने बताया कि ओवरलोड वाहन के गुजरने से पुलिया ध्वस्त हुआ है.

डॉक्टोरल कोलोक्वियम एक्सएलआरआई में तीन दिवसीय कॉन्फ्रेंस का हुआ समापन, 117 पेपर प्रस्तुत हुए

एआई से नौकरी को खतरा नहीं, ह्यूमन लाइफ होगा आसान : फादर एस जॉर्ज

मुख्य संवाददाता। जमशेदपुर

एक्सएलआरआइ में डॉक्टोरल कोलोक्वियम का आयोजन किया गया. तीन दिवसीय इस कोलोक्वियम में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एंड सस्टेनेबिलिटी विषय पर देश व दुनिया के विभिन्न हिस्से के विद्वानों ने पेपर प्रेजेंट किया. भारत समेत नेपाल, ओमान, स्पेन और यूके के कुल 117 पेपर जमा किए गये. जिसमें रिव्यू के बाद अंतिम रूप से कुल 62 पेपर प्रस्तुत हुआ. इसमें 19 डॉक्टोरल स्कॉलर एक्सएलआरआइ के जबकि अन्य 43 स्कॉलर देश व दुनिया के विभिन्न यूनिवर्सिटी व शिक्षण संस्थानों के थे. इस दौरान अंतिम रूप से बेहतर

पेपर प्रस्तुत करने वाले रिसर्चरों को पुरस्कृत किया गया. आठ से 10 अप्रैल तक चले इस कॉन्फ्रेंस की शुरुआत एक्सएलआरआइ के डायरेक्टर फादर एस जॉर्ज, डीन एकेडमिक्स प्रो. संजय पात्रो, डीन फाइनांस फादर डोनाल्ड डिसिल्वा समेत अन्य ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया. इस अवसर पर एक्सएलआरआइ के डायरेक्टर फादर सबेस्टियन जॉर्ज एसजे ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) की शुरुआत 1950 के दशक में हुई थी. वर्तमान बजट में सरकार ने फिफ्थ जनरेशन टेक्नोलॉजी स्टार्ट अप के लिये 480 मिलियन डॉलर का प्रावधान किया है, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग इंटरनेट ऑफ थिंग्स, 3-डी प्रिंटिंग और ब्लॉक चेन शामिल हैं. इसके अलावा सरकार आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, रोबोटिक्स, डिजिटल मैन्युफैक्चरिंग, बिग डाटा इंटेलिजेंस, रियल टाइम डाटा और क्वांटम कम्युनिकेशन के क्षेत्र में शोध, प्रशिक्षण, मानव संसाधन और कौशल विकास को बढ़ावा देने के योजना बना रही है. साथ ही उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस को लेकर एक मिथक है कि इससे नौकरी के अवसर कम होंगे, लेकिन ऐसी बात बिल्कुल नहीं है. कहा कि इससे रोजगार पर किसी प्रकार का कोई बुरा प्रभाव नहीं पड़ेगा, बल्कि इससे ह्यूमन लाइफ काफी आसान हो जाएगी. उन्होंने एआइ से आने वाले दिनों में काफी चुनौतियां निकल कर सामने आने की बातों को भी रखा.

इन्हें मिला पुरस्कार

ट्रैक	विजेता
1. मार्केटिंग	कुमार रोहित (आइआइएम विशाखापट्टनम)
2. फाइनांस	मानिक चंद्रा डे (फारिक मोहन यूनिवर्सिटी, बालासोर)
3. ऑपरेशंस	सौमिता घोष (एक्सएलआरआइ जमशेदपुर)
4. ह्यूमन रिसोर्स एंड ऑर्गनाइजेशन बिहेवियर	साई नवीन (श्री सत्य साई इंस्टीट्यूट ऑफ हायर लर्निंग)
5. स्ट्रेटेजी	स्वाति अग्रवाल (एक्सएलआरआइ जमशेदपुर)
6. सस्टेनेबिलिटी एंड पॉलिसी	ऋषिका राज (आइआइटी खड़गपुर)
7. इंटरप्रेनोयिरशिप	केवल राममानी (दयालबाग एजुकेशनल इंस्टीट्यूट, आगरा)

व्यापारियों पर हमले के मामले में बन्ना ने डीसी को कार्रवाई का दिया आदेश

संवाददाता। जमशेदपुर

जमशेदपुर के बिष्टुपुर डायगनल रोड में व्यापारियों पर लाठियां बरसाने के मामले में शनिवार को सिंहभूम चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के तत्वावधान में चेंबर भवन में बैठक हुई. इस दौरान व्यापारियों में काफी आक्रोश देखा गया. व्यापारियों पर बर्बरतापूर्वक लाठीचार्ज करने के कृत्य का पुरजोर विरोध किया. मौके पर सिंहभूम चैंबर ऑफ़ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के अध्यक्ष विजय आनंद मूनका ने कहा कि इस तरह बर्बरतापूर्वक लाठीचार्ज करने के कृत्य का पुरजोर विरोध चैम्बर करती है, उन्होंने कहा कि राज्य एवं राष्ट्र के सर्वांगीण विकास में व्यापारी और उधमी सहायक है, उन पर इस तरह का अत्याचार व्यापारी समाज बर्दाश्त नही करेगा. उन्होंने कहा की सिंहभूम चैंबर व्यापारियों के मान, स्वाभिमान एवं रक्षा हेतु सदैव खड़ा था, है और रहेगा. जिला प्रशासन यह सुनिश्चित करे कि भविष्य में व्यापारियों के साथ ऐसी घटना नहीं हो.

साल सुमन सुरभित वन प्रान्तर, सौरभ भरा दिगंत

कविता कलम

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

साल के सुमनों से वन-प्रांतर सुरभित हो उठे हैं. आठों दिशाएं महक उठी हैं. खिलते लाल-लाल फूलों से अपना श्रृंगार कर पलाश चहक रहा है. महुआ के मधुर-रस धार का पान कर भौंरे गुंजार करते हुए मंत्रोच्चारण कर रहे हैं. उधर अमराइयों में कोयल पंचम स्वर में तान छेड़ रहा है, जिससे सुनते ही प्रेमी जनों का मन मचल उठता है. किसलय दल से सजधज कर वसुधा लोकजीवन में नयी आशा का संचार कर रही है. ऐसा प्रतीत होता है कि मूल प्रकृति सगुण साकार रूप में सृजन की नयी प्रेरणा के साथ धरती पर अपने सुंदर चरण रख भक्तजनों को विभोर कर रही है. कहीं रामचरितमानस का नवाह्न पारायण यज्ञ हो रहा है तो कहीं शक्ति स्वरूपा भगवती की पूजा-अर्चना. भक्ति और श्रृंगार का ऐसा संगम तो दुर्लभ ही है, जहां प्रकट होकर पिंगल नाम का नव संवत्सर विश्व के सभी प्राणियों को प्रेरित कर रहा है कि बीते कालखंड की चिंता छोड़ कर नये ढंग से अपने कर्म में लग जाओ. तुम्हारा मंगल होगा. नवसंवत्सर आ जाये तो सभी दिशाओं में मंगल ही मंगल दृष्टिगोचर होता है. मानस पटल पर सद्भावना के सुमन विकसित हो उठते हैं और जिह्वा पर आ जाती हैं मंगलकामनाएं. नवसंवत्सर के इस सौंदर्य को अपने मनोरम शब्दों में साकार करते हुए अपने प्रियजनों को आशीर्वाद दे रहे हैं झारखंड के वरिष्ठ कवि **श्रीधर द्विवेदी.** इनकी रचना का शीर्षक है मंगलमय हो नवसंवत्सर, जिसमें है लावणी छंद का लावण्य.

साल सुमन सुरभित वन प्रान्तर, सौरभ भरा दिगन्त.
विपिन पलास सरोज मनोहर, नव-नव तरुण वसन्त..
रक्त-कृष्ण फल गुंजा लतिका, वन कन्या कर माल.
घुंघुरु- घवद घने बगिया में, अमिया भरे रसाल..
मद रस धार फूल महुआ के, मधुकर मंत्रोच्चार.
पंचम तान छेड़ती कोकिल, मधुर श्रवण संचार..
प्रकृति नव नव रची रंगोली, विहग मनोरम गान.
वसुधा पर आ रही सवारी, मूल शक्ति का जान..
सज्जित है मधुमास सुमन से, शुभ अरुणोदय काल.
चैत्र-शुक्ल प्रतिपदा सुखद हो, मंगलमय नव साल..

जो दूसरों के बीच मंगल बांटता है, उसका भी मंगल ही होता है. जो दूसरों को प्रेम देता है, उसे सूद के साथ प्रेम की प्राप्ति होती है. जो सद्भाव और सौहार्द को प्रोत्साहित करता है तो उसका मन भी अलौकिक आनंद की मंदाकिनी में निमग्न हो जाता है. बांटन वारे को लगे ज्यों मेंहदी का रंग. द्विवेदी जी के इस आशीर्वाद को, उनकी मंगलकामना को उन्हें ही समर्पित करता हूं-त्वदीयं वस्तु गोविंद तुभ्यमेव समर्पये. पलामू के जिला मुख्यालय मेदिनी नगर में निवास करनेवाले कविवर द्विवेदी द्वारा विरचित खंड काव्य 'ब्रज आये ब्रजराज' देश के विद्वज्जनों के बीच चर्चित भी रहा है और प्रशंसित भी. इस काव्य के अनुशीलन करने पर अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध के 'प्रिय-प्रवास' जैसी अनुभूति होती है, जिसे खड़ी बोली में लिखा गया पहला महाकाव्य माना जाता है. ब्रज आये ब्रजराज की भाषा भी खड़ी बोली हिंदी ही है. ये साहित्य की विभिन्न विधाओं की रचना में सिद्धहस्त हैं. नवसंवत्सर के पहले नव दिन शक्ति की उपासना के साथ ही भगवान रामचंद्र को विशेष रूप से समर्पित होते हैं, क्योंकि उनका अवतार चैत्र शुक्ल नवमी को ही हुआ था. जब राम का नाम लें तो हनुमान का स्वतः ही जिह्वा पर आ जाता है-राम दुआरे तुम रखवारे होत न आज्ञा बिनु पैसारे. रांची की कवयित्री **डॉ. आकांक्षा चौधरी** के शब्दों में राम का स्वरूप विश्व के जनमानस पर इस प्रकार अंकित है. इनकी रचना का शीर्षक है-मर्यादा पुरुषोत्तम राम.

मैंने न कभी भेद किया-
माता कौन, विमाता कौन! पिता की आज्ञा को शिरोधार्य किया.
शांत रहा बस सत्य कहा, अवध में जन्मा, अवध का राम!!
मैं पहुंचा निर्जन कुटिया में-
पग पड़ते ही निरीह शिला पर उस परित्यक्ता को स्वीकार किया.
सौम्य रहा बस प्रेम दिया. तारणहार बना, संतन का राम!!
अस्पृश्यता के कोहरे से ढंके-
बेरों का मैंने स्वाद चखा, बूढ़ी राह तकती आंखों को-
चैन दिया, मैंने शीतल किया, सबमें रमा, मानस का राम!!
मैंने कहा सिय प्रिय से-
पग पथरीले झंझावात भरे, पर पति संग रहने की मृगतृष्णा ने
सिया को मोह में बांध लिया. दुष्ट दानवों का मोक्ष धाम!!
एक पत्नीव्रत धर्म का पालन-
वानर, भालू, रक्ष, सब समान सबसे प्रेमवत् व्यवहार किया.
मैंने सबका सम्मान किया. जन-जन का पालक, सबका राम!!
नैतिक मूल्यों को स्थापित कर-
राज-पाट का मोह नहीं, कहीं सौंगध मेरे नाम से-
अवध फिर जगमग धाम हुआ. मर्यादा पुरुषोत्तम, जय श्री राम!!

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त ने कहा है-राम तुम्हारा वृत्त स्वयं ही काव्य है, कोई कवि बन जाये सहज संभाव्य है. यही कारण है कि हजारों कवियों ने राम के वृत्त पर काव्य रचना कर अपने जीवन को धन्य किया है. वासंतिक नवरात्र में श्रद्धालु भक्तगण शक्ति स्वरूपा भगवती दुर्गा की पूजा-आराधना में लीन हैं. चारों ओर मंत्रोच्चार गूंज रहे हैं तो ऐसे में एक भक्त हृदय अपने शब्दों में जगदंबा का गुणगान करने से स्वयं को कैसे रोक सकता है! रांची की कवयित्री **सविता सिंह मीरा** की इस रचना को प्रस्तुत करने से मैं भी स्वयं को रोक नहीं पा रहा हूं. इसलिए प्रस्तुत है उनका यह भक्ति गीत.

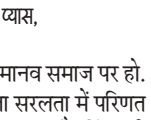

घर द्वार भी सजाए, बंदनवार भी लगाए,
किया घट को स्थापित अखंड दीप भी जलाएं,
रूप माता की देखो कैसे निखरी शोभे है मोहक मां की लाल चुनरी.
मां की हो रही है आरती, भक्तों को कष्टों से तारती,
पाठ करेंगे मैया तेरी रोज, सबकी जिंदगी तू ही संवारती
पहनाऊंगी मां तुझे भर भर चूड़ी शोभे है मोहक मां की लाल चुनरी.
मेरे जो खिल गए, हरसिंगार खिल गए,
तेरी ज्योत से माता, घर द्वार खिल गए
रखूंगी जगराता सब आना, सखी री मैया देख लाई हूं तेरी लाल चुनरी.
पहनाऊंगी तुझे तो सोने की मुंदरी शोभे है मोहक मां की लाल चुनरी.

मीरा जी ने अत्यंत सरल शब्दों में जगदंबा का गुणानुवाद किया है. गीत का भाव तो यही है कि वासंतिक नवरात्र में भगवती दुर्गा के दर्शन पूजन की जो अभिलाषा थी, वह तो पूरी हो चुकी है. अब एक श्रद्धालु का विश्वास है कि जगदंबा सभी साध पूरी कर देंगी. वासंतिक नवरात्र के भक्तिपूर्ण वातावरण का अत्यंत मनोरम चित्रण जमशेदपुर की कवयित्री **माधवी उपाध्याय** ने किया है. अपनी भावनाओं की अभिव्यक्ति के लिए इन्होंने मनहरण धनाक्षरी छंद का अत्यंत सुंदर प्रयोग किया है.

मधुमास का सुवास, लिए नवरात्र आया
नव राग, नव स्वर, गीत को संवार लो.
भक्ति छायी चहुंओर, खुशियां मारे हिलोर,
माता आई द्वार पर, हृदय उतार लो..
ललका चुनर मोहे, पैजनिया पांव सोहे,
ओढ़हुल फूल जल, चरण पखार लो..
करती कल्याण नित, भरती नव प्राण नित,
भक्ति-भाव ध्यान धर, आरती उतार लो..
माता अष्ट भुजाधारी, हाथों में खड्ग भारी,
काम क्रोध मद आदि, असुर संहार दो..
सिंह पे सवार मात, आशीष वरद हाथ,
आदिशक्ति कष्ट सब, जग के निवार दो..
श्वेत कमल वासिनी, धवल हंस वाहिनी
शब्द भाव सुलेखनी, ज्ञान का भंडार दो..
श्वास-श्वास हो विश्वास, अनबुझी सी हो प्यास,
माधवी पुकार सुन, गोद-मोद वार दो..

जगदंबा की कृपा भारत के संपूर्ण मानव समाज पर हो. सभी लोगों के जीवन की जटिलता सरलता में परिणत हो जाये. द्वेष का स्थान प्रीत ले ले. क्रूरता और हिंसा की जगह पर सहृदयता और अहिंसा स्थापित हो. दानवता का संहार हो, मानवता का उद्धार हो. इन्हीं शब्दों के साथ जय हिंद! जय झारखंड!!

मनुष्य जीवन और प्रकृति

चौराहा

प्रमोद कुमार झा

भारत के सुदूर दक्षिण में कन्याकुमारी के 'विवेकानंद रॉक मेमोरियल' के चारों ओर फैली तीनों समुद्र की विशालता और सुंदरता देखकर मैं बहुत देर तक सोचता रहा था कि चाहे मनुष्य हज़ारों सालों की सभ्यता में कितनी भी प्रगति कर ले... कितना भी 'विकास'कर ले, पर समुद्र की अथाह गहराइयों और विशाल भूभाग के सामने उसकी शक्ति एक बुलबुले की तरह है! किसी सुनामी के आने पर सारी मानवीय शक्तियां असहाय अनुभव करने लगती हैं. तटीय क्षेत्रों में बसी विशाल अट्टालिकाएं भी किसी कागज की नाव की तरह डूब जाती हैं. हां, यह अलग बात है कि महानगरों में बैठे प्रशासनिक और राजनीतिक सत्ताधीश तात्कालिक पद और सत्ता के मद और अहंकार में मदमस्त रहते हैं! आप सभी यह महसूस करते होंगे कि अगर 'विकास' की दिशा को संचालित नहीं किया गया तो मनुष्य की आने वाली पीढियां बीमारियों से ग्रस्त होंगी. बाकी तो छोड़िए आप याद कीजिये कि बचपन में आपको ज़मीन से पानी मिलता था और आप बिना हिचक पीते थे. पिछले पचास सालों में कृषि में रासायनिक खाद और कीटनाशक का इतना अधिक उपयोग किया गया है कि पूरे अनाज, फलों, दलहनों और सब्जियों में भी कीटनाशक पाए जाने लगे हैं! स्वाभाविक है भूजल तो प्रभावित होगा ही. जमीन का पानी अब पीने योग्य नहीं रहा, उसमें अत्यधिक मात्रा में अनुचित रसायन पाए गए! भारत में पहले अंग्रेजों ने और बाद में देसी सरकारों ने वन संपदा को नष्ट करना अपना सबसे महत्वपूर्ण कार्य माना! फैक्टरी और चौड़ी सड़कें, पक्के मकान विकास के सबसे बड़े सूचक माने गए! प्रकृति प्रदत्त पहाड़ों को काट काट कर सड़कों का जाल तो बिछाया जा रहा है, पर धरती के प्राकृतिक संतुलन बिगड़ने से अगर धरती माता ने करवट बदली तो फिर उसका कोई इलाज इन विकास के सारथियों के पास नहीं है!

झारखंड में नदियों, तालाबों का मनमाफिक अतिक्रमण किया गया. और तो और 'विकास पुरुषों' ने सैकड़ों करोड़ की लागत से रांची के आस पास कल कल बहती हरमू नदी को दोनों ओर सीमेंट से पाट बनवाकर हरमू नाला में तब्दील कर दिया! विकास होता रहा, जमीन में पानी का स्तर नीचे जाता रह! हाल के दिनों में आपने देखा होगा कि विकास का ऊंचा-ऊंचा दंभ भरनेवाला बंगलोर गंभीर जल समस्या से जूझ रहा था. बहुत से लोग अवकाश लेकर अन्य शहरों में चले गए थे! रांची में भी बढ़ते कंक्रीट के जंगल के कारण यह स्थिति आ सकती है! क्या पूरे देश की सरकारें प्राकृतिक वन संपदा क्षेत्र और नदियों का भी एक सर्वेक्षण करवाएंगी? शायद न करवायें, क्योंकि जनगणना तो वोट के समीकरण साधने के लिए होते हैं और नदी, पेड़, जंगल ,पहाड़ ,पक्षियां और जंगली पशु तो वोट देंगे नहीं न! पूरे देश के मूल निवासी जनजातीय लोग प्रकृति पूजक हैं. जल, जंगल, जमीन, पहाड़ ही उनके ईश्वर हैं. उनका निरंतर युद्ध जारी है 'विकास पुरुषों'से जो प्रकृति का संहार कर विकास कर रहे हैं, जबकि जनजातीय लोग प्रकृति का संरक्षण चाहते हैं! धीरे-धीरे उनकी आवाजें मशीनों के शोर में दबती जा रही हैं. पता नहीं आने वाले भविष्य के गर्भ में क्या है!

थावे की जगदंबा भवानी : भक्तों की कल्याणी

यायावर

डॉ. जंगबहादुर पाण्डेय

बिहार के गोपालगंज जिले में अवस्थित थावे भवानी का नाम तो बहुत पहले से सुन रखा था. दर्शन की लालसा भी थी, लेकिन संयोग नहीं बन पाया था. इस वर्ष 17 मार्च 2024 को थावे विद्यापीठ गोपालगंज का एक दिवसीय विशेष अधिवेशन गोपालगंज में स्थित शंकर शिव नारायण साहित्य ग्राम बलिवन सागर में आयोजित हुआ. थावे विद्यापीठ गोपालगंज का मैं पिछले साल प्रतिकुलपति नियुक्त हुआ. थावे विद्यापीठ गोपालगंज के कुलसचिव डॉ. पीएस दयाल यति और कुलपति डॉ. विनय कुमार पाठक की हार्दिक मनोकामना थी कि इस वर्ष का एक दिवसीय अधिवेशन थावे में ही संपन्न हो. जहां चाह वहां राह और ऐसा ही हुआ. गत वर्ष 16 अप्रैल को पटना से कुलपति डॉ. विनय कुमार पाठक, उपकुलसचिव डॉ. गिरधारी लाल अग्रवाल, डॉ. मनोज गोवर्धन पुरी एवं डॉ. राजीव कुमार के साथ कार से रात्रि 11 बजे गोपालगंज पहुंचे और गोपालगंज में स्थित ब्रज किशोर सिंह के वैभव होटल में ठहरे. थावे विद्यापीठ का अधिवेशन चूंकि 11 बजे से था, अतः प्रातः हमलोग स्नान ध्यान करके आटो से सात बजे थावे भवानी मंदिर पूजा एवं दर्शनार्थ पहुंचे. मंदिर के मुख्य पुजारी अशोक पाण्डेय के सौजन्य से मां थावे भवानी के विधिवत दर्शन हुए. पूजा अर्चना हुई और मंदिर के इतिहास के संदर्भ में विस्तृत जानकारी प्राप्त की.

यह मंदिर गोपालगंज से 6 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है. यहां संध्या आरती के बाद कपाट बंद कर दिए जाते हैं, लेकिन नवरात्रि के दौरान थावे माई के कपाट बंद नहीं होते हैं. इस अद्वितीय स्थल का आध्यात्मिक माहौल और भक्तों के आत्मिक संबंध से भरी बातें हैं, जो इसे बिहार के प्रमुख धार्मिक स्थलों में एक बना देती हैं. मंदिर के पुजारी संजय पाण्डेय ने बताया कि असम के कामाख्या से चलकर मां भवानी यहां थावे पहुंची थीं. कहा जाता है कि मां कामाख्या से चलकर कोलकाता (काली के रूप में दक्षिणेश्वर में प्रतिष्ठित), पटना (यहां मां पाटन देवी के रूप में जानी गई), आमी (छपरा जिला में मां दुर्गा का एक प्रसिद्ध स्थान) होते हुए थावे पहुंची थीं और रहसु भगत के मस्तक को विभाजित करते हुए साक्षात् दर्शन दी थीं. सती के 51 शक्ति पीठों में से एक इस मंदिर के पीछे एक प्राचीन कहानी है.

मंदिर के मुख्य पुजारी संजय पाण्डेय ने बताया कि हथुआ नरेश राजा मनन सिंह और रहसु भगत के बीच एक रोचक कहानी है. उन्होंने स्पष्ट किया कि हथुआ के राजा मनन सिंह खुद को दुर्गा का सबसे बड़ा भक्त मानते थे और उनमें इस बात का गर्व था कि मां का उनसे बड़ा कोई भक्त नहीं है.एक समय अचानक ही उनके राज्य में अकाल पड़ा. उसी समय थावे प्रखंड के भवानी पुर गांव में रहने वाले रहसु भगत की कहानी सामने आयी. रहसु धान की खेती करते थे और माता भवानी की कृपा से उन्हें विषैले सांपों की रस्सी से धान को छलना आता था और इससे गांव वालों को अनाज मिलता था और पेट भरता था. यह सुनकर राजा ने रहसु भगत को परीक्षण के लिए बुलाया और राजा को इस पर विश्वास नहीं हो रहा था.राजा ने देवी को प्रकट करने के लिए ज़िद्द की. रहसु भगत को नहीं चाहते हुए भी देवी को प्रकट करना पड़ा. देवी रहसु भगत के शरीर से प्रगट होकर अंतर्धान हो गईं. कालांतर में राजा मनन सिंह ने वही मां भवानी का मंदिर बनवाया, जो आज थावे भवानी मंदिर के नाम से विख्यात है. लोक जन श्रुति है कि मां थावे के दर्शन मात्र से मनुष्य की सारी मनोवांछित कामनाएं पूरी हो जाती हैं. हमने भक्ति भाव से मां के दर्शन किये और विश्व मंगल की कामना की:-

या देवी सर्वभूतेषु सिद्धि रूपेण संस्थिता.
नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः.

पत्नी पीड़ित और पराई

नश्तर

सुधीर राघव

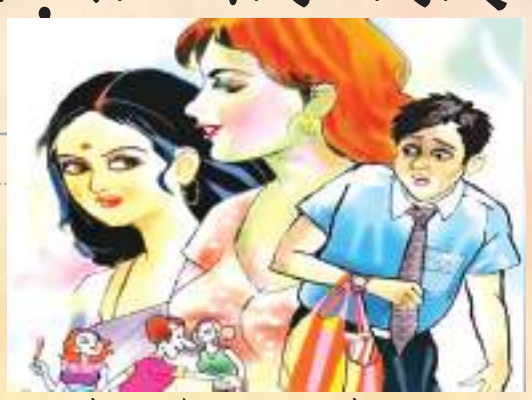

पत्नी बीवी पर व्यंग्य करना दुनिया का सबसे आसान काम है. पत्नी का उपहास उड़ाकर न जाने कितने कलमघिस्सू व्यंग्यकार हो गए और न जाने कितने हास्य रस के मंच शिरोमणि कवि! खूंखार बीवी के चुटकुले सुनाकर महफ़िल लूटने वालों की भी कोई कमी नहीं है. मगर क्या आपने कभी किसी पुरुष को दूसरे की बीवी का उपहास उड़ाते देखा है? क्या कोई मर्द का बच्चा साली, भाभी, पड़ोसन की शान में ऐसी गुस्ताखी कर सकता है. क्या वह उनकी चुड़ैल से तुलना कर सकता है. क्या वह उनकी कोई भी बात अनसुनी कर सकता है. बड़े से बड़ा शूरवीर इतनी हिम्मत नहीं रखता कि पड़ोसन पर एक अदद चुटकुला बना सके. सार्वजनिक रूप से उसका उपहास उड़ा सके. वह जानता है कि एक उपहास से संभावनाओं के सारे द्वार बंद हो जाएंगे. उसके सारे सपने उसी पल मर जाएंगे. अपनी बीवी की दिन रात खिल्ली उड़ाने वाले पुरुष अक्सर दूसरों की बीवी के आगे खीसें निपोरते नजर आएंगे. ऐसे मर्द जो रोज समय से इसलिए घर नहीं आते कि बीवी कहीं उन्हें घर- गृहस्थी के काम में हाथ बंटाने को न कह दे, वे सभी पड़ोसन से कहते मिल जाएंगे, भाभीजी कोई काम हो संकोच न करना. आधी रात को भी काम पड़े तो बस एक फोन कर दीजियेगा. आखिर अपने ही अपनों के काम आते हैं. मगर, आधी रात को भी पड़ोसन के काम को आतुर रहने वाले ऐसे जीवों की पत्नियां अक्सर यह शिकायत करते मिलेंगी कि चार दिन से रसोई का बल्ब बदलने की कह रही हूं, मगर इस आलसी से यह छोटा-सा काम भी नहीं हो पा रहा है. एकदम निखट्टू मेरे पल्ले बांध दिया. बेचारी पत्नी उससे दिनभर ए जी! सुनते हो! कहती रहती है, मगर यह किसी काम के लिए सुनकर जवाब भी नहीं देता. लेकिन , इसमें पुरुष का ज्यादा दोष नहीं है. पुरुष प्रकृति से ही काम प्रेरित संभावनावादी जीव है. उसके आदि पूर्वज भी सिर्फ शिकार करना पसंद करते थे, न कि उसका बोझ लादना. वे एक शिकार के बाद दूसरे शिकार की संभावना का जायजा लेते थे. हर पुरुष को अपनी पत्नी जिम्मेदारी का बोझ लगती है मगर दूसरे की बीवी नई स्वछंद संभावना. इस संभावना को अवसर में बदलने के लिए वह अक्सर विक्टिम कार्ड खेलता है. पत्नी की क्रूरता के झूठे किस्से गढ़ता है, ताकि अन्य स्त्रियों को उस पर दया आए और उसकी पत्नी पर इतना गुस्सा कि वे गुस्से में अंधी होकर उसकी सौत बन जाएं. पुरुष उत्पीड़न के किस्सों का बड़ा बाजार है. मंच पर इन्हें हाथों-हाथ लिया जाता है. ये किस्से हर पुरुष की दमित इच्छाओं को तृप्ति की राह दिखाते हैं. अक्सर पुरुष अपना मकड़जाल बुनता है. उसे लगता है कि हर पराई स्त्री के सपनों का राजकुमार एक पत्नी पीड़ित ही होगा. वह सोचता है कि पत्नी की प्रताड़ना झेल जाने वाले पति को भला कौन स्त्री नहीं चाहेगी? पुरुष अपने डीएनए से ही परपीड़क है मगर हमेशा खुद को पीड़ित दिखाता है. हर स्त्री पुरुष के इस चोंचले को खूब समझती है. इसलिए पुरुष हर बार अपने बुने मकड़जाल में खुद ही फंस जाता है.

सुधा की कल्पनाशीलता को मिल रहा नया आयाम

कला-संवाद

मनोज कुमार कपरदार

झारखंड के जनमानस की भाषा, संस्कृति और रहन-सहन दूसरे इलाकों से भिन्न है. सृजनात्मकता और कलात्मकता यहां की संस्कृति का अभिन्न अंग है. यहां लोग जल, जंगल, जमीन से जुड़े होते हैं. प्रकृति के विभिन्न उपादान लोगों की कल्पनाशीलता को नया आयाम देते हैं. लोगों ने यहां की संस्कृति और परंपरा को शुरू से ही महत्त्व दिया है. कला हमारी मानवीय संवेदना को परिष्कार करती है. इसलिए हमारे पुरखों ने कलाओं के विभिन्न स्वरूपों को पहचान दी.

झारखंड में आमतौर पर अधिकांश मिट्टी के घर हैं, जहां विशेष रूप से अक्टूबर और जनवरी के बीच के महीनों में बारिश के मौसम के बाद इस क्षेत्र के मिट्टी के घरों की मरम्मत की जाती है और फिर से नई परत चढ़ायी जाती है. तैयारी दीवार की सतह के काम के साथ शुरू होती है. वर्षा-क्षति की सीमा के आधार पर, दरारें या अन्य क्षतिग्रस्त भागों को ढंकने के लिए ताजी मिट्टी डाली जाती है. फिर पूरी दीवार को पहले के भित्ति चित्र को हटाने के लिए खंगाला जाता है या मौजूदा दीवार की सतह पर मिट्टी की एक नई परत डाली जाती है. एक बार जब यह सूख जाता है, तो उस पर डिजाइन तैयार किया जाता है.

भित्ति चित्रों को चित्रित करने का अभ्यास मिट्टी के घरों के संरक्षण का अभिन्न अंग बन जाता है. डिजाइन चॉक के एक टुकड़े का उपयोग करके तैयार दीवार में चित्र अंकित किया जाता है. यह झारखंड की सदियों पुरानी परंपरा है. आज भी गांवों में यह परंपरा देखी जा सकती है. बाजारवाद के दौर में अब नई पीढ़ी के कलाकार इसे नये रूपों में लेकर कैनवस पर कार्य कर रहे हैं. ऐसी ही एक कलाकार हैं सुधा कुमारी. सुधा कुमारी कला एवं शिल्प महाविद्यालय पटना से बीएफए करने के बाद अब जेजे स्कूल ऑफ आर्ट से एमएफए कर रही हैं. पेंटिंग ने इन्हें पूरी तरह संतुष्ट नहीं किया तो ये म्यूरल आर्ट की ओर आकर्षित हुए और म्यूरल आर्ट के माध्यम से इन्होंने अपनी संस्कृति को उकेरने संजोने का कार्य बड़ी सिद्दत से किया है. ये पूरे मनोयोग से नई पीढी के कलाकारों को प्रेरित भी कर रही हैं. इनकी कला में झारखंड की कलाकृति, गांव के लोग, जनजाति, उनके उत्सव, गांवों से लेकर शहर के गलियों तक के दृश्य दिखते हैं. सुधा के चित्र सामाजिक अनुभवों की अभिव्यक्ति है, यही कारण है कि इनके चित्रों की संप्रेषणीयता में कोई रुकावट नहीं है. ये खासकर प्राकृतिक दृश्यों और मानव संरचना पर केन्द्रित होकर कार्य करते हैं. अपनी परंपरागत कला शैलियों के बारे में इनका कहना है कि किसी भी कलाकार के लिए चाहे वह किसी भी माध्यम से जुड़ा हो, अपनी संस्कृति और परंपरा से जुड़े रहना जरूरी है. अपनी संस्कृति और प्रकृति से जुड़ाव और निरंतर अपने आपको बदलने की ताकत मुझे जिन्दगी से मिली है. सुधा अपनी कलाकृति में वह सब कुछ दिखाना चाहती हैं, जिसे आवश्यक मानती हैं और जो निराशा से परे हैं. यह जीवन का वह पहलू है, जहां संतोष है, सौंदर्य है, सहजता है और प्रकृति भी है.

आखर

इज्जत

कहानी

नीरज नीर

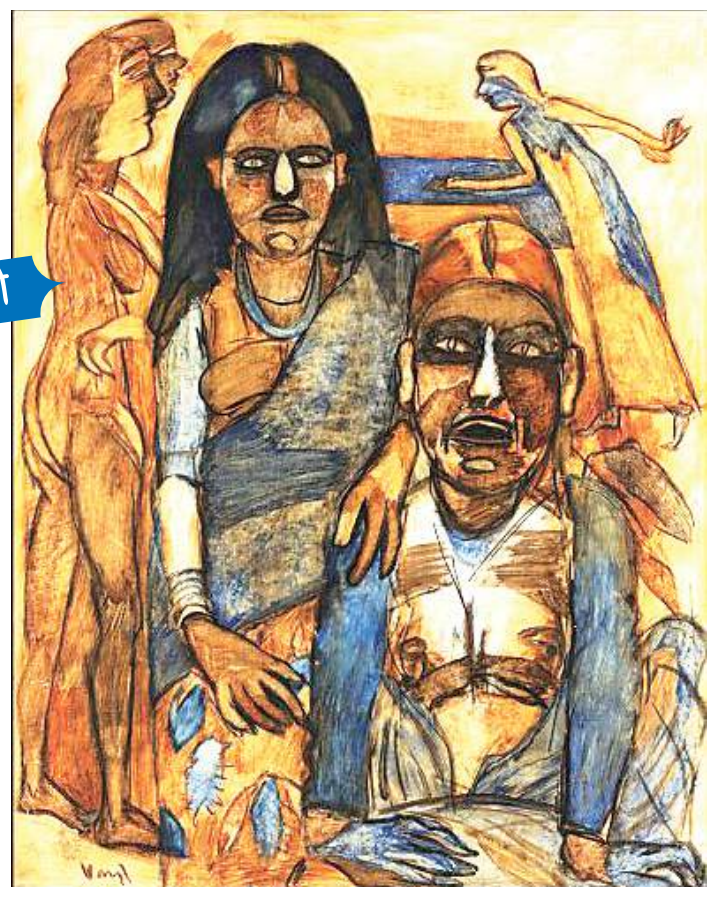

घर के बाहर सूरज आग बरसा रहा था. गर्म लू के थपेड़े चेहरे को झुलसा दे रहे थे. हवा सांय सांय करती हुई चल रही थी. लेकिन प्रशान्त के लिए घर के वातावरण की तपिश बाहर के वातावरण से ज्यादा मालूम पड़ने लगी थी और इसलिए इस गर्म दोपहरी में वे घर से बाहर निकल आये थे. प्रशांत ने चाहा कि अपने दोनों कानों को कसकर बंद कर ले. लेकिन सरे बाजार ऐसा करना ठीक नहीं लगा. यूं तो गर्मी के कारण सड़क पर इक्का दुक्का ही लोग नजर आ रहे थे, वे भी वैसे लोग थे, जिनके लिए बाहर निकलना मजबूरी थी. वरना लोग अपने घरों के या अपनी दुकानों के भीतर बैठे थे. दुकादारों ने भी दुकान के बाहर पर्दा या तिरपाल जैसा टांग रखा था, जिससे गरम हवा-धूप से बचाव हो सके. चौराहे पर पीपल के पेड़ के नीचे ठंडा पानी बेचने वाले ने ठेला लगा रखा था.

इतनी गर्मी में वे कहां जाएं, यह सोचे-विचारे बिना सीधी राह पर बढ़े चले जा रहे थे. देह पसीने से तर-ब-तर हो रही थी और मन क्रोध और खीझ से सुलग रहा था. जब थोड़ी दूर चलकर हाई स्कूल भी पार हो गया तो गुलमोहार के एक वृक्ष के नीचे पुलिया के किनारे वे बैठ गए. अभी वे वहां बैठे ही थे कि पुलिया के नीचे से एक लड़का और लड़की बाहर निकले. शायद इनके वहां बैठने की आवाज सुनकर वे बाहर निकल आए थे. उनके क्रिया -कलाप में बाधा पहुंची थी. ये यहां क्या कर रहे थे? संस्कारहीन, बदमाश... दोनों लड़का लड़की उनको देखे बिना गर्मी को मुंह चिढ़ाते हुए शहर की दिशा में चले गए. जीवन भी मौसम की तरह ही सर्द-गरम चलता रहता है, हम अपनी ओर से विपरीत अवस्थाओं को टाल देने की भरसक कोशिश करते हैं पर ऐसा भला कहां होता है? छोटे से कस्बे विश्रामगंज में प्रशांत एक समृद्ध व्यवसायी थे एवं कई पीढ़ियों से उनका परिवार वहीं बसा था. अवन्तिका एवं अंशुमान दो बच्चों के पिता प्रशांत का पारिवारिक जीवन आज तक आराम से ही बीता था. वे स्वयं पढ़े-लिखे व्यक्ति थे एवं अपने बच्चों को भी पढ़ाने-लिखाने पर उनका पूरा जोर रहा था. बेटा और बेटी में उन्होंने कोई अंतर कभी नहीं माना. बेटी का लालन पालन उन्होंने बेटे से बढ़कर ही किया था. यही वजह थी कि बेटी अवन्तिका अच्छे इंजीनियरिंग कॉलेज से इंजीनियरिंग एवं एमबीए करने के बाद एक बड़ी कंपनी में काम कर रही थी. वह फिलहाल बंगलोर में रहती थी. बेटा गौरव जो दोनों बच्चों में बड़ा था, वह भी अच्छी नौकरी में लगा था. बेटे की शादी की बात चल रही थी और प्रशांत शीघ्र ही उसकी शादी समाज में किसी अच्छे घर-खानदान में कर के एक अच्छे पिता का अपना कर्तव्य पूरा कर देना चाहते थे. प्रशांत की जिंदगी की कहानी में यहां तक तो सबकुछ आदर्श स्थिति में था, लेकिन कहानी मे ट्विस्ट इस बात से आया कि कहीं से उन्हें पता चला कि बेटी अवन्तिका बंगलोर में किसी लड़के के साथ रह रही है. किसी लड़के के साथ बिना शादी के !! यह प्रशांत के लिए उनकी सारी पढ़ाई लिखाई और ऊंचे आदर्शवादी विचारों के बावजूद अप्रत्याशित था और यह अप्रत्याशित था परिवार के सभी लोगों के लिए. दरअसल यह अप्रत्याशित तो था पूरे समाज के लिए लेकिन प्रशांत चाहते थे कि यह खबर नहीं फैले. लेकिन होता ऐसा है कि जो खबर आप चाहते हैं कि नहीं फैले, वही खबर सबसे ज्यादा फैलती है. जिस स्रोत से खबर आई थी, उसी स्रोत ने दूसरे लोगों को बताया एवं इसके बाद तो मुहल्ले की चाचियों, दीदियों के लिए चटखारे लेकर कहने वाली बात बन गई. परिवार ने माना कि उनकी पीढ़ियों की प्रतिष्ठा सरे-राह चकनाचूर हो गयी है. अवन्तिका को मां की गंभीर बीमारी का संदेश देकर तुरंत ही बुलवाया गया था.

परिवार के लिए बड़ा झटका तब लगा जब अवन्तिका ने बिना किसी लाग-लपेट के यह बात स्वीकार कर ली कि वह बंगलोर में शांतनु दत्त नाम के लड़के के साथ, जो उसी की कंपनी में काम करता है, रहती है. उसने साथ में यह भी जोड़ा कि लड़का बहुत अच्छे स्वभाव का है एवं उससे ज्यादा कमाता है.

शांतनु दत्ता यानि बंगाली? अवन्तिका की मां शालिनी ने पूछा.

दत्ता नहीं दत्त है और बिहारी है.

क्या तुम उससे शादी करने वाली हो?

"अभी तक फाइनली नहीं सोचा है. सब ठीक रहा तो कर भी सकती हूं." अवन्तिका के द्वारा कहा गया.

"और सब ठीक नहीं रहा तो? हे भगवान ! ये कैसे संस्कार हो गए हैं लड़की के?" शालिनी ने सर पीटते हुए कहा.

"ठीक नहीं रहा तब नहीं करूंगी." अवन्तिका ने सपाट भाव से उत्तर दिया.

"जिसके साथ सब ठीक न रहे, उसके साथ शादी करके तो नहीं रहा जा सकता है न मम्मी?"

"और हमारे परिवार की इज्जत के बारे में क्या सोचा है? हम सब समाज में सर उठाकर कैसे जियेंगे? हम लोग सब क्या जहर खा लें?" प्रशांत उत्तेजित हो गए.

"इसमें परिवार की इज्जत कैसे चली जाएगी, ये मैं नहीं समझ पा रही हूं. मैं कोई गलत काम तो नहीं कर रही हूं? किसी के साथ रहने से इज्जत कैसे चली जाती है? दो लड़के अगर साथ रहें तब तो इज्जत नहीं जाती है. लेकिन एक लड़की और लड़का साथ रह लें तो इज्जत चली जाती है. स्त्री किसी के साथ हंस बोल ले, किसी के साथ घूम टहल ले, तो समाज में पुरुषों की इज्जत कम हो जाती है. पुरुषों ने अपनी इज्जत का भार समाज में स्त्रियों के कंधे पर रख दिया है. यह कितनी हैरत की बात है?" अवन्तिका ने कहा था.

समाज का ऐसा ही नियम है बेटे, स्त्री को कुछ मर्यादायों का पालन करना होता है. बिना मर्यादा के समाज की गाड़ी बेपटरी हो जाएगी. सदियों से इन्हीं परंपराओं का पालन समाज में हो रहा है. शालिनी ने समझाया.

शालिनी यद्यपि पढ़ी-लिखी पर परम्पराओं एवं प्रचलित सामाजिक मान्यताओं में यकीन करने वाली एक सामान्य भारतीय घरेलू महिला थी, जो अपने परिवार के कल्याण के सिवा कुछ नहीं सोचती, लेकिन यह कल्याण, वह स्थापित मान्यताओं की परिधि के भीतर ही सोच पाती थी, जिसके बाहर भी कुछ अच्छा हो सकता है ऐसा सोचना भी उसके लिए असंभव था.

"लेकिन ये मर्यादाएं तय किसने की हैं, पुरुषों ने ही न? स्त्री -पुरुष के सहवास में दोनों की बराबर की ही भागीदारी होती है तो फिर इज्जत केवल स्त्री की वजह से क्यों चली जाती है? आज तक स्त्रियां पुरुषों के अधीन रहती आयी थी, उसे दो रोटी और एक जोड़ी कपड़े के लिए भी पुरुषों की कमाई पर निर्भर रहना पड़ा था. इसीलिए पुरुषों ने जैसी मर्यादाएं स्थापित की, जैसा कुछ सोचा, कहा, स्त्रियों के लिए वही नियम बन गए. लेकिन अब, समय बदल गया है. स्त्रियां अब पुरुषों की मुखापेक्षी नहीं है. वह अब स्वाबलम्बन की जमीन पर दृढ़ता से खड़ी अपने नियम स्वयं बनाना जानती है. बेमेल शादी से दो लोग की जिंदगी नर्क हो जाए, यह तो अच्छा नहीं है." अवन्तिका अपनी बात पर अड़ी थी.

अवन्तिका की इसी बात पर प्रशांत उखड़ गए थे और घर से बाहर आ गए थे. अब तो इस लड़की से कोई बात करना ही संभव नहीं है. चार पैसे कमाने क्या लगी, बाप से ही बहस करने लगी है. बहस भी कैसी अमर्यादित भाषा में कर रही है. पढ़ने-लिखने का अर्थ संस्कार भूल जाना तो नहीं होता? ऐसा लगता है हम पढे-लिखे ही नहीं. अरे! हमने भी दुनिया देखी है. आज तक क्या सारी शादियां बेमेल ही होती रही हैं. आज तक सबका जीवन क्या नर्क ही होता रहा है. **-क्रमशः**

घने अंधेरे के बीच रोशनी की उम्मीद

समीक्षा

सुबोध सिंह 'शिवगीत'
सहायक प्रोफेसर, हिन्दी विभाग, विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग

गांव, जहां कभी भारत की आत्मा बसती थी, दया, प्रेम, सौहार्द्र, सहिष्णुता और भाईचारा की गंगोत्री जिन गांवों को कहा जाता था, वहां अब छल, प्रपंच, धोखेबाजी की खेती हो रही है. बड़ी मछली हर छोटी मछली को तन मन धन सहित लील जाने के लिए फरेब का जाल बिछा रही है. कृषि कर्म पर आश्रित गांव अकाल-दुकाल, सुखाड़, महामारी के बादल फटने से मर रहे हैं, तो कुछ बौएजी मिसिर जैसे सूदखोर, पूंजीपति, आदमखोर भेड़ियों के जबड़ों तले पिसने के लिए विवश हैं. हां भेड़िया ही. इसलिए कि वह सिर्फ गांव के हर अच्छे खेत नहीं, फसल नहीं, बल्कि किसी भी सुन्दर दिखने वाली बहू-बेटी को अपना ग्रास बनाना चाहता है और एक हद तक बनाता भी है. गांवों में पसरे विपत्ति के इन बादलों के बीच से रोशनी की तलाश है- रतन वर्मा का उपन्यास 'बादल को छंटना ही है.' उपन्यास में मिथिला के गांवों की सांस्कृतिक विरासत और वर्तमान की त्रासद स्थिति दोनों का सांगोपांग चित्रण हुआ है. एक तरफ बात-बात पर नृत्य-गीत-संगीत की लोक-विरासत, अतिथियों के स्वागत-सत्कार के लिए सर्वस्व न्योछावर कर देने वाले लोक संस्कार की झलक है, तो दूसरी ओर गरीबी और बेबसी की मार झेल रहे ग्रामीणों की सारी जमीन जायदाद बरतन-बासन तक, बगैर डकार लिये निगल जाने वाले बौएजी मिसिर जैसे लोगों की अतृप्त लिप्सा का बेबाक चित्रण.

कमला-बलान नदी के किनारे बसा गांव 'नवटोल' कई वर्षों से, कभी सुखाड़ तो कभी बाढ़ की चपेट में त्रस्त और लस्त-पस्त है. गांव के सारे किसान बार-बार फसल की बर्बादी की वजह से दाने-दाने को मोहताज हो गए हैं. इस वर्ष घराड़ी (घर बारी) तक को बौएजी मिसिर के हाथ गिरवी रखकर लोगों ने फसल लगाई है. सूरज का ताप सब आसरों पर आग लगा रहा है. रचनाकार के शब्दों में, रुंधे गले से बुदबुदाया था वह, "सरबा (साला) हाड़-गोड़-लगा दो, तब भी वही हाल!...न्न, भगमान भी एकदम से निरदयी ही हैं. इस बरस यदि बौएजी मिसिर का ब्याज नहीं दिये, तो छोड़ेगा थोड़े ही सरबा! कितना निरघिन-पापी है मिसिर यह पूरा गांव जानता है. ब्याज नहीं मिला उसको तो चुत्तर पर की लंगोटी भी खोल लेगा. घराड़ी-उराड़ी तो जपत करेगा ही, हम तीनों परानी को भुक्खे भी मार देगा... हे भगवान..."

उपन्यास : बादल को छंटना ही है
लेखक : रतन वर्मा,
प्रकाशक : एपीएन प्रकाशन, उत्तम नगर, नई दिल्ली-59,
मूल्य-200 रुपए/

यह स्थिति एक बिल्टू झा की नहीं है बल्कि गांव के सभी असमर्थ किसान इस त्रासदी के शिकार हैं. रोशनी की तलाश में भटक रहे हरेक ग्रामीण को पतिंगे की तरह ग्रास बनाता जा रहा है छिपकली बना बौएजी मिसिर. सत्यनारायण झा की पत्नी (कनिया), जो बेसमय मसोमात हो गई है, उससे लेकर बिल्टू झा की पत्नी तक को अपनी वासना के जाल में फंसाकर काम सुख भोगना चाहता है बौएजी मिसिर. लोगों की बेबसी है कि सर उठाने के बजाय वे पलायन के लिए प्रेरित हो रहे हैं. बिल्टू झा की बेटी रमपरिया पर भी बौएजी की कुदृष्टि है. बेशर्म अंदाज में, बिल्टू झा की लाचारी का लाभ उठाते हुए, रमपरिया के दादा की उम्र का होकर भी, वह उससे विवाह का प्रस्ताव दे डालता है. गांव की इन घिनौनी स्थितियों से ऊब कर बिल्टू झा अपने और परिवार की रक्षा के लिए शहर भाग जाता है.

पत्नी नदियामावाली के शेष बचे एकमात्र चांदी के गहने (पहुँची) को बेंचकर वह मुजफ्फरपुर अपने पुराने रिश्तेदार (दूर के साला) से मदद की उम्मीद और नई जिंदगी की तलाश में पत्नी-बेटी के साथ झंझारपुर स्टेशन से मुजफ्फरपुर शहर के लिए रवाना हो जाता है बिल्टू झा. मुजफ्फरपुर में उस रिश्तेदार की खोज में भटकते हुए बिल्टू झा और उसके परिवार को कई ठगी का शिकार होना पड़ता है. पर अंत में रिक्शा यूनियन का सदस्य, गोकुल साह उसे सहारा देता है. ब्राह्मण होकर रिक्शा न चलाने की सलाह देता हुआ गोकुल साह मुजफ्फरपुर स्टेशन के निकट रिक्शावालों के लिए सत्तू की दुकान खुलवा देता है. गोकुल साह और उसकी पत्नी पण्डौलवाली के स्नेह सहयोग से बिल्टू झा, उसकी पत्नी नदियामावाली और बेटी रमपरिया की जिन्दगी में आशा का संचार होने लगता है. गोकुल साह बिल्टू झा की बेटी रमपरिया की शादी रमेश शुक्ल से बगैर दान-दहेज के करवाते हैं. बौएजी मिसिर के पास बंधक रखे खेत भी मुक्त हो जाते हैं.

बनावट-बुनावट, भाषा भाव और अभिव्यंजना की दृष्टि से उपन्यास बेहतर बन पड़ा है. कथानक अपरिचित न होते हुए भी, नये अंदाज में परोसा गया है. मिथिलांचल के अतीत और वर्तमान का सहज चित्रण करता हुआ उपन्यास कई सह-कथानकों को लेकर लक्ष्य तक पहुंचता है. गांव और शहर के बिगड़ते-बनते रिश्तों की बानगी को उजागर करता हुआ उपन्यास अंततः यह सिद्ध करने में सफल है कि अंधेरा लाख घना हो, पर समाज में रोशनी की मद्धिम किरण अभी भी शेष है, जो रागात्मकता के बल पर हर अंधेरे से लड़ने की शक्ति प्रदान कर रही है.

लघुकथाएं

आश्वस्ति की डोर

अनिता रश्मि

बिजली ने गौर से कुमार का चेहरा देखा. वह अपने बेटे के साथ इस नए घर में एक सप्ताह पहले ही आई है. बेटे की किलकारी चारों तरफ गूंज रही है. उस किलकारी ने उसे आश्वस्त कर दिया. सही हाथों में पहुंच जाने की खुशी से उसके चेहरे की सलवटें कम हो गईं. विगत में उलझा मन आगत के प्रति उत्सुकता से भरा-भरा.

नारकीय जीवन से कुमार ने उसे बाहर निकाला था. रेड लाइट एरिया की शान बिजली अब सारंगी की धुन, तबले की थाप, घुंघरुओं के बोल से विदा ले चुकी थी. नित्य रात्रिकालीन स्याही से भी. उसका असली नाम 'मासूम' रात की स्याही और छुन... छनन के बीच कैशोर्य में ही डुबो दिया गया था. अपहरण के बाद से वह उसी एरिया में कैद थी. सब कहते, ₹एकदम बिजली जैसा नाचती है. जथा नाम, तथा गुण!" उसने उम्मीद खो दी थी. पर कुमार जैसे लोग अब भी हैं.

बेटा किसका है, न उसे पता, न कुमार ने बात उठाई. कुमार बिजली को बेटे सहित अपनाने को तैयार. वे नए शहर में आ चुके हैं, जहां उसे कोई नहीं पहचानता. जहां कोई अंधियारा कोना नहीं है. उसने कंधे से 'बिजली' को सदा के लिए झटक दिया है. कुमार ने तब से सोचती मासूम के हाथ पर अपना हाथ रखा तो उसकी उल्लसित आवाज, "लोग आंगन की तुलसी को सींचा करते हैं. आपने तो घने जंगल के अंधेरे में पड़ी तुलसी को जलार्पित कर जिला दिया." मासूम की पनीली आंखों के पानी में भविष्य की जगमग ज्योत झलमिल-झिलमिल.

कारण

राजधानी के सबसे बड़े अस्पताल में खूब गहमागहमी थी. कुछ लोग आ रहे थे. कुछ लोग जा रहे थे. लेकिन कुछ नेता लोग जो आ गए थे, जाने का नाम नहीं ले रहे थे. कॉरीडर में इधर-उधर जत्थे में खड़े थे. जनता भागमभाग में व्यस्त थी. अपने बेटे का इलाज कराने आया अन्य शहर का वाशिंदा मुकेश चौंका. एक को रोककर पूछा, "भाई! इतनी भीड़-भाड़? क्या बात है? कहीं भयंकर वारदात, दुर्घटना या जहरीले दारू के कारण सामूहिक मौत...

"...अरे! नहीं भाई, ऐसा कुछ भी नहीं हुआ है. ईश्वर की कृपा से कोई वारदात, कोई दुर्घटना 'आज' अभी तक नहीं घटी.

"तब ये भीड़?...अफरा-तफरी क्यों?"

"आज एक नेता इस अस्पताल के आई सी यू में भर्ती होनेवाले हैं."

"क्यों? हार्ट अटैक?"

"नहीं!"

"लकवा मारा?"

"नहीं!"

"ब्रेन हैमरेज हो गया क्या?"

"नहीं भाई. उनके नाम गिरफ्तारी का वारंट निकला है."

व्यंग्य ›› बर्बरीक

माय नेम इज़ बॉन्ड

जेम्स बॉन्ड सीरीज की फिल्मों का बड़ा ही लोकप्रिय संवाद था - माय नेम इज़ बॉन्ड. भारतीय राजनीति को देखकर बेचारा सिर धुन रहा होगा कि क्यों कहा था. लेकिन राहत भी मिली होगी कि अभी भी इस डायलॉग का महत्व न सिर्फ है बल्कि बढ़ा ही है. विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र का सारा इकबाल अब बॉन्ड के खंभे पर टिक गया है. अब हमाम में जब सभी नंगे हैं एकाध बांएं बाजुओं की पार्टियों को छोड़कर तो सभी के बीच कंपीटिशन इस बात का है कि कौन नंगेपन का प्रदर्शन ज़्यादा सटीक तरीके से कर सकता है. सबसे ऊंची अदालत ने उस अंधेरी जगह पर टार्च की रोशनी फेंक दी जहां सारे नंगे खुशी खुशी नाच रहे थे. सकपकाकर कहने लगे वे भी तो हैं, हम अकेले नहीं इस महफ़िल में. कुछ बहुत गलत भी नहीं है. बॉन्ड का एक अर्थ तो बंधन भी होता है न. बॉन्ड लेने वाले और बॉन्ड देने वाले के बीच ये बंधन तो प्यार का बंधन है. यह लेन देन का रिश्ता तो वर्षों से कायम है.

पहले चुनाव में खर्चा कम होता था, थोड़ा झंडा लंबा लगा दिया, भोंपू लगाकर भाषण दे आये, बस लोग वोट दे आते थे. अब इतना खर्च, इतना तामझाम, टेक्नोलॉजी का प्रयोग, मीडिया मैनेजमेंट, सोशल मीडिया, बूथ मैनेजमेंट, हेलीकॉप्टर से बाय रोड यात्राएं वगैरह. हर जगह जब बाजार घुस गया है तो इसमें क्यों न घुसे. अरबों खरबों का मामला है तो पूंजी लगाने वाले भी तो चाहिए. रोज रोज यह बॉन्ड यह बंधन मजबूत होता जाता है. अब जिसने एक लगाया है वह ग्यारह तो लेगा ही न. बल्कि एक पुरानी फिल्म में तो बहुत पहले ही कह दिया गया था कि गरीबों की सुनों वो तुम्हारी सुनेगा तुम एक पैसा दोगे तो वो दस लाख देगा. एक पैसे के बदले दस लाख का प्रावधान कर दिया गया था. इसलिए लगाने वालों ने भी खुला खेल फर्रूखाबादी शुरू कर दिया.

> यह भी कहा गया कि हमारे सांसद ज़्यादा है इसलिए हमने ज़्यादा लिया. मुंह ज़्यादा रहेंगे तो खायेंगे भी ज्यादा. सिर्फ यह नहीं बता रहे कि जिसने एक लगाया उसने दस लाख गुना ज्यादा कैसे पाया.

ईमानदारी से यह भी कहा गया कि हमारे सांसद ज़्यादा है इसलिए हमने ज़्यादा लिया. मुंह ज़्यादा रहेंगे तो खायेंगे भी ज्यादा. सिर्फ यह नहीं बता रहे कि जिसने एक लगाया उसने दस लाख गुना ज्यादा कैसे पाया. जिस टीके वाले को मसीहा समझ रहे थे हम और कोरोना के समय जयजयकार कर रहे थे बाद में मालूम हुआ कि अधिक माल खपाने के चक्कर में बिना किसी अध्ययन के तीसरा डोज़ भी ठोकवा दिया गया. कहा गया कि तुम मुझे बॉन्ड दो मैं तुम्हें बिजनेस दूंगा. तभी तो परस्पर का बॉन्ड मजबूत होगा.

बॉन्ड के बदले कितने रेलवे स्टेशन, कितने हवाई अड्डे, कितनी फैक्ट्रियां, कितने संस्थान औने पौने दाम में खड़े तिरछे तरीके से दे दिए गए. सब गया विकास के खाते में. हींग लगी न फिटकरी और रंग भी चोखा. हम दब गए महामानव के अहसान तले कि अठारह अठारह घंटे खट रहे हैं, सिर्फ पांच हजार रुपये किलो वाला मशरूम खाकर और मात्र दस लाख का सूट पहनकर यह फकीर लगा है देश सेवा में. देश की, जनता की सेवा दरअसल बॉन्ड की सेवा है. बॉन्ड बॉन्ड पर लिखा है लेने वाले का नाम.

मजेदार बात यह है कि बॉन्ड से सेवा करने वाले मेवा के बारे में निश्चिंत रहते हैं. भारतीय लोकतंत्र को बचाने के लिए ये आधुनिक जेम्स बॉन्ड लगे पड़े हैं और जीतने के बाद खुश होकर खुलकर कहेंगे -माय नेम इज़ बॉन्ड.

कविता/गज़ल

शंकरानंद की कविताएं

शंकरानंद

अकेला होना

टहनी पर अकेला फूल हो
पेड़ पर बस एक फल
उस पर सबसे पहले आंखें जाती हैं.

कोई नहीं जानता
उसकी यातना
उसके उगने का दुःख
जो कभी ख़त्म ही नहीं हुआ.

जबसे पृथ्वी पर आने की लालसा हुई
ठीक तभी से आंधियां आई हर रात
कई दिनों तक बरसा पानी
उंगलियां छूती रही
दहलाती रही कलेजा.

खिलने की रंगत पर
नज़र टिकाने वालों
यह दुःख और संताप
तुम्हें कभी नहीं दिखेगा!

रात के पहर

चारो तरफ सिर्फ एक सन्नाटा है
रात के पहर ऊंघ रहे हैं
इस बीच कब बदल जाता है समय
पता नहीं चलता.

बस एक अंधेरा है
कभी गाढ़ा
कभी पतला
यह रोज की बात है.

मैंने जब भी देखा
रात को सहमा हुआ देखा
लगभग शांत और निस्तब्ध
हर बार
ठीक उस पक्षी की तरह
जो एकाग्र होकर
अपने अंडे सेती है चुपचाप.

अशोक सिंह

छोटे लोग

छोटे लोग हमेशा तादाद अधिक होते हैं
अक्सर लम्बी होती है उनकी सूची
लम्बे नहीं होते उनके हाथ
नाक ऊंची नहीं होती उनकी
छोटा होता है उनका कद
छोटी होती है उनकी दुनिया
होती हैं मुट्ठी भर छोटी-छोटी चाहतें.

छोटे लोग अक्सर गली-कूचे में रहते हैं
पहनते हैं फूटपाथी कपड़े
चलते हैं फूटपाथ पर पैदल.

छोटे लोग अक्सर
लदे-फदे करते हैं गाड़ियों में यात्राएं
लाईन में खड़े होकर लेते हैं टिकट
मोल-भाव कर खरीदते हैं चीजें
और जैसे-तैसे खींच-तानकर
बिताते हैं जीवन .

छोटे लोग अक्सर बड़ी जगह घेरते हैं
पर अफसोस मुट्ठी भर से ज्यादा जगह
नहीं होती पास उनके,
छोटे लोगों से ही बनती है
बड़े लोगों की दुनिया,
उनके होने से ही अक्सर
पहचाने जाते हैं बड़े लोग.

छोटे लोग भीड़ में
तख्तियां उठाये लगाते हैं नारे
और अपनी छोटी-छोटी मांगों के लिए
अक्सर मारे जाते हैं जुलूस में
बड़े लोगों की गोली से.

छोटे लोग अक्सर नीचे बैठकर सुनते हैं
बड़े लोगों का भाषण,
बड़े लोग मंच पर बैठ
करते हैं बड़ी-बड़ी बहसें छोटे लोगों पर.
चलने को तो बहुत दूर तक चलते हैं
पर कहीं पहुंच नहीं पाते छोटे लोग.

छोटे लोग बसाते हैं बड़े-बड़े शहर
और खुद होते जाते हैं
दिन-व-दिन शहर से दूर ....

छोटे लोग अक्सर डरते हैं बड़े लोगों से
लेकिन जब वे डरना छोड़ देते हैं
तो डरने लगते हैं उनसे बड़े-बड़े लोग.

सुशील स्वतंत्र

दायरे में युद्ध

तय चालों के बलबूते
चौसठ खानों के रणक्षेत्र में
दी जाती थी शै और मात
राजा करते थे दायरे में युद्ध
इसीलिए मटियामेट हो गया राजतंत्र.

तय दायरों में होती थी
जीत या शिकस्त
सिपाही से मंत्री तक
सबकी हदें तय होती थीं
और यह सच छिपाया जाता था
कि जिसकी रक्षा के लिए
जान की बाज़ी लगाई जा रही है
प्यादों की रक्षापंक्ति के पीछे खड़ा
वह राजा स्वयं एक मोहरा है.

वज़ीर, हाथी, बिशप, घोड़ा
अपनी-अपनी चालों के कैदी होते
एक कदम आगे की चाल वाला प्यादा
आत्मरक्षा के अधिकार से भी वंचित होता
काले-सफ़ेद राजाओं को
अपने पराक्रम से लड़ने का भ्रम होता
हर बार विजयी वही होता
जो बिसात बिछाता.

अपनी चालों की परिधि को
एक बार भी लांघने का
मोहरों को ख़याल नहीं आया
शतरंज के इतिहास में इसीलिए
कभी इन्कलाब नहीं आया.

राकेश कुशवाहा

हम सभ्य होंगे एक दिन

सभ्य होंगे
एक दिन हम
जिस दिन आलिंगन करते हुए
दो प्रेमियों को
देखते ही नजरें फेर लेंगे हम
और जीने देंगे
उन्हें जिंदगी अपनी .

सभ्य होंगे
एक दिन हम
जब आधी रात को
लौटेंगी स्त्रियां भी
अपने काम से
जैसे पुरुष लौटते हैं
रात की पाली से अपनी .

यास्मीन 'तन्हा'

देखिए

दाग चेहरे का नहीं दिल का देखिए
चोट हमने भी बहुत खाई है देखिए.
वक़्त ने भर दिए हैं जख्म तो क्या
निशां अब भी उनके बाकी हैं देखिए.
ज़माना हमसे पूछता है रुसवाई का सबब
रुसवा जिसने किया है उसे देखिए.
चलना साथ मुमकिन नहीं रहा अब
रास्ते बदल कर एक बार देखिए.
कौन देता है उम्र भर साथ यहां
ज़िंदगी को 'तन्हा' गुजार कर देखिए.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

लखनऊ-कोलकाता व चेन्नई-मुंबई के बीच मुकाबला आज

घरेलू मैदान पर लखनऊ सुपर जाइंट्स को हराने उतरेगी केकेआर

मैच दोपहर 3.30 से शुरू होगा

भाषा। कोलकाता

- ईडन गार्डंस में सत्र का पहला मैच खेलेगी केकेआर
- दोनों टीमों ने जीते हैं तीन-तीन मुकाबले

दो बार की चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) अपने गढ ईडन गार्डंस पर रविवार को आईपीएल के मैच में मयंक यादव के बिना उतर रही लखनऊ सुपर जाइंट्स के खिलाफ उतरेगी तो उसका लक्ष्य जीत की राह पर लौटने का होगा. यह ईडन गार्डंस पर केकेआर का इस सत्र में पहला मैच है. मेंटोर गौतम गंभीर को बखूबी पता है कि यहां होने वाले पांच मैच 2021 के बाद पहली बार प्लेआफ में जगह बनाने के लिये निर्णायक साबित हो सकते हैं. दोनों टीमों ने तीन तीन जीत दर्ज की है जबकि पिछले दौर में पराजय का सामना करके आई हैं. केकेआर को वेस्टइंडीज के आंद्रे रसेल और सुनील नारायण पर अत्यधिक निर्भरता का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है, जो चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ साबित हुआ. चेन्नई ने पिछले मैच में उसे सात विकेट से हराया. नारायण (27) और रसेल (10) बल्ले से नाकाम रहे.

इन दोनों के जबर्दस्त फॉर्म के चलते तीन मैचों में 200 पार का स्कोर बनाने वाली केकेआर चेन्नई के खिलाफ नौ विकेट पर 137 रन ही बना सकी. ऊंगली की चोट के कारण नीतिश राणा यह मैच भी नहीं खेल सकेंगे. केकेआर के कप्तान श्रेयस अय्यर प्रभावित नहीं कर सके हैं और चार मैचों में 0, नाबाद 39, 18 और 34 रन बनाये. वेंकटेश अय्यर तीन मैचों में दोहरे अंक तक नहीं पहुंच पाये और एकमात्र अर्धशतक रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ लगाया. सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पहले मैच में वह तीसरे नंबर पर उतरे लेकिन पिछले दो मैचों में सातवें और पांचवें नंबर पर उतरे. रमनदीप सिंह ने भी प्रभावित नहीं किया. अंडर 19 विश्व कप 2022 विजेता अंगकृष रघुवंशी ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 54 रन बनाये. पिछले मैच में नाकाम रहने के बाद वह अच्छी पारी खेलने को बेताब होंगे.

अब तक नाकाम रहे हैं मिचेल स्टार्क

मिचेल स्टार्क गेंदबाजी में नाकाम रहे हैं और उन्होंने पहले दो मैचों में 100 रन दे डाले. दूसरी ओर लखनऊ को तेज गेंदबाज मयंक यादव की कमी खलेगी जो बाजू की मांसपेशी में खिंचाव के कारण बाहर हैं. उनकी जगह खेल रहे अरशद खान दिल्ली के खिलाफ नाकाम रहे. मोहसिन खान भी अभी तक पूरी तरह से फिट नहीं हैं. क्विंटोन डिकॉक और केएल राहुल को बड़ी पारियां खेलनी होगी . वहीं मार्कस स्टोइनिस और निकोलस पूरन से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी. उनके पास रवि बिश्नोई और कृणाल पंड्या जैसे उम्दा स्पिनर भी है.

टीमें

लखनऊ सुपर जाइंट्स
केएल राहुल (कप्तान), क्विंटन डिकॉक, निकोलस पूरन, आयुष बदोनी, काइल मेयर्स, मार्कस स्टोइनिस, दीपक हुडा, देवदत्त पडिक्कल, रवि बिश्नोई, नवीन-उल-हक, कृणाल पंड्या, युद्धवीर सिंह, प्रेरक मांकड़, यश ठाकुर, अमित मिश्रा, शमर जोसेफ, मयंक यादव, मोहसिन खान, के. गौतम, अर्शिन कुलकर्णी, एम. सिद्धार्थ, एश्टन टर्नर, मैट हेनरी, मोहम्मद अरशद खान

कोलकाता नाइट राइडर्स
श्रेयस अय्यर (कप्तान), केएस भरत, रहमानुल्लाह गुरबाज, रिंकू सिंह, अंगकृष रघुवंशी, शेरफेन रदरफोर्ड, मनीष पांडे, आंद्रे रसेल, नितीश राणा, वेंकटेश अय्यर, अनुकूल रॉय, रमनदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, सुनील नारायण, वैभव अरोड़ा, चेतन सकारिया, हर्षित राणा, सुयश शर्मा, मिशेल स्टार्क, दुष्मंता चमीरा, साकि हुसैन और मुजीब उर रहमान

धौनी की कप्तानी के बिना मुंबई के गढ़ को भेदने उतरेगी चेन्नई

मुंबई इंडियंस के खिलाफ पिछले पांच में से चार मैच चेन्नई सुपर किंग्स ने जीते हैं

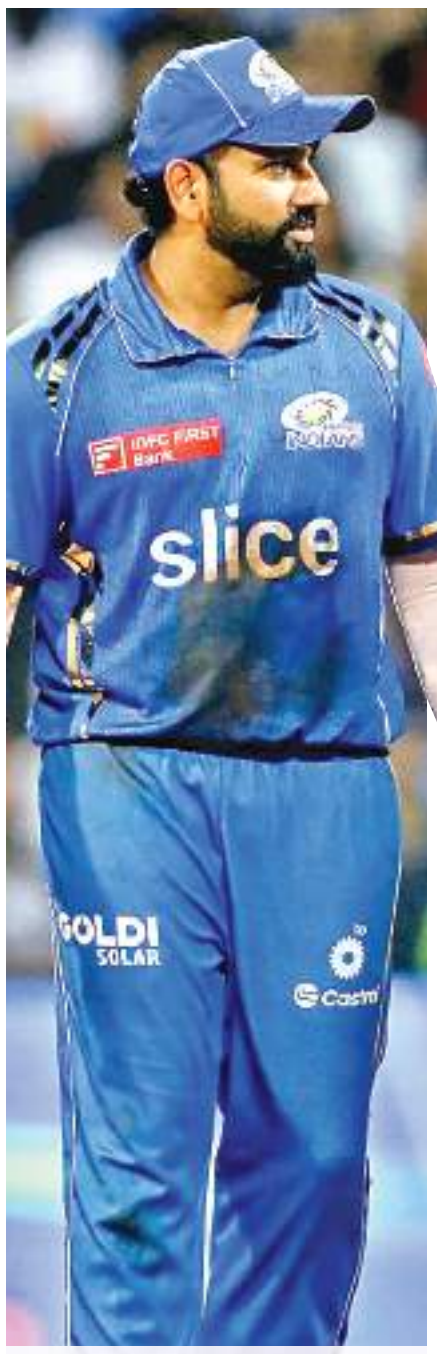

भाषा। मुंबई

गत चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और मेजबान मुंबई इंडियंस इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में रविवार को आमने सामने होंगी तो नजरें महेंद्र सिंह धौनी पर रहेंगी, जिनका वानखेड़े स्टेडियम पर संभवतः यह आखिरी मैच होगा. चेन्नई सुपर किंग्स पहली बार मुंबई में धौनी की कप्तानी के बिना खेलेगी. इस मुकाबले में चेन्नई के नजरें मुंबई के गढ़ को भेदने की होगी. नवंबर 2005 के बाद किसी भी टीम के साथ सिर्फ एक खिलाड़ी के तौर पर धौनी यहां पहली बार खेलेंगे. 42 वर्ष की उम्र में भी विकेट के पीछे धौनी कमाल का प्रदर्शन कर रहे हैं और खेल की उनकी समझ का कोई सानी नहीं. चेन्नई को उम्मीद है कि बाहरी मैदान पर इस सत्र में खराब रिकॉर्ड सुधारने में धौनी का रणनीतिक कौशल काम आयेगा. मुंबई के खिलाफ पिछले पांच मैचों में चेन्नई ने चार जीते हैं. पांच पांच बार आईपीएल खिताब जीत चुकी टूर्नामेंट की दो सबसे कामयाब टीमों के कप्तान इस बार बदले हैं. मुंबई ने रोहित शर्मा की जगह हार्दिक पंड्या को कप्तान बनाया जबकि चेन्नई की कमान धौनी ने रूतुराज गायकवाड़ को दी. इसके बावजूद दोनों टीमों की मैदानी प्रतिद्वंद्विता जस की तस रहने की उम्मीद है.

मुंबई इंडियंस : हार्दिक पंड्या (कप्तान), रोहित शर्मा, सूर्यकुमार यादव, डेवाल्ड ब्रेविस, जसप्रीत बुमराह, पीयूष चावला, जेराल्ड कोएत्ज़ी, टिम डेविड, श्रेयस गोपाल, ईशान किशन (विकेटकीपर), अंशुल कंबोज, कुमार कार्तिकेय, आकाश मधवाल, क्वेना मफाका , मोहम्मद नबी, शम्स मुलानी, नमन धीर, शिवालिक शर्मा, रोमारियो शेफर्ड, अर्जुन तेंदुलकर, नुवान तुषारा, तिलक वर्मा, विष्णु विनोद, नेहल वढेरा, ल्यूक वुड.

सपाट पिच पर होगी चेन्नई के गेंदबाजों की परीक्षा

दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करने के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के खिलाफ 200 के करीब का लक्ष्य हासिल करने वाले मुंबई के बल्लेबाजों को रोकना चेन्नई के गेंदबाजों के लिये कठिन चुनौती होगा. खराब शुरूआत के बाद पंड्या की मुंबई इंडियंस ने वापसी की है. पिछले दो मैचों में उसके बल्लेबाजों का प्रदर्शन शानदार रहा है. सूर्यकुमार यादव ने आरसीबी के खिलाफ 17 गेंद में अर्धशतक जड़ा है. चेन्नई के गेंदबाजों ने चेपॉक की धीमी पिच पर अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन सपाट और बल्लेबाजों की मददगार पिचों पर अभी तक उनकी परीक्षा नहीं हुई है. ईशान किशन और रोहित शर्मा की शुरूआती साझेदारी मुंबई के लिये अहम रहेगी . दूसरी ओर चेन्नई को कप्तान गायकवाड़, रचिन रविंद्र, डेरिल मिचेल , शिवम दुबे, रविंद्र जडेजा और धौनी से अच्छी पारियों की उम्मीद होगी. उन्हें जसप्रीत बुमराह (10 विकेट) से भी बचकर रहना होगा. चेन्नई की गेंदबाजी की कमान मुस्ताफिजूर रहमान , जडेजा, शार्दुल ठाकुर और तुषार देशपांडे के हाथों में होंगी.

मैच शाम 7: 30 से शुरू होगा

चेन्नई सुपरकिंग्स : महेंद्र सिंह धौनी, अरावेली अवनीश, डेवोन कॉनवे, रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), अजिंक्य रहाणे, शेख रशीद, मोईन अली, शिवम दुबे, आरएस हंगरगेकर, रविंद्र जडेजा, अजय जादव मंडल, डेरिल मिशेल, रचिन रवींद्र, मिचेल सेंटनर, निशांत सिंधू , दीपक चाहर, तुषार देशपांडे, मुकेश चौधरी, मुस्तफिजुर रहमान, मथीसा पथिराना, सिमरजीत सिंह, प्रशांत सोलंकी, शारदुल ठाकुर, महेश तीक्षणा और समीर रिज्वी.

नामधारी एफसी ने रीयल कश्मीर पर दर्ज की बड़ी जीत

श्रीनगर। मनवीर सिंह के दो गोल की दम पर नामधारी एफसी ने आई लीग फुटबॉल 2023-24 सत्र के अपने आखिरी मैच में रीयल कश्मीर एफसी को 4-1 से शिकस्त दी. पहली बार इस लीग में खेल रहे नामधारी एफसी ने इस तरह अपने अभियान का अंत 24 मैचों में सात जीत और छह ड्रॉ से 27 अंक के साथ किया. स्टीफन एक्वा (20 वां मिनट) और इमानोल अराना सदाबा (24 वां मिनट) के गोल से नामधारी एफसी की टीम मध्यांतर से पहले 2-0 से आगे थी. मनवीर ने मैच के 60वें और 90वें मिनट में गोल किये. मैच के 67वें मिनट में डिफेंडर हैदर यूसुफ को फाउल के कारण रेड कार्ड दिखाया गया, जिससे रीयल कश्मीर की टीम को 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा. उसके लिए लाल रामदीन सांगा राल्टे (86 वां मिनट) ने गोल किया. रीयल कश्मीर एफसी 24 मैचों में 40 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर रहा.

रोमांचक मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स ने पंजाब किंग्स को 3 विकेट से हराया

एजेंसी। नई दिल्ली

राजस्थान रॉयल्स ने पंजाब किंग्स को आईपीएल 2024 के 27वें मुकाबले में तीन विकेट से हरा दिया है. मुल्लांपुर के महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में पंजाब किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 147 रन बनाए. इसके जवाब में राजस्थान रॉयल्स ने 19.5 ओवर में सात विकेट पर 152 रन बनाए और तीन विकेट से मैच जीता. राजस्थान को जीत के लिए आखिरी ओवर में 10 रन चाहिए थे. शिमरन हेटमायर ने तीसरी और पांचवीं गेंद पर छक्का लगाकर टीम को जीत दिलाई.

148 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी राजस्थान रॉयल्स की टीम ने अच्छी शुरुआत की. यशस्वी जायसवाल और तनुष कोटियान के बीच पहले विकेट के लिए 56 रन की साझेदारी हुई. तनुष 31 गेंद में 24 रन बनाकर आउट हुए. लियाम लिविंगस्टन ने उन्हें क्लीन बोल्ड किया. कप्तान संजू सैमसन 14 गेंद में 18 और रियान पराग 18 गेंद में 23 रन बनाकर पवेलियन लौटे. ध्रुव जुरेल 11 गेंद में 6 रन ही बना सके. रोवमैन पॉवेल 5 गेंद में 11 रन बनाकर आउट हुए. महाराज एक रन ही बना सके. आखिरी दो ओवर में राजस्थान को जीत के लिए 20 रन चाहिए थे. लेकिन 19वें ओवर में सैम करन ने पॉवेल और महाराज को पवेलियन का रास्ता दिखाया. इस ओवर में 10 रन बने. आखिरी ओवर में 10 रन चाहिए थे. शुरुआती दो गेंद पर कोई रन नहीं बने. तीसरे गेंद पर हेटमायर ने छक्का लगाया. चौथी गेंद पर दो रन बने और पांचवीं गेंद पर छक्का लगाकर हेटमायर ने राजस्थान को जीत दिलाई.

- पंजाब किंग्स : 147/8
- राजस्थान रॉयल्स : 152/7

- शिमरन हेटमायर 10 गेंद में 27 रन बनाकर नाबाद लौटे
- पंजाब की ओर से सैम करन और कागिसो रबाडा ने 2-2 विकेट लिए

हॉकी : ऑस्ट्रेलिया से पांचवां टेस्ट भी हारी भारतीय टीम

श्रृंखला में भारत का सूपड़ा साफ

- पांचवे व आखिरी टेस्ट में 3-2 से हारी भारतीय टीम
- पांच मैचों की श्रृंखला ऑस्ट्रेलिया ने 5-0 से जीती

भाषा। पर्थ

भारतीय पुरूष हॉकी टीम को पांचवें और आखिरी टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया ने 3-2 से हराकर पांच मैचों की श्रृंखला 5-0 से जीत ली. पिछले चार मैचों में भारत को 5-1, 4-2, 2-1, 3-1 से पराजय का सामना करना पड़ा था. पेरिस ओलंपिक की तैयारी के लिये यह दौरा काफी महत्वपूर्ण था. भारत के लिये कप्तान हरमनप्रीत सिंह (चौथा मिनट) और बॉबी सिंह धामी (53वां मिनट) ने गोल दागे. ऑस्ट्रेलिया के लिये जेरेमी हैवर्ड (20वां), के विलोट (38वां) और टिम ब्रांड (39वां) ने गोल किये. भारत ने मैच में आक्रामक शुरूआत की. जुगराज सिंह ने ऑस्ट्रेलियाई हाफ में जरमनप्रीत सिंह को गेंद सौंपी लेकिन वह उसे पकड़ नहीं पाये. भारत को चौथे मिनट में हरमनप्रीत ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके कामयाबी दिलाई. हरमनप्रीत का यह श्रृंखला में तीसरा गोल था. ऑस्ट्रेलिया ने 20वें मिनट में हैवर्ड के गोल के दम पर बराबरी की. भारत के रिजर्व गोलकीपर सूरज करकेरा ने नाथन ई के शॉट पर मुस्तैदी से गोल बचाया. हाफटाइम के बाद ऑस्ट्रेलिया को पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन सूरज करकेरा ने गोल बचाया. भारत को 37वें मिनट में मिले पेनल्टी कॉर्नर पर हरमनप्रीत का निशाना चूक गया. ऑस्ट्रेलिया ने एक मिनट बाद विलोट के गोल के दम पर बढत बना ली. इसके एक मिनट बाद ब्रांड ने एडी ओकेंडेन के पास पर तीसरा गोल भी दाग दिया. भारत को 42वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला लेकिन अमित रोहिदास गोल नहीं कर सके. मेजबान टीम को मिले दो पेनल्टी कॉर्नर को भारतीय डिफेंस ने बचाया. भारत के लिये दूसरा गोल धामी ने आखिरी सीटी बजने से सात मिनट पहले रिवर्स हिट पर दागा.

आईपीएल दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ लखनऊ के युवा बल्लेबाज ने किया था शानदार प्रदर्शन

राहुल व लैंगर की हौसला अफजाई से प्रेरणा मिली : बडोनी

भाषा। लखनऊ

लखनऊ सुपर जाइंट्स के युवा बल्लेबाज आयुष बडोनी ने कहा कि कप्तान केएल राहुल और कोच जस्टिन लैंगर ने खराब प्रदर्शन के बावजूद उन पर भरोसा बनाये रखा, जिससे वह दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन कर सके. बडोनी ने 35 गेंद में 55 रन बनाये थे, जिसकी मदद से लखनऊ ने सात विकेट पर 167 रन बनाये. दिल्ली ने 11 गेंद बाकी रहते लक्ष्य हासिल कर लिया. बडोनी ने कहा कि सत्र की शुरूआत अच्छी नहीं हुई लेकिन मैं नेट पर अच्छा खेल रहा था. मैं राहुल व लैंगर को धन्यवाद दूंगा जिन्होंने लगातारी मेरी हौसलाअफजाई की. उन्होंने कहा कि मैं बल्लेबाजी करते समय देर तक टिककर आक्रामक खेलने के बारे में सोच रहा था.

खास बातें

- बडोनी ने दिल्ली के खिलाफ खेली थी 55 रन की पारी
- बडोनी ने कहा, अच्छी नहीं हुई थी सत्र की शुरुआत

कोच जस्टिन से तालमेल अच्छा

बडोनी ने कहा कि कोच जस्टिन से भी मेरा अच्छा तालमेल है. मैं पिछले साल ऑस्ट्रेलिया गया था और उन्होंने भी कई चीजें सिखाई. मैने वहां जस्टिन के साथ दस दिन का शिविर किया, जिससे काफी मदद मिली. उन्होंने कहा कि मैने राहुल से काफी बात की और उन्होंने हमेशा मेरा हौसला बढाया है. वह कहते हैं कि तुम सर्वश्रेष्ठ हो और फिनिशर की भूमिका निभा सकते हो.

टीम के एक्स फैक्ट हैं जैक फ्रेसर मैकगुर्क : प्रवीण आम्रे

दिल्ली कैपिटल्स के सहायक कोच प्रवीण आम्रे का मानना है कि पहली बार आईपीएल में खेल रहे जैक फ्रेसर मैकगुर्क की पारी से टीम को जीत दर्ज करने में आसानी हुई. ऑस्ट्रेलिया के 22 वर्ष के इस बल्लेबाज ने 35 गेंद में 55 रन बनाये. आम्रे ने कहा कि जैक ने शानदार पारी खेली. वह टीम का एक्स फैक्टर है और उसमें छक्के जड़ने की जबर्दस्त क्षमता है. इस प्रारूप में यह काफी अहम है. हमने पिछले दो मैचों में अच्छा खेला लेकिन यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं है

काजल के शतक से खूंटी ने कोडरमा को 258 रन से हराया

- जेएससीए इंटर डिस्ट्रिक्ट अंडर-19 क्रिकेट टूर्नामेंट

संवाददाता। रांची

जेएससीए इंटर डिस्ट्रिक्ट वीमेंस अंडर-19 क्रिकेट टूर्नामेंट में खूंटी ने कोडरमा में हराया. शनिवार को खेले गए इस एकतरफा मुकाबले में खंटी ने 258 रन से जीत दर्ज की. इस मुकाबले में खूंटी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 295 रन का स्कोर खड़ा किया, जिसमें काजल कुमारी ने शानदार नाबाद 106 रन बनाए. महिमा पांडेय ने भी टीम के लिए 77 रन का योगदान दिया. कोडरमा की ओर से राधा कुमारी ने दो विकेट चटकाए. लक्ष्य का पीछा करने उतरी कोडरमा 22 ओवर में 38 रन पर ही सिमट गयी. टीम के लिए रिया कुमारी ने सर्वाधिक 13 रन बनाए. खूंटी की रिया, साक्षी व प्रिया ने दो-दो चटकाए. वहीं कशिश व निहारिका ने एक-एक विकेट लिए.

▼ ब्रीफ खबरें

मूर्ति पर चढ़ा आभूषण लेकर फरार हो गए

छपरा । सारण जिला के खैरा थाना क्षेत्र अंतर्गत पहाड़पुर-रसीदपुर गांव स्थित राधेकृष्ण मंदिर में दिनदहाड़े घुसे चोर ने राधेकृष्ण के शरीर से सभी आभूषण उतार लिए और चंपत हो गया. लेकिन उसकी सारी करतूत सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई. कुछ देर बाद इस घटना की जानकारी ग्रामीणों को लगी और इसकी सूचना पुलिस को दी गई. वहीं सूचना मिलने पर खैरा थाना की पुलिस मौके पर पहुंची एवं जांच में जुट गई. स्थानीय लोगों के अनुसार चोर पूरे चेहरे को ढक कर मंदिर के अंदर आया था.

युवती ने फंदे पर झूल कर खुदकुशी कर ली

भागलपुर । जिले के सनोखर थाना क्षेत्र के तुलसीपुर गांव निवासी पारण पासवान की 14 वर्षीय पुत्री सपना कुमारी ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है. घटना शुक्रवार देर रात की बताई जा रही है. मृतका के पिता ने बताया कि मुझे दो बेटा है. बड़ा बेटे की शादी हो गयी है. वह बाहर में काम करता है. घर में छोटा लडका और बड़ी पतोहू रहती है. घर में किसी बात को लेकर मेरी छोटी बेटी से उन लोगों का झगड़ा हो गया. फिर मेरे छोटे बेटे ने मेरे बेटी के साथ मारपीट की. इसी से गुस्से में आकर उसने कपड़े का फंदा बनाकर फांसी लगाकर जान दे दी. पुलिस मामले की जांच में जुट गयी है.

मोतिहारी से 4 साइबर अपराधी गिरफ्तार हुए

पूर्वी चंपारण । जिले के छौड़ादानो थाना पुलिस ने शुक्रवार को चार साइबर फ्रॉड को दबोचा है, जिसके पास से जब्त मोबाइल में कई संदिग्ध नंबर मिले हैं. पुलिस इसकी जांच में जुट गयी है. बताया जा रहा है कि इन नंबरों में कई नंबर पाकिस्तान के भी है. एसपी कांतेश कुमार मिश्र ने बताया कि रक्सौल डीएसपी के नेतृत्व में चार संदिग्ध लोगों को हिरासत में लिया गया है, जिनसे पूछताछ की जा रही है. इनके तार साइबर क्राइम से जुड़े हैं. पुलिस इनकी निशानदेही पर अन्य जगहों पर छापेमारी कर रही है. जल्द ही इसका खुलासा किया जायेगा.

गया में सीएम नीतीश कुमार ने जीतन राम मांझी के पक्ष में किया प्रचार, बोले-

हमसे कुछ लोग नाराज हैं, हम उल्टा-पुल्टा काम नहीं करेंगे

संवाददाता । गया/पटना

गया के बाराचट्टी में सीएम नीतीश कुमार ने चुनावी सभा को संबोधित किया. गया लोकसभा से एनडीए प्रत्याशी पूर्व सीएम जीतन राम मांझी के पक्ष में उन्होंने चुनावी जनसभा को संबोधित किया. चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए शनिवार को सीएम नीतीश कुमार ने कहा कि पिछली बार जिसको हमने कहा था उसको आप लोगों ने जीत दिलाई. इस बार भी जीतन राम मांझी को जीत दिलाइए. सीएम भी बनाए थे. 2005 से काम करने का मौका मिला, उसके पहले पति-पत्नी ने क्या किया? कोई काम किया था क्या? शाम में कोई

घर से बाहर नहीं निकलता था. हिंदू-मुस्लिम का झगड़ा होता था. शिक्षा, सड़क, स्वास्थ्य की व्यवस्था नहीं थी, बहुत बुरा हाल था. उन्होंने कहा कि जब हमको मौका मिला तो उसके बाद लड़कियों के लिए साइकिल, पोशाक योजना की शुरुआत की. उसके बाद लड़कों के लिए भी योजनाओं की शुरुआत की. हमलोग का जो काम है उसको तेजस्वी यादव कह रहा है. सब काम हमने किया है. अगर कुछ और की जरूरत है तो चुनाव के बाद पूरा करा देंगे. सब अधिकारियों को कह देंगे कि सब काम तेजी से कर दो.

सीएम नीतीश कुमार ने की अपील : नीतीश कुमार ने कहा कि इंटर पास पर लड़कियों को 25 और फिर अब आगे की पढ़ाई पर 50 हजार रुपए देने का काम किया है. पीएम भी देश भर के लिए काम कर रहे हैं. हम भी हर घर में बिजली, नल का जल पहुंचा दिए हैं. गलती से अगर उन लोग को मौका मिल जाएगा तो फिर हिंदू-मुस्लिम झगड़ा शुरू हो जाएगा. 4 लाख को नौकरी, 5 लाख को रोजगार दिया है. कोई भाषण देने आएगा और अंड बंड कर देगा. हम से कुछ लोग नाराज हैं तो उसको छोड़ दीजिए. उल्टा पुल्टा कोई काम नहीं करते हैं. हम मुस्लिम समाज से कहेंगे कि सबके लिए काम कर रहे हैं. सभी जाति के लिए काम किया है.

बिहार सबसे तेज गति से विकास कर रहा है : सीएम ने कहा कि 94 लाख परिवार आर्थिक स्थिति खराब यह सर्वे में सामने आया है. उत्थान के लिए काम करेंगे, जो खिलाफ में चुनाव लड़ेगा वह अपने लिए काम करेगा, लेकिन हम आपके लिए काम करेंगे. वहीं, विजय चौधरी ने चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जीतन राम मांझी का कड़ाही छाप है. कड़ाही के दो हैंडल है एक बीजेपी का है और दूसरा जदयू का है, जिसे नरेंद्र मोदी और नीतीश कुमार पकड़े हैं. आसमान की ऊंचाई में उड़ने में कोई दिक्कत है क्या? विश्व में हिंदुस्तान सबसे तेज और देश में बिहार सबसे तेज गति से विकास कर रहा है.

बिहार में ओवैसी की पार्टी ने तीन सीटों पर उतारा उम्मीदवार

पटना । एआईएमआईएम ने शनिवार को तीन लोकसभा सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया है. एआईएमआईएम ने दरभंगा, शिवहर और काराकाट लोकसभा क्षेत्र के उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया है. किशनगंज कजलामनी स्थित एआईएमआईएम के प्रदेश कार्यालय में पार्टी के स्टार प्रचारक इंजीनियर आफताब अहमद और आदिल हसन ने प्रेस वार्ता कर जानकारी दी. प्रेस वार्ता के दौरान इंजीनियर आफताब आलम ने बताया कि दरभंगा लोकसभा क्षेत्र से मोहम्मद कलाम, शिवहर लोकसभा से पूर्व सांसद सीताराम सिंह के बेटे राणा रणजीत सिंह और काराकाट लोक सभा क्षेत्र से प्रियंका चौधरी को प्रत्याशी बनाया गया है.

राजद के प्रदेश उपाध्यक्ष बृष्णि पटेल ने पार्टी दिया इस्तीफा

पटना । लोकसभा चुनाव से पहले बिहार में नेताओं के पाला बदलने और इस्तीफा देने का सिलसिला जारी है. राजद के प्रदेश उपाध्यक्ष बृष्णि पटेल ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया. इसके साथ ही उन्होंने पार्टी में गंभीर आरोप भी लगाए हैं. वहीं, शुक्रवार को पूर्व राज्यसभा सांसद डॉ. अहमद अशफाक करीम ने भी राजद से इस्तीफा दे दिया था. बृशिण पटेल ने राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह को पत्र लिखा है. इस पत्र में उन्होंने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि राष्ट्रीय जनता दल का समर्पित कार्यकर्ताओं की कोई आवश्यकता नहीं है और न ही इस दल को सामाजिक न्याय और सांप्रदायिक सद्भाव में आस्था है.

पूर्व राज्यसभा सांसद अशफाक करीम जदयू में हुए शामिल, बोले-

सीएम ने अकलियत को आगे बढ़ाने के लिए हमेशा काम किया

संवाददाता । पटना

राजद के पूर्व राज्यसभा सांसद अशफाक करीम ने शनिवार को पटना में जदयू में शामिल हो गए. इस दौरान उन्होंने कहा कि यह निर्णय इसलिए लिया क्योंकि बिहार में जातीय सर्वे के बाद भी राजद ने मुसलमानों को 26 में से केवल दो सीटें दीं, जिनका राज्य में 18 प्रतिशत वोट शेयर है. किसी को भी अपने अधिकारों से वंचित होना स्वीकार नहीं करना चाहिए. करीम ने कहा कि कहते हैं कि नीतीश जी बीजेपी के साथ हैं, लेकिन बीजेपी के साथ रहते हुए भी जिस तरह से उन्होंने अखलियत को आगे बढ़ने का काम किया है जिससे युवा खुश हैं. जो 90% वोट मुसलमान उधर देता था अब वो 90% वोट जदयू में देगा. बिजली के क्षेत्र में, सड़क के क्षेत्र में बहुत काम हुआ है. नीतीश जी के नेतृत्व में बहुत अच्छा काम हुआ है इसलिए मैं बार-बार नीतीश कुमार को धन्यवाद देता हूं. मेरी जो इच्छा थी वह पूरी हो चुकी है अब जो भी मिला है और मिलेगा वह बोनस है. मेरी ज्यादा कुछ इच्छा नहीं है.

एनडीए को भारी बहुमत दें : वहीं, इस दौरान वहां मौजूद राज्यसभा सांसद संजय झा ने कहा कि अशफाक करीम के दल में आने से सीमांचल में बहुत अच्छा माहौल पार्टी के प्रति बनेगा. हम उनका स्वागत करते हैं. हम लोगों से अपील कर रहे हैं कि वह सामने आए जदयू को वोट करें और एनडीए को भारी बहुमत दें. आगे मंत्री विजेंद्र यादव ने कहा कि हमारे अल्पसंख्यक समाज के लोगों का जदयू की तरफ झुकाव दिख रहा है. भाजपा के साथ रहते हुए भी अल्पसंख्यक समाज की रक्षा नीतीश कुमार के नेतृत्व में हुई है यह पूरे मुल्क में एक मिसाल है.

लालू और तेजस्वी ने पीठ में छुरा घोंपा है : सरफराज आलम

पटना । सीमांचल के अररिया से राजद के पूर्व सांसद सरफराज आलम बेटिकट होने के बाद मंच पर फूट-फूट कर रोने लगे. वे अररिया में जनता को संबोधित करते हुए वो काफ़ी भावुक भी हो गए. वहीं, उन्होंने कहा कि वह अपने पिता और पूर्व केंद्रीय गृह राज्य मंत्री तस्लीमुद्दीन को याद करते हुए रो रहे हैं. वे रोते हुए लोगों को संबोधित किया और साथ ही उन्होंने कहा कि लालू-तेजस्वी ने मेरी पीठ में छुरा घोंपा है. मेरे साथ धोखा किया है सीमांचल का मुसलमान राजद के बंधुआ मजदूर नहीं है. उन्होंने कहा कि राजद ने मुसलमानों का हमेशा वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया है. उन्होंने कहा कि सरफराज आलम सीमांचल के गांधी तस्लीमुद्दीन का बेटा है.

बांका में शुक्रवार देर शाम हुआ बम विस्फोट

घायल हुए चार बच्चों में दो की मौत

संवाददाता । बांका

बांका के धोरैया थाना क्षेत्र अंतर्गत अहिरो गांव में शुक्रवार की देर शाम अचानक हुए बम विस्फोट में जख्मी हुए चार बच्चों में से दो की मौत हो गई है. दोनों का इलाज जवाहरलाल नेहरू चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल भागलपुर में चल रहा था. अन्य 2 बच्चों का इलाज भी इसी अस्पताल में चल रहा है. मृत बच्चों की पहचान धोरैया प्रखंड के अहिरो गांव के मकसूद मोहल्ला निवासी मोहम्मद इस्माइल अंसारी के 8 वर्षीय पुत्र कुर्बान और मोहम्मद सद्दाम के 5 वर्षीय पुत्र सनिउल्ला के रूप में हुई है. जानकारी के अनुसार मोहम्मद इस्माइल अंसारी के घर बम बनाया जा रहा था, जो शुक्रवार की देर संध्या अचानक फट गया.

बम बनाने की सामग्री हुई है बरामद : इसकी चपेट में आने से चार बच्चे गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे. घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल कायम हो गया है. घटना की सूचना के बाद धोरैया थाना पुलिस के साथ-साथ बांका एसपी डॉ. सत्यप्रकाश ने भी मौके पर घटनास्थल पर पहुंचकर छानबीन की है. छानबीन के क्रम में मोहम्मद इस्माइल के घर से बम बनाने की कुछ सामग्री बरामद हुई है. पुलिस मामले की जांच में जुट गयी है.

युवक ने खुद को मारी गोली, मौके पर ही मौत

अररिया । अररिया के रानीगंज थाना क्षेत्र के रानीगंज नगर पंचायत वार्ड संख्या चार निवासी आशीष नायक (30) ने अपने सिर में गोली मारकर आत्महत्या कर ली है. मृत युवक रानीगंज नगर पंचायत के वार्ड संख्या 4 निवासी सुशील नायक का पुत्र आशीष नायक है. वही, फिलहाल अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि आखिर युवक ने आत्महत्या क्यों की? सूत्रों का कहना है कि पिछले कुछ दिनों से युवक का अपने ही परिवार से किसी बात को लेकर काफी अनबन और मनमुटाव चल रहा था. इन्हीं घरेलू विवादों के चलते मृतक ने गुस्से में आकर अपने सिर में गोली मारकर आत्महत्या कर ली. पुलिस मामले की जांच में जुट गयी है.

राजद के घोषणा पत्र पर मांझी बोले-

उनकी सरकार बन ही नहीं रही है, कुछ भी घोषणा कर सकते हैं

संवाददाता । पटना

लोकसभा चुनाव के लिए राजद ने परिवर्तन पत्र के नाम से अपना घोषणा पत्र जारी किया है. इसे लेकर एनडीए के सहयोगी जीतन राम मांझी ने राजद के घोषणा पत्र पर तंज कसते हुए अपने एक्स अकाउंट पर लिखा है कि राजद के घोषणा पत्र में शायद कुछ बातें छूट गई हैं, भारत में अमेरिका का विलय करेंगे. सूरज पश्चिम से उगाएंगें. समुद्र के पानी को मीठा बना देंगें, पहाड़ हवा में उड़ेंगे. अब जब तेजस्वी यादव जी को पता है कि उनकी सरकार बन ही नहीं रही तो वह कुछ भी घोषणा कर सकतें हैं.

इधर, सांसद चिराग पासवान ने भी राजद के घोषणा पत्र पर निशाना साधा है. चिराग ने कहा कि एक लंबे समय तक इन्हीं के परिवार के लोग बिहार की सत्ता में रहे और उस वक्त कैसे नौकरियां बांटी गईं. यह हम से किसी को बताने की जरूरत नहीं है. चुनावी समय में वादे बड़े-बड़े किए जाते हैं और हकीकत जब खुद सत्ता में आते हैं तो उसके बाद पता चलता है. लोकसभा के चुनाव में बिहार की जनता मन बना चुकी है कि तीसरी बार मौजूदा प्रधानमंत्री जी को ही देश का प्रधानमंत्री बनाना है.

कारोबार

एयर इंडिया ने पांच नए संपर्क केंद्र शुरू किए

नयी दिल्ली । एयर इंडिया ने दुनिया भर में अपने ग्राहकों को सहायता प्रदान करने के लिए काहिरा और कुआलालंपुर सहित पांच स्थान पर नए संपर्क केंद्र खोले हैं. एयरलाइन ने मुंबई, काहिरा और कुआलालंपुर में केंद्रों से प्रीमियम सेवाओं का प्रबंधन करने के लिए कॉन्सेंट्रिक्स के साथ साझेदारी की है. प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इसके अलावा वाहक ने घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए नोएडा और बेंगलुरु में संपर्क केंद्र संचालित करने का काम आईएनर्जाइज़र को सौंपा है.

यात्री वाहनों की थोक बिक्री 8.4 प्रतिशत बढ़ी

नयी दिल्ली । भारत में यात्री वाहनों की थोक बिक्री वित्त वर्ष 2023-24 में सालाना आधार पर 8.4 प्रतिशत बढ़कर 42,18,746 इकाई हो गई. उद्योग निकाय सियाम ने शनिवार को यह जानकारी दी. वित्त वर्ष 2022-23 में कुल यात्री वाहन आपूर्ति 38,90,114 इकाई रही थी. सियाम की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में दोपहिया वाहनों की बिक्री 13.3 प्रतिशत बढ़कर 1,79,74,365 इकाई रही, जबकि वित्त वर्ष 2022-23 में यह 1,58,62,771 इकाई थी.

ओमेगा ने इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर किया पेश

नयी दिल्ली । इलेक्ट्रिक वाहन विनिर्माता ओमेगा सेकी मोबिलिटी (ओएसएम) ने इलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर स्ट्रीम सिटी क्यूक शनिवार को पेश किया. इसे 15 मिनट में चार्ज किया जा सकता है. कंपनी की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, वाहन की कीमत 3,24,999 रुपये (एक्स-शोरूम) है. यह दो लाख किलोमीटर या पांच साल की वारंटी (जो भी पहले हो) के साथ आता है. इसमें 8.8 किलोवॉट आवर का बैटरी पैक है. ओमेगा सेकी मोबिलिटी के संस्थापक एवं चेयरमैन उदय नारंग ने कहा कि कंपनी उम्मीद कर रही है कि इस वित्त वर्ष में वाहन बिक्री में बढ़ोतरी से कर पूर्व आय (एबिड्टा) सकारात्मक हो जाएगी.

नाइट फ्रैंक और उद्योग मंडल सीआईआई ने जारी किया आंकड़ा

रियल एस्टेट बाजार 73% बढ़कर 482 अरब डॉलर पर पहुंचा

एजेंसी । नयी दिल्ली

आवासीय एवं वाणिज्यिक संपत्तियों की बेहतर मांग और उच्च आर्थिक वृद्धि की वजह से भारतीय रियल एस्टेट बाजार का आकार वर्ष 2015 से 73 प्रतिशत उछलकर 482 अरब डॉलर तक पहुंच चुका है. संपत्ति के बारे में परामर्श देने वाली नाइट फ्रैंक और उद्योग मंडल सीआईआई की तरफ से शनिवार को संयुक्त रूप से जारी रिपोर्ट के मुताबिक, भारत का रियल एस्टेट बाजार वर्ष 2034 तक करीब तिगुना होकर 1,487 अरब डॉलर का हो जाएगा.

रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय रियल एस्टेट बाजार का आकार वर्ष 2015 में 279 अरब डॉलर था और वर्ष 2024 में बढ़कर 482 अरब डॉलर हो चुका है जो कुल आर्थिक उत्पादन का 7.3 प्रतिशत है. बढ़ती अर्थव्यवस्था के समर्थन से देश में रियल एस्टेट क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव आया है. भारत के रियल एस्टेट क्षेत्र का लगभग 250 सहायक उद्योगों से किसी-न-किसी तरह का संबंध है. सलाहकार फर्म ने कहा कि यह कृषि क्षेत्र के बाद सबसे अधिक रोजगार पैदा करने वालों में से एक है, जो कुल रोजगार का 18 प्रतिशत है. सीआईआई-नाइट फ्रैंक इंडिया रिपोर्ट का अनुमान है कि

भारत का रियल एस्टेट बाजार वर्ष 2034 तक करीब तिगुना होकर 1,487 अरब डॉलर का हो जाएगा

रियल एस्टेट क्षेत्र का लगभग 250 सहायक उद्योगों से किसी न किसी तरह का संबंध है

2034 तक भारत के रियल एस्टेट क्षेत्र का विस्तार 1.5 लाख करोड़ डॉलर तक होने की उम्मीद है, जो कुल आर्थिक उत्पादन में 10.5 प्रतिशत का योगदान देगा. सलाहकार कंपनी ने रियल एस्टेट क्षेत्र के बाजार आकार में वृद्धि के लिए बढ़ती आवासीय मांग, कार्यालय स्थल की जरूरत में वृद्धि, होटल और खुदरा क्षेत्र के विस्तार को जिम्मेदार ठहराया है.

नाइट फ्रैंक इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी निदेशक (शोध, परामर्श, बुनियादी ढांचा एवं मूल्यांकन) गुलाम जिया ने कहा, आने वाले दशक में भारत की आर्थिक उन्नति में अभूतपूर्व उछाल आएगा, जिसमें रियल एस्टेट क्षेत्र आधारशिला बनने के लिए तैयार है. वर्ष 2034 में आवासीय बाजार 906 अरब डॉलर मूल्य का हो जाने की उम्मीद है.

रियल एस्टेट में विदेशी निवेश में भारी गिरावट

नयी दिल्ली । विदेशी निवेशक इस साल रियल एस्टेट से सतर्क रहे और उन्होंने इस क्षेत्र में 2024 की पहली तिमाही में सिर्फ 1.1 करोड़ डॉलर का निवेश किया. वैश्विक संपत्ति सलाहकार फर्म वेस्टियन ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए कहा कि रियल एस्टेट क्षेत्र में जनवरी-मार्च में संस्थागत निवेश सालाना 55 प्रतिशत घटकर 55.2 करोड़ डॉलर रह गया. रिपोर्ट के अनुसार, रियल एस्टेट क्षेत्र में पिछले साल की समान अवधि में 123.83 करोड़ डॉलर (1.23 अरब डॉलर) निवेश आया था. वेस्टियन के आंकड़ों के अनुसार, देश के रियल एस्टेट क्षेत्र में विदेशी कोषों का संस्थागत प्रवाह 2024 की पहली तिमाही में 99 प्रतिशत गिरकर केवल 1.1 करोड़ डॉलर रह गया, जो पिछले साल की समान अवधि में 79.14 करोड़ डॉलर था. घरेलू निवेशकों ने जनवरी-मार्च 2024 में भारतीय रियल एस्टेट में 54.11 करोड़ डॉलर का निवेश किया, जो पिछले साल की समान अवधि में 44.69 करोड़ डॉलर से 21 प्रतिशत अधिक है.

एनसीएलएटी ने डेक्कन चार्टर्स की दिवालिया कार्यवाही पर लगाई रोक

नयी दिल्ली । राष्ट्रीय कंपनी विधि अपील अधिकरण (एनसीएलएटी) ने कैप्टन जीआर गोपीनाथ के डेक्कन चार्टर्स के खिलाफ दिवालिया कार्यवाही पर 26 अप्रैल 2024 तक रोक लगा दी है. मामले की अगली सुनवाई 26 अप्रैल 2024 को होनी है. इससे पहले, एनसीएलटी की बेंगलुरु पीठ ने करीब 10 करोड़ रुपये की चूक का दावा करने वाली वित्तीय ऋणदाता क्रोन फिनस्टॉक की याचिका को स्वीकार करते हुए कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया (सीआईआरपी) शुरू करने का निर्देश दिया था. डेक्कन चार्टर्स के निलंबित बोर्ड के निदेशक संजय सहगल द्वारा दायर याचिका पर एनसीएलएटी की चेन्नई पीठ ने बुधवार को क्रोन फिनस्टॉक को चार दिन के भीतर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया. अपीलीय अधिकरण की तीन सदस्यीय पीठ ने अंतरिम समाधान पेशेवर (आईआरपी) को सुनवाई की अगली तारीख यानी 26 अप्रैल 2024 तक आगे नहीं बढ़ने का भी निर्देश दिया. डेक्कन चार्टर्स विमान रखरखाव, विमानन प्रशिक्षण आदि सेवाएं प्रदान करती है.

- डेक्कन चार्टर्स विमान रखरखाव, विमानन प्रशिक्षण आदि सेवाएं प्रदान करती है

बिजली की मांग बढ़ने से आएगी परेशानी

सरकार ने गैस आधारित संयंत्रों को चालू रखने दिया निर्देश

एजेंसी । नयी दिल्ली

सरकार ने इस बार लंबे समय तक गर्मी रहने के अनुमान के कारण बिजली की मांग में वृद्धि को देखते हुए गैस आधारित सभी बिजली उत्पादन स्टेशनों को एक मई से 30 जून तक अपने संयंत्रों को चालू रखने का निर्देश दिया है. गैस-आधारित उत्पादन स्टेशनों (जीबीएस) के एक बड़े हिस्से का वर्तमान में, मुख्यतः व्यावसायिक कारणों से प्रयोग नहीं हो रहा है.

मंत्रालय ने इस गर्मी (अप्रैल से जून 2024) में 260 गीगावाट अधिकतम बिजली मांग का अनुमान लगाया है. पिछले साल सितंबर में बिजली की अधिकतम मांग 243

गीगावाट के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई थी. बिजली मंत्रालय के बयान के अनुसार, यह आदेश एक मई, 2024 से 30 जून, 2024 तक बिजली उत्पादन और आपूर्ति के लिए वैध रहेगा. बयान के अनुसार, गैस-आधारित उत्पादन स्टेशनों से अधिकतम बिजली उत्पादन सुनिश्चित करने के लिए सरकार ने बिजली अधिनियम, 2003 की धारा 11 के तहत सभी गैस-आधारित उत्पादन स्टेशनों को निर्देश जारी किए हैं.

कच्चा तेल 91 डॉलर प्रति बैरल के करीब

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है. ब्रेंट क्रूड का भाव 91 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 86 डॉलर प्रति बैरल के करीब है. हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल-डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं किया है. इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक शनिवार को नई दिल्ली में पेट्रोल का भाव 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर टिका हुआ है. मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है.

समीक्षा

उपभोक्ता मामलों के सचिव निधि खरे ने दालों की उपलब्धता की समीक्षा की, कहा-

दालों का आयात करने के लिए भुगतान तंत्र को सरल बनाया

- दालों के भंडार का लिया जायजा, 15 अप्रैल से स्टॉक की जानकारी देना जरूरी

एजेंसी । नई दिल्ली

चुनावी सीजन में दालों की बढ़ती कीमतों पर नियंत्रण के लिए सरकार ने कमर कस ली है. उपभोक्ता मामलों के सचिव ने इसको लेकर कई पक्षों के साथ बैठकें की. बैठक में दालों के भंडार और उपलब्धता का जायजा लिया गया है. उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्रालय ने शनिवार को जारी बयान में कहा कि उपभोक्ता मामलों के सचिव निधि खरे ने दालों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए

देश में म्यांमार से तुअर यानी अरहर और उड़द दाल का आयात किया जाता है

दाल उद्योग के हितधारकों के साथ बैठकें की हैं. निधि खरे ने म्यांमार से दालों के आयात से संबंधित मुद्दों पर यांगून में भारतीय मिशन के साथ भी बैठक की है. मंत्रालय के मुताबिक उपभोक्ता मामलों के सचिव ने 15 अप्रैल, 2024 से ऑनलाइन स्टॉक मॉनिटरिंग के संचालन के लिए दाल उद्योग के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत में इस बात पर जोर दिया कि दालों के वायदा व्यापार में शामिल पाए जाने वाले किसी भी व्यक्ति से आवश्यक प्रावधानों के अनुसार सख्ती से निपटा जाएगा. मंत्रालय के मुताबिक म्यांमार से दालों का आयात करने वाले व्यापारियों के लिए भुगतान तंत्र को और आसान तथा सरल बनाया गया है.

उल्लेखनीय है कि भारत घरेलू जरूरतों को पूरा करने के लिए दालों के आयात पर निर्भर है. देश में म्यांमार से तुअर यानी अरहर और उड़द दाल का आयात करता है. भारतीय दूतावास ने व्यापार और लेन-देन को सरल बनाने के लिए इस साल 25 जनवरी, 2024 से रुपया/क्यात निपटान तंत्र चालू कर दिया है. सेंट्रल बैंक ऑफ म्यांमार ने 26 जनवरी, 2024 को एसआरवीए के तहत भुगतान प्रक्रियाओं के लिए दिशा-निर्देश भी जारी किए हैं.

सरकार ने जारी किया निर्देश, कहा-

ई-कॉमर्स कंपनियों से बोर्नविटा को 'स्वास्थ्य पेय' श्रेणी से हटाएं

एजेंसी । नई दिल्ली

सरकार ने सभी ई-कॉमर्स कंपनियों से अपनी वेबसाइट और प्लेटफॉर्म से बोर्नविटा सहित सभी पेय पदार्थों को 'हेल्थ ड्रिंक' की कैटेगरी से हटाने को कहा है. राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) की रिपोर्ट के बाद वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने यह निर्देश जारी किए हैं.

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से जारी एक अधिसूचना में सभी ई-कॉमर्स कंपनियों से कहा गया है कि वे अपनी वेबसाइट और प्लेटफॉर्म से बोर्नविटा सहित सभी पेय पदार्थों को 'हेल्थ ड्रिंक' की कैटेगरी से हटा दें. मंत्रालय ने नोटिफिकेशन में कहा कि राष्ट्रीय

बाल अधिकार संरक्षण आयोग की एक लीगल बॉडी की जांच में पाया है कि 'हेल्थ पेय डेफिनेशन नहीं है. इससे पहले 2 अप्रैल को एफएसएसएआई ने सभी ई-कॉमर्स कंपनियों से अपनी वेबसाइट्स पर बेचे जाने वाले फूड प्रोडक्ट्स को उचित कैटेगरी में डालने को कहा था. इसके साथ ही अथॉरिटी ने किसी भी पेय पदार्थ की बिक्री बढ़ाने के लिए हेल्थ ड्रिंक और एनर्जी ड्रिंक जैसे शब्दों का दुरुपयोग नहीं करने के लिए भी कहा था.

ब्रीफ खबरें

पाक में आतंकवादियों ने 11 को मार डाला

कराची । पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में अज्ञात आतंकवादियों ने कम से कम 11 लोगों की हत्या कर दी जिसमें नौ बस यात्री शामिल हैं. पुलिस ने शनिवार को बताया कि पहली घटना में सशस्त्र हमलावरों ने शुक्रवार को नोश्की जिले में एक राजमार्ग पर एक बस रुकवायी और बंदूक का डर दिखाकर नौ पुरुषों का अपहरण कर लिया. बाद में इन नौ पुरुषों के शव नजदीकी पर्वतीय इलाके में एक पुल के समीप मिले और उनके शरीर पर गोलियों के निशान पाए गए.

केन्या में बाढ़ से कम से कम 13 की मौत

नैरोबी । केन्या के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश के कारण कम से कम 13 लोगों की मौत हो गयी तथा करीब 15,000 लोग विस्थापित हो गए. मौसम वैज्ञानिकों ने जून तक और बारिश होने की आशंका जतायी है. केन्या रेड क्रॉस सोसायटी के हवाले से बताया कि बारिश के कारण करीब 20,000 लोग प्रभावित हुए हैं. इसमें मार्च के मध्य से देशभर में भारी बारिश और अचानक आयी बाढ़ से विस्थापित तकरीबन 15,000 लोग शामिल हैं.

क्वात्रा ने रक्षा उपमंत्री हिक्स से की मुलाकात

वाशिंगटन । भारत के विदेश सचिव विनय क्वात्रा ने भारत और अमेरिका के बीच व्यापक वैश्विक रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की दिशा में हुई प्रगति पर विस्तृत समीक्षा करने के लिए अमेरिकी रक्षा उप मंत्री कैथलीन हिक्स और कई अमेरिकी अधिकारियों से मुलाकात की. इस दौरान क्वात्रा और हिक्स ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्थिरता और सुरक्षा को बढ़ावा देने के अपने साझा प्रयासों पर चर्चा की. क्वात्रा इस सप्ताह अमेरिका में हैं, जहां वह वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक करेंगे.

हमले की योजना बनाते चार किशोर गिरफ्तार

बर्लिन । जर्मनी में इस्लामिक चरमपंथी हमला करने की योजना बनाने के संदेह में चार किशोरों को गिरफ्तार किया गया है. प्राधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. डुसेल्डोर्फ शहर के अभियोजकों ने बताया कि तीन संदिग्धों में 15 और 16 साल की दो लड़कियां तथा 15 साल का लड़का शामिल है जो पश्चिमी नॉर्थ राइन-वेस्टफालिया राज्य के विभिन्न हिस्सों से ताल्लुक रखते हैं. यह जर्मनी का सबसे घनी आबादी वाला राज्य है.

शॉपिंग सेंटर में चाकू से छह को मार डाला

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया में सिडनी स्थित एक शॉपिंग सेंटर में एक व्यक्ति ने शनिवार को चाकू से हमला कर छह लोगों की हत्या कर दी. बाद में, पुलिस की कार्रवाई में हमलावर भी मारा गया. हमले में एक बच्चे सहित कई लोग घायल भी हुए हैं. न्यू वेल्स के सहायक पुलिस आयुक्त एंथनी कुक ने संवाददाताओं को बताया कि एक व्यक्ति ने बॉन्डी जंक्शन में वेस्टफील्ड शॉपिंग सेंटर में नौ लोगों पर चाकू से वार किया जिनमें से छह लोगों की मौत हो गई.

हरिद्वार : बैसाखी के अवसर पर हरिद्वार में हरकी पौड़ी घाट पर एकत्र हुए श्रद्धालु . -फोटो : पीटीआई

सीबीआई ने अदालत को बताया

कविता ने एससी रेड्डी को आप को पैसा देने की धमकी दी थी

एजेंसी । नयी दिल्ली

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने यहां की एक विशेष अदालत में कहा कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के. कविता ने अरबिन्दो फार्मा के प्रवर्तक शरत चंद्र रेड्डी को दिल्ली सरकार की आबकारी नीति के तहत उनकी कंपनी को आवंटित पांच खुदरा क्षेत्र के लिए आम आदमी पार्टी (आप) को 25 करोड़ रुपये की राशि देने की कथित तौर पर धमकी दी थी. सीबीआई के अनुसार, कविता ने रेड्डी से कहा था कि अगर वह दिल्ली में आप को पैसा नहीं देते हैं तो तेलंगाना और दिल्ली में उनके कारोबार को नुकसान पहुंचेगा.दिल्ली में कथित शराब घोटाले से जुड़े धन शोधन के एक मामले में आरोपी रेड्डी मामले में सरकारी गवाह बन गया है. इस मामले की जांच प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) कर रहा है. सीबीआई ने अभी तक उसके खिलाफ कोई आरोपपत्र दाखिल नहीं किया है. बीआरएस नेता कविता से हिरासत में पूछताछ का अनुरोध करते हुए सीबीआई ने विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा को बताया कि तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव की बेटी कविता के जोर देने पर और आश्वासन पर, रेड्डी दिल्ली में शराब कारोबार से जुड़ा.

वरिष्ठ कांग्रेस नेता पी चिदंबरम ने एक साक्षात्कार में कहा-

कांग्रेस 2019 के लोस चुनाव की तुलना में अधिक सीटें जीतेगी

एजेंसी । कोलकाता

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने शनिवार को कहा कि उनकी पार्टी 2019 के लोकसभा चुनाव की तुलना में इस बार अधिक सीट जीतेगी और अनुमान जताया कि 'इंडिया' गठबंधन तमिलनाडु एवं केरल में शानदार जीत हासिल करेगा. चिदंबरम ने एक साक्षात्कार में यह भी कहा कि न तो हिंदू धर्म, न ही हिंदू किसी खतरे में हैं और मोदी को हिंदुओं का रक्षक के रूप में पेश करने के लिए समूचे विपक्ष को हिंदू-विरोधी करार देना भाजपा की सोची समझी रणनीति है.

उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की इस चुनाव में अहम भूमिका है और राज्य में किला अभेद्य बनाए रखने की उनकी क्षमता 'इंडिया' गठबंधन को मजबूती देगी. चिदंबरम ने कहा, मैं सभी राज्यों के बारे में नहीं बोल सकता.

मैं विश्वास के साथ कह सकता हूं कि 'इंडिया' गठबंधन तमिलनाडु में शानदार जीत दर्ज करेगा. केरल में, दोनों मोर्चे (यूडीएफ और एलडीएफ) 20 सीट साझा करेंगे और भाजपा के लिए एक भी सीट नहीं छोड़ेंगे. कर्नाटक और तेलंगाना में कांग्रेस की सरकारें लोकप्रिय हैं और पार्टी को 2019 से कहीं ज्यादा सीट पर जीत मिलेगी. कांग्रेस ने 2019 के चुनाव में कुल 52 सीट पर जीत दर्ज की थी.

हिंदू धर्म खतरे में नहीं है

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने चुनाव में कांग्रेस के बेहतर प्रदर्शन करने का उल्लेख करते हुए कहा कि हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड और दिल्ली से 'इंडिया' गठबंधन के लिए उत्साहजनक रिपोर्ट है. कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विपक्षी दलों पर तुष्टिकरण की राजनीति करने का आरोप लगाना और उन्हें भारत को तोड़ने पर आमादा हिंदू-विरोधी राजनीतिक नेताओं का समूह कहना लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा की रणनीति है. उन्होंने कहा, यह पूरे विपक्ष को हिंदू-विरोधी के रूप में चित्रित करने और हिंदुओं के रक्षक के रूप में मोदी को पेश करने की भाजपा की सोची-समझी रणनीति है. हिंदू धर्म खतरे में नहीं है. मोदी हिंदुओं से उस भय की कल्पना करने को कह रहे हैं, जिसका अस्तित्व नहीं है. तुष्टिकरण भाजपा के अल्पसंख्यक विरोधी रुख का कूट शब्द है. उन्होंने कहा कि कच्चातिवु का मुद्दा अब बंद हो गया है और सवाल किया कि यह मुद्दा उठाने के लिए भाजपा ने चुनाव के नजदीक का समय क्यों चुना.

खास बातें

- समूचे विपक्ष को हिंदू-विरोधी करार देना भाजपा की रणनीति
- बोले-सीएम ममता बनर्जी की इस चुनाव में अहम भूमिका है

कच्चातिवु मुद्दा 10 साल पहले क्यों नहीं उठाया

चिदंबरम ने यह भी कहा कि कच्चातिवु मुद्दा उठाये जाने से लाखों तमिल भाषी लोगों के हितों को गंभीर नुकसान होगा. पूर्व केंद्रीय मंत्री ने पूछा, कच्चातिवु अब बंद हो चुका मुद्दा है. इस पर 50 साल पहले समझौता हुआ था. मोदी 2014 से प्रधानमंत्री के पद पर हैं. उन्होंने पिछले 10 वर्षों में यह मुद्दा क्यों नहीं उठाया? उन्होंने कहा, यह मुद्दा अब इस तथ्य के आलोक में उठाया जा रहा है कि चीनी सैनिक भारतीय क्षेत्र पर कब्जा कर रहे हैं, हमारे कई गश्त बिंदुओं पर नहीं जाने दिया जा रहा और चीनी अपने फायदे के लिए सीमा पर अपनी स्थिति को मजबूत कर रहे हैं.

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने लोगों से कहा-

मोदी के शब्दों के बहकावे में नहीं आयें, परिवर्तन के लिए वोट करें

एजेंसी । रामनगर (उत्तराखंड)

कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने शनिवार को लोगों से कहा कि वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषणों में इस्तेमाल किए गए शब्दों के बहकावे में नहीं आएं और आगामी लोकसभा चुनाव में बदलाव के लिए वोट करें. उत्तराखंड के रामनगर में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए प्रियंका गांधी ने कहा कि चुनाव वास्तविक मुद्दों पर लड़ा जाना चाहिए, न कि खोखली बयानबाजी के आधार पर. मोदीजी द्वारा अपने चुनावी भाषणों में इस्तेमाल किए गए शब्दों के बहकावे में नहीं आएं. अपना वोट डालने से पहले, आपको ईमानदारी से खुद से पूछना चाहिए कि क्या मोदी सरकार के 10 साल के कार्यकाल में वास्तव में आपके जीवन में कोई सकारात्मक बदलाव आया है. उन्होंने कहा कि लगातार बढ़ती बेरोजगारी, अनियंत्रित महंगाई और प्रश्नपत्र लीक घोटाले लोगों के जीवन की सच्चाई हैं और इनके लिए भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार जिम्मेदार है क्योंकि वह पिछले 10 वर्षों से सत्ता में है. प्रियंका ने उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश की कुछ घटनाओं का जिक्र करते हुए यह भी कहा कि लोगों को मोदी से पूछना चाहिए कि रिसॉर्ट रिसेप्शनिस्ट अंकिता भंडारी और पड़ोसी उत्तर प्रदेश के उन्नाव की एक महिला के हत्यारों को कौन बचा रहा है. प्रियंका ने मोदी सरकार पर अपने किसी भी वादे को पूरा नहीं करने का आरोप लगाते हुए लोगों को याद दिलाया कि युवाओं को दो करोड़ नौकरियां और प्रत्येक नागरिक के बैंक खाते में 15 लाख रुपये जमा करने जैसे वादे अधूरे हैं. उन्होंने भाजपा पर वोट के लिए हर चुनाव में धर्म का इस्तेमाल करने का भी आरोप लगाया. गांधी ने कहा, 'मोदी ने हिमाचल में विस चुनाव से पहले उस राज्य को भी देवभूमि कहा था.

भाजपा व एआईएमआईएम मिले हुए हैं : दिग्विजय सिंह

मालवा (मध्य प्रदेश)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने भाजपा और एआईएमआईएम पर मिलीभगत का आरोप लगाया है. उन्होंने कहा कि सांसद असदुद्दीन ओवैसी को धन कहां से मिलता है. उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा हिंदुओं को भड़काती है, वहीं ओवैसी मुसलमानों को भड़काती है, लेकिन वे एक-दूसरे के पूरक हैं और तालमेल से काम करते हैं. सिंह शुक्रवार रात राजगढ़ लोकसभा सीट के अंतर्गत आने वाले आगर मालवा जिले के सुसनेर में एक सभा को संबोधित कर रहे थे. सिंह इस सीट से कांग्रेस के उम्मीदवार हैं. सिंह ने आरोप लगाया, ओवैसी खुलेआम हैदराबाद में मुसलमानों को भड़काते हैं, भाजपा यहां हिंदुओं को भड़काती है. सिंह ने आरोप लगाया कि देश में लोकतंत्र की हत्या हो चुकी है और लोगों को जेल भेजा जा रहा है. उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी ने सही कहा कि भाजपा दागी नेताओं को साफ करने वाली वॉशिंग मशीन बन गई है.

रक्षा मंत्रालय ने एचएएल को दिया 97 तेजस लड़ाकू विमान खरीद का ठेका

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने भारतीय वायु सेना के लिए 97 हल्के लड़ाकू विमान (एलसीए एमके-1ए) तेजस खरीदने के लिए एयरोस्पेस क्षेत्र की प्रमुख सरकारी कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को एक ठेका दिया है. अधिकारियों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. इन लड़ाकू विमानों की अनुमानित कीमत 67,000 करोड़ रुपये है. तेजस विमान हवाई युद्ध और आक्रामक हवाई सहायता मिशनों के लिए अहम हैं जबकि टोही और जहाज-रोधी अभियान इसकी अन्य विशेषताएं हैं. नवंबर में रक्षा अधिग्रहण परिषद ने भारतीय वायु सेना के लिए 97 और तेजस विमान खरीदने की परियोजना को स्वीकृति दे दी थी.

'इंडिया' गठबंधन चार को 'सुखद जीत' हासिल करेगा : स्टालिन

एजेंसी । चेन्नई

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एवं द्रविड़ मुन्नेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष एम के स्टालिन ने शनिवार को कहा कि 'इंडिया' गठबंधन चार जून को सुखद जीत हासिल करेगा. स्टालिन शुक्रवार को राज्य के दौरे पर आये कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मैसूर पाक प्राप्त करने पर अभिभूत थे. स्टालिन ने कहा कि उनके भाई के प्यारे भाव ने उन्हें भावविभोर कर दिया. दोनों नेताओं ने कोयंबटूर में एक चुनावी रैली को संबोधित किया था. स्टालिन ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें राहुल गांधी कोयंबटूर में उनके (स्टालिन) लिए मैसूर पाक खरीदने के लिए सड़क के डिवाइडर को फांदकर मिठाई की एक दुकान की ओर तेजी से बढ़ते हुए नजर आ रहे हैं. स्टालिन ने कहा, मेरे भाई राहुल गांधी के इस प्यारे भाव से भावविभोर हो गया. चार जून को 'इंडिया' (गठबंधन) निश्चित तौर पर जीत हासिल करेगा. कांग्रेस ने वीडियो पोस्ट करते हुए लिखा कि राहुल गांधी ने एमके स्टालिन को प्रसिद्ध मैसूर पाक उपहार में दिया तथा यह तमिलनाडु के लोगों के साथ उनके मधुर संबंधों का प्रतीक है.

कन्याकुमारी में अमित शाह ने किया रोड शो

नागरकोइल (तमिलनाडु)। भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित शाह ने 19 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव में पार्टी उम्मीदवार पोन राधाकृष्णन के समर्थन में शनिवार को कन्याकुमारी लोकसभा क्षेत्र में एक रोड शो किया. शाह के दौरे से उत्साहित सैकड़ों पार्टी कार्यकर्ता मेट्टुकदाई चौराहा, ठक्कलाई से कन्याकुमारी के पुराना बस स्टैंड तक रोड शो में शामिल हुए. शाह ने विशेष रूप से डिजाइन किए गए अपने वाहन से कार्यकर्ताओं का अभिवादन किया. वह पूरे रास्ते पार्टी का कमल चिह्न लिये हुए थे. इस दौरान पार्टी के सदस्यों ने एक बार फिर मोदी सरकार, भारत माता की जय और एक बार फिर पोन्नार के नारे लगाए.

कॅरियर-काउंसिलिंग

पेट्रोलियम इंजीनियर के क्षेत्र में आजमाएं करियर

रजनीश प्रसाद

पृथ्वी की सतह से तेल, प्राकृतिक गैस निकालने के लिए विभिन्न तकनीकों और मेथड को डिजाइन और डेवलप करने वाले एक्सपर्ट्स को पेट्रोलियम इंजीनियर कहते हैं. वे आमतौर पर जियोलॉजिस्ट्स के साथ काम करते हैं. पेट्रोलियम इंजीनियर, ऑयल और गैस कंपनियों की साइट्स पर पेट्रोलियम और नेचुरल फ्लो की भविष्यवाणी करने के लिए कंप्यूटर सिमुलेशन भी डिजाइन करते हैं. साथ ही वे एक्सट्रैक्शन में मदद करते हैं और इसे मानव उपयोग के लिए उपयुक्त बनाते हैं.

पेट्रोलियम इंजीनियर बनने के लिए जरूरी स्किल्स

- कंप्यूटर एडेड डिजाइन सॉफ्टवेयर का ज्ञान : इस प्रोफेशन में विभिन्न कंप्यूटर एडेड डिजाइन (सीएडी) सॉफ्टवेयर की अच्छी समझ होना बहुत जरूरी है. पेट्रोलियम इंजीनियर अपने काम में डिज़ाइन और ब्लूप्रिंट तैयार करने के लिए विभिन्न प्रकार के सीएडी सॉफ्टवेयर का उपयोग करते हैं. वे न केवल डेटा एनालिसिस बल्कि सिमुलेशन, प्रोडक्शन और ड्रिलिंग प्रोसेसस को स्वचालित करने के लिए एडवांस्ड टेक्नोलॉजीज का उपयोग करते हैं.
- टीम वर्क : पेट्रोलियम इंजीनियर अक्सर अन्य इंजीनियर, कंस्ट्रक्शन वर्करों और प्रोजेक्ट मैनेजर्स के साथ काम रते हैं. अत : टीम के साथ मिलकर काम करने की स्किल्स होना बेहदजरूरी है.
- कम्युनिकेशन स्किल्स : प्रेजेंटेशन देना, मीटिंग में भाग लेना और इनोवेटिव सुझाव देना आदि पेट्रोलियम इंजीनियर के काम के अंतर्गत आते हैं. इसके लिए प्रभावी कम्युनिकेशन स्किल्स का होना बहुत ही जरूरी है.
- एनालिटिकल स्किल्स : पेट्रोलियम इंजीनियर के लिए एक सामान्य कर्तव्य यह निर्धारित करना है कि किसी ऑपरेशन को लाभदायक बनाने के लिए कैसे और कहां ड्रिल करना है. इसमें सही निर्णय लेने के लिए अलग हालातों की विस्तृत एनालिसिस करना जरूरी है. वे जमीन में बचे तेल को निकालने के बेस्ट तकनीकों के साथ मौजूद डाटा की एनालिसिस करने का गुण उनमें होना चाहिए.

पेट्रोलियम इंजीनियरिंग के लिए भारत की टॉप यूनिवर्सिटीज

- आईआईटी, मुंबई
- आईआईटी, मद्रास
- इंजीनियरिंग स्कूल, पेट्रोलियम और ऊर्जा अध्ययन विश्वविद्यालय
- प्रेसीडेंसी विश्वविद्यालय, बैंगलोर
- ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी, देहरादून
- आईआईटी, गुवाहाटी
- आईआईटी धनबाद
- एनएमआईएमएस यूनिवर्सिटी, जयपुर
- आईटीएम यूनिवर्सिटी
- एमिटी स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, नोएडा

पेट्रोलियम इंजीनियर के काम

- ऑनशोर और ऑफशोर दोनों साइटों से गैस और तेल प्राप्त करने के लिए उपकरण डिजाइन करना.
- फार्म्स में ड्रिल करने के तरीके विकसित करना.
- ऑयल और गैस को रिफाइन करने की योजना बनाना.
- पुराने, कम प्रोडक्शन कुओं से अधिक ऑयल और गैस प्राप्त करने के तरीके विकसित करना.
- ऑयल फील्ड उपकरण बनाया गया है, सही ढंग से स्थापित किया गया है और उचित रूप से उपयोग किया गया है, आदि बातें सुनिश्चित करना.
- जियोलाजिकल साइट के कैरेक्टर और क्वालिटीज को समझने के लिए टीमों के साथ काम करना.
- विभिन्न स्थलों पर ऑनगोइंग आधार पर मॉनिटरिंग ऑपरेशन्स करना.
- मौजूदा कुओं से रिसोर्सेज प्राप्त करने के नए तरीकों पर रिसर्च करना.
- प्रोडक्शन लागत को कम करने के लिए उपाय प्रदान करना.

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राईवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)